अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर बुधवार 09 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी

वर्ष 32 अंक 72 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 33.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C
सूर्योदय - 5.55 | सूर्यास्त - 6.20

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

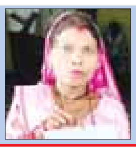

डायन के शक में महिला को बनाया बंधक, गर्म ... ⏩ 4

बिग बॉस 20: डॉन घर में आ चुका है, शो में ... ⏩ 7

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सुनीं लोगों की समस्याएं... ⏩ 8

मध्यप्रदेश में एनर्जी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में होगा नवाचार : मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 में निवेशकों और उद्यमियों से की वन-टू-वन मीटिंग

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स और नगरीय विकास के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, देश के मध्य में स्थित है और यहां का सड़क सम्पर्क, रेल तथा एयर कनेक्टिविटी देश के सभी स्थानों से सुगम है। देश के किसी भी कोने में मध्यप्रदेश से अपने उत्पाद पहुंचाना सरल और त्वरित है। प्रदेश में उपलब्ध बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना, पर्याप्त ऊर्जा तथा स्किल्ड मैनपॉवर के कारण मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास की दृष्टि से हर तरह की संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 (एन्युअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग) के तीसरे दिन 8 सितंबर को यूएई के प्रमुख निवेशकों और उद्यमियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग की। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूएई के बिजनेस-फिलैंथ्रॉपी के लिए स्पेशल एनवॉय और क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बद्र जाफर, डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिजवान सूमार, राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन-मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दर्शन सिंह राणा, जेम्स एजुकेशन कंपनी के चेयरमैन-फाउंडर सनी वर्की, ब्यूमर्क कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ सिद्धार्थ बालाचंद्रन, शराफ ग्रुप के प्रेसिडेंट-सीईओ श्याम कपूर, वीएफएस ग्लोबल के वैश्विक प्रमुख अमित साइचर तथा सुपरमार्केट, वितरण

और विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख बहुराष्ट्रीय समूह चोइथराम के अध्यक्ष एल.टी. पगरानी से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों को अगले वर्ष होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2027 का निमंत्रण भी दिया।

भोपाल-इंदौर में वीजा सेवाओं का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वीएफएस ग्लोबल के वैश्विक प्रमुख अमित साइचर की सौहार्दपूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य में निवेश, रोजगार, वीजा सेवाओं की सुलभता, पर्यटन तथा युवाओं के कौशल विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीएफएस ग्लोबल को भोपाल और इंदौर में वीजा आवेदन सेवाओं का दायरा बढ़ाने तथा क्षेत्रीय पहुंच को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं की रोजगार-योग्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

शराफ ग्रुप निवेश के लिए इच्छुक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शराफ ग्रुप के प्रेसिडेंट-सीईओ श्याम कपूर से मुलाकात की। दोनों के बीच शिपिंग-लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मध्यप्रदेश में रेल-साइडिंग युक्त लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इसके लिए लगभग 30 से 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का प्रस्ताव है। इस परियोजना से लगभग 300 से 600 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। कंपनी इंदौर और पीथमपुर क्षेत्र में निवेश के लिए इच्छुक है।

टीकमगढ़ नपा अध्यक्ष का उपचुनाव स्थगित

टीकमगढ़। टीकमगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष के उपचुनाव को राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक श्रोतिय ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। आयोग के आदेश के बाद 8 सितंबर से शुरू होने वाली नामांकन प्रक्रिया भी रद्द कर दी गई है। हालांकि, ग्रामीण पंचायतों के निर्वाचन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यथावत होंगे। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष उपचुनाव के लिए मंगलवार से नामांकन फार्म वितरण की प्रक्रिया शुरू होनी थी। आयोग के निर्देश के बाद इसे रोक दिया गया है।

ट्रक और कार की टक्कर में 6 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में सोमवार रात तेज रफ्तार ट्रक ने एक एसयूवी को टक्कर मार दी। हादसे में तीन साल के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। सभी मृतक और घायल मजदूर थे और मध्य प्रदेश के बालाघाट से तेलंगाना के करीमनगर काम के लिए जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, हादसा जिला मुख्यालय से करीब चार किलोमीटर दूर नागरा गांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान किरण संतोष वैद्य, संतोष मत्रे, सुशीला मत्रे, रूपसेन तेजलाल सत्याकर, ज्योति रूपसेन सत्याकर और तीन वर्षीय आरुष मत्रे के रूप में हुई है। सभी मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील के रहने वाले थे।

चिप से शिप तक भारत निर्माण की गाथा लिख रहा : प्रधानमंत्री

वडोदरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात के वडोदरा पहुंचे। यहां वह नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर वहां मौजूद युवाओं ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 35000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं विकसित भारत की यात्रा को और गति देने के लिए आपके बीच आया हूं। अभी जो देश के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं देश की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस विकास पर्व पर आप सभी ने जिस सेवा भाव से और सेवा भाव के साथ, पूरे वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया है, इसके लिए मैं वडोदरा के हर एक नागरिक को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं, उनकी सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम के दौरान

वडोदरा में जेन-जी से बोले मोदी

प्रतापनगर (वडोदरा) और टांडा रोड (धार) के बीच नई मेमू यात्री ट्रेन सेवा और अन्य ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी की जरूरत है, जो न केवल सुविधाजनक हो, बल्कि समय के साथ कदम मिलाने के लिए पर्याप्त तेज भी हो। वडोदरा गति शक्ति विश्वविद्यालय का घर है। आज डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की अंतिम कड़ियां भी यहीं से जुड़ गई हैं। 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना आज पूरी हो गई है। 21वीं सदी के भारत के लिए वास्तव में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। यह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का प्रमाण है कि पिछले 12 वर्षों में देश की कार्य संस्कृति में कितना बड़ा बदलाव आया है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की परिकल्पना सबसे पहले 2004 में की गई थी... इस परियोजना को पूरा करने के लिए 2006 में एक विशेष कंपनी का गठन किया गया था। लेकिन 2014 तक फाइलें सिर्फ इधर से उधर होती रहीं; वे एक टेबल से दूसरी टेबल तक ही पहुंचती रहीं। और विडंबना देखिए इन फाइलों को भी डेडिकेटेड कॉरिडोर का लाभ नहीं मिला...।

भारत का नौजवान सच की हुंकार से चलता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झूठ की गूंज से भरमाने वाले हर चौराहे पर मिल जाएंगे लेकिन भारत का नौजवान सच की हुंकार से चलता है। सच की हुंकार के साथ चलता है। सच की हुंकार के लिए चलता है। हमारे युवा साथी ये देख रहे हैं कि आज देश में सोलर हो, विंड हो, हाइड्रो हो, न्यूक्लियर हो, सारे सेक्टर पर सरकार कितना फोकस से काम कर रही है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर व्यापार की रीढ़

पीएम मोदी ने कहा, ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब देश के व्यापार और वाणिज्य की रीढ़ बन रहे हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकास कर रहे भारत के लिए जीवनरेखा है। इसने देश के परिवहन क्षेत्र को पूरी तरह बदल दिया है। पहले मालगाड़ियां यात्री ट्रेनों के साथ उन्हीं पटरियों पर चलती थीं, जिसके कारण यात्री और माल, दोनों की आवाजाही की रफ्तार धीमी रहती थी। आज ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोर पर हर दिन 430 से अधिक मालगाड़ियां चल रही हैं।

आधे से भी कम समय में तय हो रही दूरी

जो मालगाड़ी पहले 100 किलोमीटर की दूरी तय करने में 6.5 घंटे लेती थी, अब वही दूरी आधे से भी कम समय में तय कर सकती है। ट्रक से जिस सफर में आमतौर पर 30 घंटे लगते हैं, वही दूरी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर महज 10 से 12 घंटे में पूरी हो जाती है। नतीजतन, इस कॉरिडोर पर मालगाड़ियों के संचालन से ट्रकों और ट्रेनों, दोनों के ईंधन की बचत होती है, माल ढुलाई की लागत कम होती है, समय बचता है और पर्यावरण को भी फायदा होता है।

10 साल में 50 हजार नए आधुनिक कोच जोड़े

प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 साल के दौरान रेलवे में 50 हजार नए आधुनिक कोच जोड़े। इतना ही नहीं हमने मालगाड़ी में 2.50 लाख से ज्यादा वैगन जोड़ा है। हाल ही में जेएनपीटी (मुंबई) से वडोदरा के बीच डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी चलाई गई। इस एक यात्रा में मुंबई से वडोदरा तक जितना माल पहुंचाया गया, वह 250 से अधिक ट्रकों के बराबर था।

मध्यप्रदेश में शासन नाम की कोई चीज नहीं बची : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में कहा है कि मप्र में शासन नाम की कोई चीज नहीं बची है और हादसों की रोकथाम के बजाय हर बार कुछ गिरफ्तारियां, अधिकारियों का निलंबन और जांच के आदेश देकर मामला खत्म कर दिया जाता है। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि जहरीली शराब ने सागर में अनेक लोगों की जान लेकर कई परिवारों में मातम पहुंचा दिया है और अब पूरे मध्य प्रदेश को मालूम है कि आगे कुछ होने वाला नहीं है। इस मामले में कुछ गिरफ्तारियां होंगी, कुछ अधिकारी निलंबित होंगे और जांच के आदेश होंगे। यह सबको मालूम है क्योंकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ ही समय पहले इंदौर में

दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हुई और पिछले साल जहरीली खांसी की दवा से कई छोटे बच्चों की जान चली गयी। दवा जहरीली, शराब जहरीली और पानी जहरीला है। नये कानून बना दिये जाते हैं लेकिन उन्हें अगले हादसे तक किसी तहखाने में डाल दिया जाता है।

श्री गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में 20 साल से अधिक समय से भाजपा की सरकार है। हादसों की रोकथाम के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जाता और उसके बाद नाम की कार्रवाई होती है। उन्होंने सवाल किया कि जवाबदेही कहां है और आखिर कब तक लोगों की जान की कीमत सिर्फ हादसे के बाद की कार्रवाई होगी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि इन मौतों की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए और केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। जिसकी भी लापरवाही या मिलीभगत सामने आये उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश कांग्रेस का एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें सागर के बांदा में जहरीली शराब से प्रभावित परिवार न्याय की गुहार लगा रहे हैं लेकिन मोहन यादव सरकार जिम्मेदारी से बच रही है।

कोयला गैसीकरण पर दिग्गजों का दांव

मैदान में अदाणी और एनटीपीसी समेत 7 कंपनियां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 37,500 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना को उद्योग जगत से पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिला है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि योजना के पहले चरण में बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप्स और पब्लिक सेक्टर की कंपनियों से कुल सात आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस क्षेत्र में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाते हैं। कोयला मंत्रालय के अनुसार, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने यूरिया उत्पादन से जुड़ी तीन परियोजनाओं के लिए

आवेदन किया है। वहीं गैलेंट इस्पात लिमिटेड ने डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन और सिंथेसिस गैस उत्पादन परियोजना के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। एनटीपीसी लिमिटेड ने सिंथेटिक प्राकृतिक गैस परियोजना के लिए आवेदन दिया है, जबकि श्याम सेल एंड पावर लिमिटेड ने सिंगैस उत्पादन तथा तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने यूरिया उत्पादन परियोजना के लिए प्रस्ताव जमा किया है। यह प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि उद्योग जगत कोयला गैसीकरण को ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, आयात निर्भरता कम करने और औद्योगिक विकास को गति देने के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देख रहा है।

जहरीली शराब कांड पर मुख्यमंत्री को जीतू पटवारी का पत्र

'निलंबन न्याय नहीं'

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर पूरे मामले की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने की मांग की है। पटवारी ने पत्र में कहा- सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों ने पूरे मध्यप्रदेश को झकझोर दिया है। मैं स्वयं पीड़ित परिवारों के बीच गया हूं। जिन घरों में कल तक जीवन था, आज वहां मातम है। इन परिवारों का दर्द सरकार के किसी आंकड़े से नहीं समझा जा सकता। दुर्भाग्य यह है कि मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से मौत अब कोई असाधारण घटना नहीं रह गई है। हर बार हादसा होता है, कुछ अधिकारियों के तबादले या निलंबन होते हैं और सरकार अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती है। यह परंपरा अब बंद होनी चाहिए। सागर में सामने आए घटनाक्रम ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जब अवैध शराब के कारोबार की सूचनाएं और शिकायतें मौजूद थीं, तब समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? मौतों के बाद कार्रवाई करने वाला तंत्र मौतों से पहले कहां था? प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर अमित राठौर और आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

खड़गे की रैली के बाद शुद्धिकरण के मामले में पहली एफआईआर दर्ज

हल्द्वानी। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में खड़गे रैली के बाद हुए शुद्धिकरण मामले में महिला अधिवक्ता अंजू की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने हवन करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोप है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे की शंखनाद रैली के बाद कुछ लोगों ने रामलीला मैदान में शुद्धिकरण हवन कराया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एससी समाज से आते हैं और हवन करके जातिगत भावनाओं को आहत किया गया है।

मामले में महिला अधिवक्ता अंजू ने 15 अगस्त को तहरीर दी थी लेकिन पुलिस जांच का हवाला देती रही और प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। बंगलूरू में जीरो प्राथमिकी दर्ज होने के बाद नैनीताल पुलिस ने महिला अधिवक्ता की तहरीर पर एससी-एसटी एक्ट समेत आईटी एक्ट की धारा में भी मामला दर्ज किया है। एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच हल्द्वानी सीओ अमित कुमार सैनी को सौंपी गई है। जल्द आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अगले साल भारत में पटरियों पर दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बुलेट ट्रेन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि भारत की अपनी बुलेट ट्रेन का परीक्षण अगले साल मई या जून 2027 से शुरू हो जाएगा। परीक्षण चरण के बाद दो से चार महीने के भीतर इसका उद्घाटन भी किया जाएगा। वाणिज्यिक संचालन 2027 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। वैष्णव वडोदरा में आयोजित 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने जानकारी दी कि बुलेट ट्रेन का पहला बॉडी फ्रेम हाल ही में पूरा हुआ है। इसे अब निचोड़ परीक्षण के लिए भेजा गया है। मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन से वडोदरा से मुंबई तक का सफर केवल डेढ़ घंटे में पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सूरत-वापी खंड पर निर्माण कार्य इस साल दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह पूरी परियोजना आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित की जा रही है। रेल मंत्री ने भारतीय रेलवे में चल रहे व्यापक बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी परिचालन और आरक्षण

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया समय का एलान

प्रणालियों को आधुनिक बना रही है। साथ ही पुरानी निर्माण प्रथाओं में भी सुधार किया जा रहा है। वैष्णव ने बताया कि रेलवे हर प्रक्रिया को सुधारकर आधुनिक बना रहा है। इसमें माल ढुलाई कार्यों के आधुनिकीकरण पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके तहत नए वैगन डिजाइन तैयार किए गए हैं, जिसमें नमक परिवहन के लिए एक विशेष डिजाइन भी शामिल है।

कौन सी लंबित परियोजनाएं पूरी हुई हैं?

मंत्री ने बताया कि कई लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं। इनमें चेनाब ब्रिज और मिजोरम को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने वाली परियोजना प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि देशभर में 280 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है। इसके अलावा, 36,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत तकनीक वाली मालगाड़ियां भी तेजी से पूरी की जा रही हैं।

परियोजना को कैसे मिली रफ्तार?

वैष्णव ने बताया कि कोविड-19 महामारी से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद रेलवे विकास की गति बढ़ी है। परियोजना का पहला खंड 2020 में पूरा किया गया था। इसके बाद के खंडों पर काम में उल्लेखनीय तेजी आई। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का उभरता हुआ आधुनिक चेहरा भविष्य की कई पीढ़ियों को लाभ पहुंचाएगा। यह देश के परिवहन ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

75 प्रतिशत तक हुआ रिंग रोड का काम, 2027 तक बनेगी जबलपुर-दमोह और मंडला फोरलेन सड़क

कलेक्टर ने की एनएचएआई और लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यों की समीक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एनएचएआई और लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यों की समीक्षा हेतु मंगलवार को आयोजित बैठक में जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे, पूर्ण हो चुके और प्रस्तावित निर्माण कार्यों पर चर्चा की गई। इस दौरान एनएचएआई के अधिकारियों ने विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति और ब्लैक स्पॉट्स के सुधार कार्यों की जानकारी दी। बैठक में एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि जबलपुर शहर के आसपास 113 किलोमीटर लंबी रिंग रोड का निर्माण कार्य लगभग 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है। शेष हिस्से का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। एक्स्ट्रा डोज ब्रिज को छोड़कर रिंग रोड का शेष निर्माण अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। एक्स्ट्रा डोज ब्रिज सहित पूरी

रिंग रोड दिसंबर 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है। बैठक में बताया गया कि जबलपुर द मोह मार्ग के फोरलेन चौड़ीकरण का प्रस्ताव है। इसके साथ ही जबलपुर मंडला चिल्पी मार्ग के फोरलेन चौड़ीकरण की भी योजना प्रस्तावित है। जबलपुर रायपुर अथवा लखनादौन रायपुर मार्ग को ग्रीनफील्ड सड़क के तौर पर विकसित करने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।

9 अंडरपास और 20 किमी सर्विस रोड का काम जारी

कटनी-जबलपुर-लखनादौन मार्ग पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के लॉन्ग टर्म रेक्टिफिकेशन के तहत एनएचएआई द्वारा कार्य कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत 9 अंडरपास और करीब 20 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण प्रगतिरत है। चूल्हा गुलाई और रमनपुर घाटी में भी सड़क सुरक्षा को देखते हुए दीर्घकालिक समाधान के रूप में रि.अलाइनमेंट प्रस्तावित किया गया है। इन कार्यों की डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है और जनवरी 2027 तक कार्य आवंटित करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार इन दोनों स्थानों पर पिछले करीब 10 वर्षों में लगभग 150 दुर्घटनाएं हुई हैं। रि.अलाइनमेंट के बाद इन स्थानों पर सड़क सुरक्षा में सुधार होगा।

कुशनेर ब्लैक स्पॉट पर ब्लिंकर लगाने के निर्देश

बैठक में कुशनेर के ब्लैक स्पॉट पर तत्काल सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए। यहां ब्लिंकर सहित अन्य सुरक्षात्मक उपाय किये जाएंगे। वहीं लॉन्ग टर्म समाधान के लिए अंडरपास का प्रावधान करने का सुझाव दिया गया। एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि इस स्थल पर अंडरपास का प्रस्ताव विचाराधीन है और अगले वर्ष जनवरी तक निर्माण कार्य शुरू किए जाने की संभावना है। कलेक्टर श्री सिंह ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयसीमा में पूरा करने तथा दुर्घटना संभावित स्थानों पर तत्काल आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश बैठक में दिए।

पमरे में 37वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा आयोजित 37वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता-2026 का भव्य उद्घाटन मंगलवार को रेलवे स्टेडियम में मुख्य अतिथि राजीव कुमार यादव, महानिरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अजय कुमार, सुरक्षा आयुक्त, मुख्यालय जबलपुर, एच.एस. द्विवेदी, सहायक सुरक्षा आयुक्त, मुख्यालय, संजीव राणा आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। इसके पश्चात खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की शपथ ली और प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि राजीव कुमार यादव ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक दक्षता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, टीम भावना एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का भी विकास होता है।

कुश्ती भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली खेल परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के लिए यह खेल शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता एवं विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्य अतिथि द्वारा प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की गई। प्रतियोगिता में देशभर से रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न टीमों के उत्कृष्ट पहलवान प्रतिभाग कर रहे हैं।

महाकौशल विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाकौशल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनिल तिवारी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा सिर्फ ज्ञान पाने का जरिया नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण का सबसे असरदार तरीका है। उप-कुलाधिपति सौम्या तिवारी ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों से बेहतर बनाते हैं। इस मौके विश्वविद्यालय एडवाइजरी बोर्ड की संयोजक डा, प्रतिभा तिवारी ने शिक्षक दिवस की अहमियत बताई और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान हमेशा सबसे ऊपर रहा है। कुलगुरु डॉ. आर सी मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति में संस्कार, विवेक, संवेदनशीलता, नैतिकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है।

नगर निगम के बेड़े में शामिल हुए 40 नए सीएनजी कचरा वाहन

स्वच्छ और हरित शहर के संकल्प के साथ दिखाई हरी झंडी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में नगर निगम जबलपुर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नगर निगम के वाहन बेड़े में 40 नए सीएनजी कचरा संग्रहण वाहनों को शामिल किया गया है। इन वाहनों के आने से शहर की डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़, त्वरित और प्रभावी बनेगी।

नगर निगम प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', निगम अध्यक्ष रिंकू विज, निगमायुक्त राम

प्रकाश अहिरवार सहित सभी एम.आई.सी. सदस्यों डॉ. सुभाष तिवरी, दामोदर सोनी, "आदि ने हरी झंडी दिखाकर इन 40 सीएनजी वाहनों को रवाना किया।पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने का अनूठा संदेश देते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने स्वयं सीएनजी गाड़ी चलाकर शहरवासियों को स्वच्छता और सीएनजी ईंधन के उपयोग के प्रति जागरूक किया। महापौर का यह कदम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने खूब सराहा।

डोर-टू-डोर कलेक्शन में सुधार

नए वाहनों के शामिल होने से शहर के प्रत्येक वार्ड और गली-मोहल्ले में समय पर कचरा संग्रहण संभव हो सकेगा, जिससे स्वच्छता व्यवस्था में व्यापक सुधार आएगा। डीजल की भारी बचत पारंपरिक डीजल वाहनों के स्थान पर सीएनजी वाहनों के उपयोग से नगर निगम के ईंधन खर्च और डीजल की खपत में भारी कमी आएगी। सीएनजी के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे शहर की आबोहवा साफ होगी और नागरिकों को शुद्ध हवा मिलेगी। नगर निगम प्रशासन का यह सकारात्मक प्रयास न केवल जबलपुर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

नगर निगम जनसुनवाई में पहुंचे 38 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण का सशक्त माध्यम साबित हो रही है। जनसुनवाई में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों के साथ मिलकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 38 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी कई समस्याओं का अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही समाधान कर आवेदकों को राहत पहुंचाई। निगमायुक्त ने शेष सभी आवेदनों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण हल करने के निर्देश संबंधित विभागीय प्रमुखों को दिए। प्राप्त शिकायत जिसमें अतिक्रमण विभाग 09, भवन शाखा 09, स्वास्थ्य विभाग 05, राजस्व विभाग 03, कॉलोनी सेल 02, संपदा शाखा 02, संभाग क्रमांक 01 की 02, संभाग क्रमांक 03, 12 एवं 15 01-01, स्मार्ट सिटी, पीएमएव्हाय एवं बाजार प्रकोष्ठ 01-01 हैं।

सिहोरा जिला का वादा याद दिलाने भाजपा नेताओं के दरवाजे पहुंचे रही आंदोलन समिति

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने भाजपा नेताओं को चुनाव पूर्व किए गए वादों की याद दिलाने का अभियान तेज कर दिया है। समिति लगातार भाजपा के उन नेताओं से संपर्क कर रही है, जो सिहोरा को जिला बनाने की घोषणा के समय मंच पर मौजूद रहे थे और जिन्होंने चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादे को सुना था। इसी क्रम में मंगलवार को समिति ने भाजपा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य राजा मोर को उनके बस स्टैंड स्थित आवास पर पहुंचकर स्मरण पत्र सौंपा और सिहोरा को जिला बनाने के वादे को पूरा कराने के लिए सरकार के समक्ष प्रभावी पहल

करने की मांग की। इसके पूर्व समिति के सदस्य लगातार 2 सितंबर से सिहोरा भाजपा के जिम्मेदार माने जाने वाले नेताओं को स्मरण पत्र सौंप रहे है। इस दौरान समिति ने सवाल उठाया था कि संगठन और सत्ता में रहते सदस्यों को लोकतंत्र में चुनावी वादों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। समिति ने कहा कि कथनी और करनी में समानता की बात करने वाली भाजपा और उसकी सरकार के लिए सिहोरा जिला का मुद्दा भी उसी कसौटी पर होना चाहिए। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सिहोरा में भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी द्वारा सिहोरा को जिला बनाने की घोषणा और सरकार के समक्ष प्रस्ताव ले जाने के वादे का उल्लेख करते हुए समिति ने कहा कि जनता आज भी उस घोषणा के पूरा होने का इंतजार कर रही है।समिति ने कहा कि चुनाव के समय जनता से किया गया वादा केवल राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से जुड़ा संकल्प होता है। यदि राष्ट्रीय स्तर के पद पर बैठे नेता द्वारा किया गया वचन भी पूरा नहीं होता और स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार नेता भी इस मुद्दे पर मौन रहते हैं, तो यह जनता के बीच गंभीर सवाल खड़े करता है। स्मरण पत्र अभियान को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े को स्मरण पत्र सौंपा जाएगा। समिति का कहना है कि विधायक भी उसी राजनीतिक व्यवस्था का हिस्सा हैं, जिसके समक्ष सिहोरा को जिला बनाने का वादा किया गया था। इसलिए अब उनसे अपेक्षा है कि वे विधानसभा और सरकार के स्तर पर सिहोरा की आवाज को मजबूती से उठाएं और जनता से किए गए वादे को पूरा कराने में निर्णायक भूमिका निभाएं। समिति ने स्पष्ट किया कि वह भाजपा के उन सभी नेताओं तक पहुंचेगी, जो सिहोरा जिला की घोषणा और चुनावी वादे से जुड़े रहे हैं। आंदोलन समिति का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता से किए गए वादे को याद दिलाकर उसे पूरा कराने के लिए सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से दबाव बनाना है। स्मरण पत्र सौंपने के दौरान समिति के अनिल जैन, संतोष पांडे, रामजी शुक्ला, आलोक जैन आदि मौजूद रहे।

सांसद आशीष दुबे की पहल विद्यार्थियों को कराएंगे दिल्ली दर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास, व्यक्तित्व निर्माण तथा उन्हें देश की लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से सांसद दिल्ली दर्शन कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल का शुभारंभ दिनांक 09 सितंबर को दोपहर 1.30 बजे पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल स्कूल से किया जाएगा।सांसद आशीष दुबे ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत सितंबर 2026 से अप्रैल 2027 माह के दौरान 8 महीनों में जबलपुर के चयनित विद्यार्थियों को देश की राजधानी दिल्ली का शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं संसदीय भ्रमण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की शासन व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं और ऐतिहासिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराते हुए भविष्य के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक वर्ष 8 समूह दिल्ली दर्शन के लिए भेजे जाएंगे। विद्यार्थियों का चयन विद्यालय स्तर पर आयोजित सांसद वाद-विवाद प्रतियोगिता और सांसद निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्येक चयनित विद्यालय से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 3 विद्यार्थियों का चयन किया

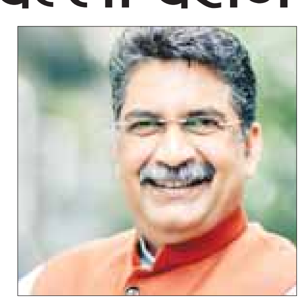

जाएगा। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि सांसद दिल्ली दर्शन केवल दिल्ली भ्रमण की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को लोकतंत्र, संस्कृति, इतिहास,तकनीक और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का अभिनव प्रयास है।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

शहपुरा भिटोनी स्थित फुलर गांव का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा भिटोनी क्षेत्र के फुलर गांव में 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। वहीं मृतक के परिजनों ने युवक की मौत को सामान्य नहीं मानते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या की गई है और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। जानकारी के मुताबिक फुलर गांव निवासी 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। युवक की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। परिजनों ने घटना पर सवाल उठाते हुए पुलिस से पूरे मामले की बारीकी से जांच कराने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि युवक की मौत की परिस्थितियां संदेह पैदा करने वाली हैं। उनका आरोप है कि युवक के साथ किसी प्रकार की घटना हुई है, जिसके बाद उसकी मौत हुई। हालांकि, युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार

पुलिस द्वारा घटनास्थल की परिस्थितियों, मृतक के परिजनों एवं आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटना के पीछे कोई आपराधिक कारण तो नहीं है। मृतक के परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए। यदि जांच में हत्या की पुष्टि होती है तो आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। फिलहाल युवक की संदिग्ध मौत को लेकर गांव में माहौल गमगीन है और ग्रामीण भी घटना की सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

ट्रैक्टर की टक्क र से युवक की मौत

पनागर थाने में ग्राम छत्तरपुर बिछुआ टोला पहाड़ी में घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पनागर लाये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को रवि शंकर ने बताया कि उसका छोटा भाई भगवानदास सेने बिछुआ पैदल जा रहा था। टैक्टर चालक द्वारा उसके भाई को टक्कर मार दी। हादसे में भाई के पेट, सीने व चेहरे मे चोट आ गई। उपचार के लिए उसे शासकीय अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने भगवानदास सेन को मृत घोषित कर दिया।

एसपी कार्यालय की शिकायत शाखा में पदस्थ महिला पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एसपी ऑफिस की शिकायत शाखा से सामने आया एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। यह शिकायत लेकर पहुंचे एक फरियादी और शिकायत शाखा में पदस्थ महिला पुलिसकर्मी के बीच बातचीत का वीडियो है। फरियादी अपनी शिकायत लेने का आग्रह करते हुए कह रहा है कि वह दोपहर करीब 3 बजे से इंतजार कर रहा है और दूर से अपनी समस्या लेकर आया हूं। वायरल वीडियो में फरियादी महिला पुलिसकर्मी से शिकायत सुनने का आग्रह करता दिखाई दे रहा है। वह कहता है कि हम बहुत दूर से आए हैं, थोड़ी सी समस्या सुन लीजिए, दो सेकेंड का काम है मैडम। इस पर महिला पुलिसकर्मी की ओर से अभी शिकायत नहीं हो पाने और अगले दिन आने की बात कही जा रही है। इधर फरियादी यह भी कहता सुनाई देता है कि वह तीन माह से चक्कर लगा रहा है। वह बताता है कि अधिकारी के पास गया था, जहां से उसे शिकायत शाखा में भेजा गया।

मिठाई की दुकान में तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

रांझी थाना क्षेत्र का मामला, 5 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी थाना क्षेत्र के मढ़ई इलाके में लगभग एक सप्ताह पहले गुप्ता स्वीट्स में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही की है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक उर्फ छोटू कबाड़ी सहित पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इस तरह मामले में अब तक कुल 7 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इस मामले में रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि 30 अगस्त को आरोपियों ने कथित तौर पर अवैध वसूली के

इरादे से गुप्ता स्वीट्स में तोड़फोड़ और उपद्रव किया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों विज्जू बौधरी और जेंगो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पहले से कई मामले दर्ज

जांच के दौरान अन्य आरोपियों के नाम सामने आए, जिसके बाद पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। सोमवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर बीते 24 घंटे में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी अभिषेक उर्फ छोटू कबाड़ी, राज कोल उर्फ राज केटीएम, अभिषेक भूमिया, राजीव कोल उर्फ राज स्मार्टी और स्वप्रिल उर्फ रोहन कोल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी मढ़ई क्षेत्र के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपियों को गुप्ता स्वीट्स ले गई, जहां उनसे घटना की तस्दीक कराई गई। पुलिस की कड़ी हिदायत के बाद आरोपियों ने सार्वजनिक रूप से भविष्य में इस तरह का अपराध नहीं करने की बात कही। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी छोटू कबाड़ी के खिलाफ पहले से लगभग 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं अन्य आरोपियों के खिलाफ भी एक-दो आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

रहस्यमयी एलियन दुनिया

जहाँ आसमान से बरसती हैं काँच की गोलियाँ!

क्या आपने कभी सोचा है कि ब्रह्मांड में एक ऐसा ग्रह भी हो सकता है, जहाँ पानी की जगह सिलिकेट से बना हुआ काँच बरसता है? विज्ञान की दुनिया में इस अद्भुत ग्रह का नाम एचडी189733बी है। यह हमारी धरती और सौरमंडल से बाहर लगभग 64 प्रकाश-वर्ष की दूरी पर स्थित है।

यह ग्रह दूर से देखने पर खूबसूरत नीले रंग का दिखाई देता है। लेकिन यह रंग किसी महासागर का नहीं, बल्कि इसके वायुमंडल में उड़ रहा 5सिलिकेट (काँच बनाने वाले कणों) का है। यहाँ का तापमान लगभग 5,000 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है। तेज हवाएँ इन कणों को पिघलाकर काँच की बूंदों में बदल देती हैं।

यहाँ की हवाएँ लगभग 8,700 किमी/घंटे की रफ्तार से चलती हैं, जो आवाज़ की गति से कई गुना तेज़ हैं। इन तूफानों के कारण काँच की बूंदें ऊपर से नीचे सीधे नहीं गिरतीं, बल्कि लगभग 5,000 किमी/घंटे की गति से गोलियों की तरह उड़ती हैं।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस ग्रह का एक साल केवल 53 घंटे (लगभग 2 दिन) का होता है। इसका एक हिस्सा हमेशा तपता रहता है, जबकि दूसरा हिस्सा हमेशा अँधेरी बर्फीली रात में जमा रहता है।

अगर कोई इंसान यहाँ चला जाए, तो वह उड़ते हुए काँच के नुकीले कणों से कुछ ही समय में घायल हो सकता है। ब्रह्मांड वाकई हमारी कल्पना से कहीं अधिक रहस्यमय और अद्भुत है!

‘पानी और बर्फ की बारिश तो सबने देखा है यहीं,
पर क्या सुना है कभी ऐसे आसमां का निशाँ।
जहाँ खौफनाक बादलों से पिघला काँच बरसता है,
अंतरिक्ष का यह सच देखकर हर दिल हैरान रहता है।’

पायल सोनी

कक्षा -7वीं
बीएमडी, एचसीए दीक्षितपुरा

मोबाइल का इस्तेमालः अध्ययन के लिए आवश्यक या वैकल्पिक

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। मोबाइल फोन आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। पहले मोबाइल का उपयोग मुख्य रूप से बातचीत और संदेश भेजने के लिए किया जाता था, लेकिन आज स्मार्टफोन के माध्यम से शिक्षा, मनोरंजन, बैंकिंग, समाचार, जानकारी और अनेक प्रकार के कार्य किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए भी मोबाइल अध्ययन का एक उपयोगी साधन बन गया है। ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षणिक वीडियो, डिजिटल पुस्तकें, शब्दकोश और शैक्षणिक ऐप विद्यार्थियों की पढ़ाई को सरल बनाते हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि मोबाइल का इस्तेमाल अध्ययन के लिए आवश्यक है या केवल एक वैकल्पिक साधन? मोबाइल विद्यार्थियों को घर बैठे अनेक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध करा सकता है। इंटरनेट की सहायता से विद्यार्थी किसी भी विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कठिन अध्यायों को समझने के लिए शैक्षणिक वीडियो देखे जा सकते हैं और ऑनलाइन प्रश्न-पत्रों तथा अभ्यास सामग्री का उपयोग किया जा सकता है। डिजिटल पुस्तकें और ई-पुस्तकें भी मोबाइल के माध्यम से पढ़ी जा सकती हैं। इससे विद्यार्थियों को हर समय बड़ी संख्या में पुस्तकें साथ रखने की आवश्यकता नहीं होती। आवश्यकता पड़ने पर शब्दकोश, विश्वकोश और अन्य संदर्भ सामग्री भी आसानी से देखी जा सकती है।

ऑनलाइन शिक्षा में मोबाइल की भूमिका

विशेष परिस्थितियों में मोबाइल ऑनलाइन शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले सकते हैं, शिक्षकों से प्रश्न पूछ सकते हैं और अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दूर रहने वाले विद्यार्थियों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है। मोबाइल के माध्यम से विद्यार्थी अपने शिक्षकों और सहपाठियों के साथ शैक्षणिक विषयों पर संवाद भी कर सकते हैं। गृहकार्य, प्रोजेक्ट और अध्ययन से जुड़ी सूचनाएँ भी आसानी से साझा की जा सकती हैं।

क्या मोबाइल अध्ययन के लिए आवश्यक है?

मोबाइल अध्ययन का उपयोगी साधन अवश्य है, लेकिन इसे हर परिस्थिति में आवश्यक नहीं कहा जा सकता। पढ़ाई के लिए किताबें, कॉपियाँ, शिक्षक का मार्गदर्शन और कक्षा में सीखने का अनुभव अभी भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थी बिना मोबाइल के भी नियमित अध्ययन कर सकते हैं और अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए मोबाइल को शिक्षा का विकल्प नहीं, बल्कि शिक्षा को बेहतर बनाने वाला एक सहायक साधन मानना अधिक उचित है। मोबाइल का उपयोग आवश्यकता के अनुसार किया जाए तो यह लाभदायक है।

मोबाइल के अधिक उपयोग के नुकसान

मोबाइल का अनियंत्रित उपयोग विद्यार्थियों के अध्ययन में बाधा बन सकता है। पढ़ाई के लिए मोबाइल खोलने वाला विद्यार्थी कई बार मनोरंजन, गेम, सोशल मीडिया या अन्य गैर-शैक्षणिक सामग्री में समय बिताने लगता है। इससे पढ़ाई का समय कम हो सकता है और एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। लगातार सूचनाएँ और संदेश आने से भी विद्यार्थी का ध्यान पढ़ाई से हट सकता है। इसलिए अध्ययन करते समय गैर-जरूरी सूचनाओं को बंद रखना और केवल आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का उपयोग करना उचित है।

मोबाइल का रचनात्मक उपयोग

मोबाइल का उपयोग केवल वीडियो देखने या जानकारी खोजने तक सीमित नहीं होना चाहिए। विद्यार्थी इसका उपयोग शैक्षणिक प्रस्तुतियाँ बनाने, भाषा सीखने, गणित का अभ्यास करने, शैक्षणिक प्रश्न हल करने और नई जानकारी प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। विद्यार्थी अपने विषय से संबंधित उपयोगी सामग्री को व्यवस्थित करके अपनी पढ़ाई को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। इस प्रकार मोबाइल ज्ञान प्राप्त करने का एक आधुनिक साधन बन सकता है।

अभिभावक और शिक्षक की भूमिका

विद्यार्थियों के मोबाइल उपयोग में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्हें विद्यार्थियों को मोबाइल के लाभ और संभावित नुकसान के बारे में समझाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि मोबाइल का उपयोग कब, कितना और किस उद्देश्य से करना उचित है। शैक्षणिक संस्थानों में भी डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार तकनीकी उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया जाना चाहिए।

मोबाइल ज्ञान का साधन बने, पढ़ाई में बाधा नहीं;
सही उपयोग से बढ़े ज्ञान, समय की हो हानि नहीं।

मुकेश तिवारी

शिक्षक, हितकारिणी उ.मा. शाला
गोरखपुर, जबलपुर

बरसात के रोचक और आश्चर्यजनक तथ्य

बारिश की बूंदें आंसू के आकार की नहीं होतीं। तेज गति से नीचे गिरने के कारण हवा के दबाव से ये नीचे से चपटी हो जाती हैं, जिससे इनका आकार बर्गर या जेलीबीन (jellybean) जैसा हो जाता है।

नीचे पहुँचने का समयः- आसमान से जमीन तक पहुँचने में एक औसत बारिश की बूंद को लगभग 2 मिनट का समय लगता है।

लाल रंग की बारिशः- जुलाई 2001 में भारत के केरल राज्य में हुई बारिश का पानी खून की तरह लाल था, जिसे ‘रेड रेन’ कहा गया।

फंटम रेन (Phantom Rain):- अत्यधिक गर्मी वाले रेगिस्तानी इलाकों में कई बार बारिश की बूंदें जमीन पर पहुँचने से पहले ही भाप बनकर उड़ जाती हैं। इसे फंटम रेन कहते हैं, जिससे जमीन सूखी ही रह जाती है।

दूसरे ग्रहों पर बारिशः- हमारे सौर मंडल के अन्य ग्रहों जैसे वीनस (शुक्र) पर पानी के बजाय सल्फ्यूरिक एसिड की बारिश होती है।

सबसे ज्यादा बारिशः- दुनिया में सबसे अधिक वार्षिक वर्षा भारत के मेघालय राज्य में स्थित मावसिनराम (Mawsynram) में दर्ज की जाती है। इससे पहले चेरापूंजी इस मामले में सबसे आगे था।

सबसे शुष्क महाद्वीपः- पृथ्वी पर सबसे कम वर्षा वाला महाद्वीप बर्फ से ढका अंटार्कटिका है, जहाँ हर साल बहुत कम मात्रा में नमी या हिमपात होता है।

मिट्टी की खुशबूः- पहली बारिश के बाद जो सौंधी खुशबू आती है, उसे ‘पेट्रिकॉर’ (Petrichor) कहा जाता है। यह खुशबू पौधों के तेल और बैक्टीरिया (एक्टिनोमाइसेट्स) के मिलने से पैदा होती है।

गिरने की गतिः- बारिश की बूंदें आकार के हिसाब से औसतन 14 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे या अधिक की रफ्तार से जमीन पर गिरती हैं।

जीत प्राप्त करने के लिए लक्ष्य जरूरी

जीवन में हर व्यक्ति सफलता और जीत प्राप्त करना चाहता है। कोई परीक्षा में प्रथम आना चाहता है, कोई अपने व्यवसाय को ऊँचाइयों तक ले जाना चाहता है, तो कोई खेल के मैदान में देश का नाम रोशन करना चाहता है। लेकिन केवल इच्छा करना सफलता के लिए पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर प्रयास, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति आवश्यक हैं। वास्तव में लक्ष्य हमारे जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है।

जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता, उसकी मेहनत अक्सर बिखर जाती है। वह अनेक कार्य शुरू करता है, लेकिन किसी एक दिशा में पर्याप्त समय और ऊर्जा नहीं लगा पाता। इसके विपरीत, लक्ष्य निर्धारित करने वाला व्यक्ति यह जानता है कि उसे कहाँ पहुँचना है और वहाँ पहुँचने के लिए क्या करना है। इसलिए कहा जाता है कि ‘लक्ष्य जितना स्पष्ट होगा, सफलता का मार्ग उतना ही आसान होगा।’ लक्ष्य हमें प्रेरणा देता है। जब रास्ते में कठिनाइयाँ आती हैं, तब लक्ष्य हमें हार मानने से रोकता है। विद्यार्थी यदि यह लक्ष्य निर्धारित करता है कि उसे परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने हैं, तो वह अपने समय का बेहतर उपयोग करता है। वह पढ़ाई की योजना बनाता है, नियमित अभ्यास करता है और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करता है। इसी प्रकार खिलाड़ी पदक जीतने का लक्ष्य रखकर नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और मेहनत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाता है। हालाँकि केवल लक्ष्य बनाना ही पर्याप्त नहीं है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसे छोटे-छोटे चरणों में बाँटना आवश्यक है। बहुत बड़ा लक्ष्य कभी-कभी कठिन दिखाई देता है और व्यक्ति निराश हो सकता है। यदि उसे छोटे लक्ष्यों में बाँट दिया जाए तो प्रत्येक उपलब्धि आत्मविश्वास बढ़ाती है।

उदाहरण के लिए, किसी विद्यार्थी का लक्ष्य यदि प्रतियोगी परीक्षा में सफल होना है, तो वह प्रतिदिन कुछ घंटे अध्ययन, विषयवार तैयारी, नियमित पुनरावृत्ति और प्रश्न-पत्रों का अभ्यास कर सकता है।

जीत के रास्ते में असफलताएँ भी आती हैं। असफलता का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता। बल्कि असफलता हमें अपनी गलतियों को पहचानने और उनसे सीखने का अवसर देती है। महान लोगों की सफलता की कहानियाँ बताती हैं कि उन्होंने भी अनेक कठिनाइयों और असफलताओं का सामना किया, लेकिन उन्होंने अपना

लक्ष्य नहीं छोड़ा। जो व्यक्ति असफलता के बाद फिर से प्रयास करता है, वही अंततः सफलता का स्वाद चखता है। आज के समय में युवाओं के सामने अनेक आकर्षण और चुनौतियाँ हैं। सोशल मीडिया, मनोरंजन और अनावश्यक गतिविधियाँ उनका कीमती समय नष्ट कर सकती हैं। ऐसे में लक्ष्य व्यक्ति को प्राथमिकताएँ तय करने में सहायता करता है। यदि हमें पता है कि हमारा समय किस उद्देश्य के लिए है, तो हम अनावश्यक कार्यों से बच सकते हैं। समय का सदुपयोग सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लक्ष्य निर्धारित करते समय यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लक्ष्य वास्तविक, स्पष्ट और समयबद्ध हो। केवल यह कहना कि ‘मुझे सफल होना है’ पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय यह तय करना चाहिए कि किस क्षेत्र में सफलता चाहिए, कितने समय में चाहिए और उसके लिए प्रतिदिन क्या प्रयास किए जाएंगे। साथ ही अपनी क्षमता और

परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाना चाहिए। जीत केवल प्रतियोगिता में दूसरों को पीछे छोड़ने का नाम नहीं है। वास्तविक जीत स्वयं की कमजोरियों पर विजय प्राप्त करना है। कल की तुलना में आज बेहतर बनना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इसलिए लक्ष्य हमें केवल सफलता की ओर नहीं ले जाता, बल्कि हमारे व्यक्तित्व का विकास भी करता है। अंततः कहा जा सकता है कि लक्ष्य जीवन की दिशा और मेहनत को उद्देश्य प्रदान करता है। लक्ष्य के बिना परिश्रम भटक सकता है, जबकि स्पष्ट लक्ष्य के साथ किया गया निरंतर प्रयास सफलता की संभावना को कई गुना बढ़ा देता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य निर्धारित करना चाहिए, उसे छोटे चरणों में बाँटना चाहिए और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कठिनाइयाँ आएँ तो भी रुकना नहीं चाहिए, क्योंकि जीत उन्हीं को मिलती है जो अपने लक्ष्य पर विश्वास रखते हैं और उसे प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं।

तिरुपति सिंह

शिक्षिका
हितकारिणी उ. मा. शाला
गोरखपुर जबलपुर

शब्द पहेली - 8970

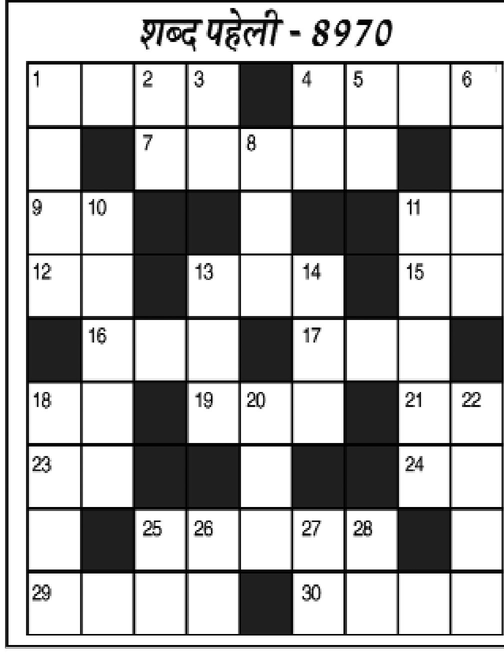

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -8969 का हल

■	त	ला	क	■	ह	म	रा	ज
म	■	■	म	ह	क	■	■	रु
ना	■	शा	त	■	ला	ल	■	र
ना	म	क	र	ण	■	की	म	त
■	लि	■	ता	■	म	■	का	■
अ	न	ल	■	मा	न	क	र	ना
रा	■	हु	र	■	मो	ल	■	च
ज	■	■	ज	ग	ह	■	■	ना
क	रा	मा	त	■	क	ल	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रभारी कार्यपालन यंत्री केके सिंगारे पर लगे भ्रष्टाचार व शोषण के आरोप

प्रेसवार्ता में एसोसिएशन ने किया सिंगारे की करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

ईओडब्ल्यू के बाद ईडी में भी शिकायत करने की तैयारी में एसोसिएशन

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यपालन यंत्री केके सिंगारे पर सिविल कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी यूनुस खान ने प्रेसवार्ता लेकर जानकारी दी और बताया कि कार्यपालन यंत्री केके सिंगारे एक भ्रष्ट अधिकारी है। वे 11 जून 2025 को बालाघाट में पदस्थ हुए थे, जहां वे लगातार ठेकेदारो को परेशान कर रहे थे और बिल निकालने के एवज में बडी रकम में कमीशन मांगा जाता था। जहां एसोसिएशन से जुडे छोटूलाल ठाकरे और अंकुर अग्रवाल सहित कई सिविल कांट्रेक्टर उनके शोषण का शिकार हुए हैं। एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी यूनुस खान ने बताया कि उनके द्वारा प्रारंभ में जिला प्रशासन और प्रमुख सचिव तक शिकायतें की गईं, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। जिससे स्पष्ठ हो रहा था कि उन्हे अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। जिसके बाद उन्होने उच्च जांच एजेंसियो में शिकायत करने का निर्णय लिया और 13 जुलाई को ईओडब्ल्यू में शिकायत की। जहां उनकी चल-अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और जानकारी जाचं एजेंसी का सौंपी गई। जहां ईओडब्ल्यू की जांच में के. के सिंगारे की 11 करोड की अचल संपत्ति का खुलासा हुआ और उनकी शिकायत 100 प्रतिशत सत्य पाई गई। हालांकि एसोसिएशन का आरोप है कि वास्तविक संपत्ति इससे कहीं अधिक हो सकती है और यह आंकड़ा 25 से 30 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशंका है। पत्नी और बेटों के नाम करोड़ों की संपत्ति-- प्रेसवार्ता में एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी यूनुस खान ने आरोप लगाया गया कि अधिकारी का मूल निवास छिंदवाड़ा की खान कॉलोनी क्षेत्र में है और सेवा अवधि के दौरान उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर भी बड़ी मात्रा में संपत्ति अर्जित की गई। सिंगारे के बड़े बेटे हरिओम सिंगारे के नाम करीब 6 एकड़ कृषि भूमि, जबकि पत्नी के नाम भी 06 एकड कृषि भूमि मिली है। इसके अलावा एक फार्म हाउस होने का भी आरोप लगाया गया, जहां भवन की छत पर स्विमिंग पूल सहित अन्य विदेशी सुविधाएं मौजूद होने की बात कही गई। बेटे के नाम शॉपिंग काम्प्लैक्स की भूमि, एक्स.यू.व्ही 700 कार, छोटे बेटे के पास खान कालोनी के पास 04 प्लाट, एक करोड 20 लाख का घरेलू सामान, एक फॉरचूनर कार, जिसे बेचा गया जैसी संपत्ति अर्जीत किये हुए थे। एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी यूनुस खान ने कहा कि इतनी बड़ी संपत्ति एक सरकारी अधिकारी की आय के अनुपात में गंभीर सवाल खड़े करती है। उनका दावा है कि सेवा अवधि और वैध आय के अनुपात में संपत्ति का मिलान किया जाना बेहद जरूरी है। उनके सरकारी आवास से कथित तौर पर ढाई लाख रुपये नकद मिलने और छिंदवाड़ा स्थित निजी आवास से करीब 08 लाख रुपये नकद मिले है। इसके अलावा कुछ खाली लिफाफे भी मिले थे। आरोप है कि पत्नी मनीषा सिंगारे और बेटे रिश्ता तय करने के सिलसिले में बालाघाट आये थे और जब वे यहां से छिंदवाडा लौटे, तो बडी रकम उनके हाथो भिजवाई गई। पत्नी के बैंक खाते में करीब 3.98 करोड़ रुपये की राशि का लेन-देन सामने आया है। इतनी बडी रकम पत्नी के खाते में कैसे पहुंची, यह बडा सवाल है। इसके अलावा पत्नी व बेटो के नाम लाखों रुपये की जमीन खरीदी गई।

यूनुस खान ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य किसी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बदनाम करना नहीं, बल्कि सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना है। उन्होंने मांग की कि अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों और जमीनों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की जाए। ईओडब्ल्यू की जांच में जो खुलासे हुए है, वे बतौर साक्ष्य के रूप में काफी है। ऐसे भ्रष्ट अधिकारी के तत्काल निलंबित कर सख्त कार्यवाही की जानी चाहियें। एसोसिएशन अब मामले में ईडी जैसी जांच एजेंसियों से भी शिकायत करने की तैयारी में है। क्योकि सबसे बड़ा सवाल यही है कि सरकारी नौकरी में रहते सिंगारे ने इतनी संपत्ति कैसे जुटाई, वे कब से ठेकेदार को अपना शिकार बना रहे है, इसकी जांच होनी चाहियें।

लांजी में कृषि केंद्रों का सघन निरीक्षण उर्वरक व कीटनाशकों के नमूने लिए गए

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा कृषि सामग्री की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के उद्देश्य से लांजी क्षेत्र में विभिन्न कृषि केंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी श्री आदित्य नारायण तिवारी, तहसीलदार लांजी संजय भास्कर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी लांजी कुलदीप गनवीर एवं कृषि विकास अधिकारी अमित नारनौरे के संयुक्त दल ने कृषि केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक जांच एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ मर्यादित लांजी स्थित डबल लॉक का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ई-विकास पोर्टल के स्टॉक, पीओएस स्टॉक, होलसेल स्टॉक तथा स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। सभी स्टॉक का मिलान सही पाया गया। डबल लॉक के स्टॉक पंजी एवं कृषक वितरण पंजी का भी निरीक्षण किया गया। डबल लॉक में रखी जैविक खाद प्रोम (ढफडट) का नमूना लिया गया है, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। वहीं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी श्री आदित्य नारायण तिवारी ने डबल लॉक प्रभारी को गोदाम की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात यूनिवर्सल कृषि केंद्र लांजी का भी निरीक्षण किया गया। यहां सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच के साथ स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जो सही पाया गया।

निरीक्षण दल द्वारा कृषि केंद्रों पर उपलब्ध बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की गुणवत्ता, स्टॉक, उपलब्धता, विक्रय व्यवस्था तथा आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई। इस दौरान विभिन्न उर्वरक एवं कीटनाशकों के नमूने नियमानुसार लिए गए हैं। इन नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने कृषि केंद्र संचालकों को निर्देशित किया कि किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण एवं मानक कृषि आदान निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही स्टॉक एवं विक्रय से संबंधित अभिलेखों का विधिवत संधारण करने तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मापदंडों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग द्वारा किसानों के हितों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कृषि केंद्रों की जांच एवं कृषि आदानों के नमूना संग्रहण की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न आगामी त्योहारों की व्यवस्थाओं पर हुआ मंथन

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से 7 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर डी.पी. बर्मन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुरजीत भारती ठाकुर, बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, एडिशनल एसपी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आगामी गणेश उत्सव, दुर्गोत्सव, दशहरा (विजयादशमी), महर्षि वाल्मीकि जयंती, दीपावली, भगवान बिरसा मुंडा जयंती, गुरुनानक जयंती एवं क्रिसमस डे के दौरान कानून व्यवस्था एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। अपर कलेक्टर बर्मन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक त्योहार के दौरान पिछले वर्षों की तरह बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं समितियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। नगरपालिका अध्यक्ष सुरजीत भारती ठाकुर ने गणेश एवं दुर्गा उत्सव समितियों से अपील की कि प्रतिमाओं की स्थापना के लिए उचित स्थान का चयन करें तथा सड़कों पर अनावश्यक गड्ढे न खोदें। साफ-सफाई बनाए रखने के लिए पर्याप्त डस्टबिन की व्यवस्था करने तथा अनावश्यक रूप से तोरण-कतरण आदि न करने के निर्देश दिए गए।

पंचायत उप निर्वाचन 2026, बालाघाट में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता लागू

बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन (पूर्वार्द्ध) वर्ष 2026 के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। यह आचार संहिता 5 अक्टूबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डीपी बर्मन ने बालाघाट जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व), रिटर्निंग अधिकारियों, तहसीलदारों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता के तहत आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। पंचायतों के आम/उप निर्वाचन वर्ष 2026 (पूर्वार्द्ध) के दौरान निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता का कढाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

जनसुनवाई में हुई सड़क निर्माण व आंगनवाड़ी चयन प्रक्रिया में लापरवाही और सहायता राशि व निधि संबधित शिकायतें

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 91 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे। जहां अधिकारियों ने समस्याओं को सुना और आवश्यक कार्यवाही के दिशा-निर्देश दिये। जनसुनवाई में परसवाडा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा के निवासी शिवप्रसाद नेवर उनके वार्ड में अब तक सीसी रोड निर्माण ना किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि उसके मकान तक जाने वाली गली में लंबे समय से मुरमीकरण नहीं हुआ है, जिससे बारिश के दौरान कीचड़ की स्थिति बन जाती है और आवागमन में परेशानी होती है। कीचड़ के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी दिक्कत होती है। शिवप्रसाद ने वार्ड में सीसी रोड निर्माण और मुरमीकरण करने की मांग की। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाडा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। बालाघाट के ग्राम पोण्डी के निवासी कृष्णा राणा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद की चयन प्रक्रिया में बीपीएल अंक नहीं जोड़े जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि आवेदन में ऑनलाइन राशन कार्ड सहित इढछ सर्वेक्षण की जानकारी दर्ज की गई थी। चयन सूची में उन्हें इढछ के 5 अंक नहीं मिलने से नाम चौथे स्थान पर आया है, जबकि अंक जुड़ने पर उनका स्थान प्रथम होने का दावा है। कृष्णा राणा ने विभाग से इढछ के 5 अंक जोड़ते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। इसी तरह लालबर्रा तहसील के ग्राम टेकाड़ी (ला.) की निवासी ज्योति कावरे आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयन के बावजूद ज्वाइनिंग लेटर नहीं दिए जाने की शिकायत लेकर आई थी। ज्योति ने बताया कि ग्राम टेकाड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में सहायिका पद के लिए उनके द्वारा आवेदन किया गया था। 12 अगस्त 2026 को जारी चयन सूची में उनका नाम प्रथम क्रम पर दर्ज है, इसके बावजूद अब तक पदभार ग्रहण करने के लिए ज्वाइनिंग लेटर जारी नहीं किया गया है। उसने मामले की जांच कर आंगनवाड़ी सहायिका पद पर ज्वाइनिंग लेटर जारी कराने की मांग की है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं। जनसुनवाई में लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दहेगांव की निवासी छाया सिराने अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। छाया ने बताया कि 25 जुलाई 2023 को विशेष विवाह अधिकारी, जिला बालाघाट के समक्ष सामान्य समाज के विशाल सनपाल से उसने विवाह किया था, किंतु जानकारी के अभाव में अब तक उन्हें अनुसूचित जनजाति योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं मिल सका है। छाया सिराने ने शीघ्र उसे योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पायली के बबीता सहारे पति की मृत्यु उपरांत अनुग्रह सहायता राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। बबीता ने बताया कि उसके पति की मृत्यु 09 जुलाई 2025 को हो चुकी है, किंतु उसे संबल कार्ड होने के बावजूद शासन से अनुग्रह सहायता राशि का लाभ प्राप्त नही हुआ है। बबीता गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली महिला है और उसकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है अत- उसे शीघ्र अनुग्रह सहायता राशि का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। इसी तरह वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कन्हारटोला अमई के निवासी संजय इंदुरकर किसान सम्मान निधि की 19 किस्तों का भुगतान रोके जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली किसान सम्मान निधि की लगातार 19 किस्तों की करीब 38 हजार रुपये की राशि उनके खाते में जमा हुई, लेकिन संबंधित बैंक शाखा द्वारा होल्ड लगाए जाने के कारण राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। संजय ने मामले की जांच कर किसान सम्मान निधि की लंबित राशि दिलाने तथा बैंक खाते से होल्ड हटवाने की मांग की। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बोरियों में धान की जगह भूसा भरकर लगा दी आग...!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के मानपुर क्षेत्र स्थित ग्राम सेहरा बस्कुटा में संचालित डीके राइस मिल में आग लगने की घटना की जांच में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर मिल में रखी गई बड़ी मात्रा में धान के गायब होने और आगजनी की घटना को संदिग्ध पाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने संबंधित मिल संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने एवं राशि की वसूली की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।जानकारी के अनुसार, बारिश के दौरान राइस मिल में आग लगने की घटना के बाद कलेक्टर के निर्देश पर जांच कराई गई थी। जांच में प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगने के बजाय लगाए जाने की आशंका जताई गई। जांच के दौरान कथित तौर पर धान की बोरियों में धान के स्थान पर भूसा भरे होने सहित अन्य अनियमितताएं भी सामने आईं। बताया गया कि जांच में अन्य जिले की धान की बोरियां भी बरामद हुई हैं।जांच रिपोर्ट में करोड़ों रुपये मूल्य की धान के गायब होने का उल्लेख किया गया है।

तीन महीने से नहीं मिला खाद्यान्न, कलेक्टर के पास पहुंचे ग्रामीण

उमरिया (स्वतंत्र मत).. जिले के आदिवासी अंचल आकाशकोट से लगे ग्रामों में पिछले तीन महीनों से खाद्यान्न नहीं मिलने की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालक को निलंबित कर दिया है। ग्रामीणों ने खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायत उमरिया कलेक्टर से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने मामले की जांच कराई, जिसके बाद यह कार्रवाई सामने आई है।

बताया जा रहा है कि आकाशकोट से लगे कई ग्रामों के ग्रामीणों को बीते करीब तीन माह से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाला खाद्यान्न प्राप्त नहीं हो रहा था। राशन नहीं मिलने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने अपनी समस्या जिला प्रशासन तक पहुंचाते हुए कलेक्टर से मामले में हस्तक्षेप करने और खाद्यान्न उपलब्ध कराने की मांग की थी। शिकायत के बाद प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की गई। जांच में अनियमितता सामने आने के बाद संबंधित राशन दुकान संचालक को निलंबित कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से संचालक के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की बात भी कही जा रही है। इस कार्रवाई से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रशासन की सख्ती का संदेश गया है। इधर, ग्रामीणों को खाद्यान्न की तत्काल समस्या से राहत देने के लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की है।

इसी व्यवस्था के तहत फिलहाल ग्रामीणों को दो माह का खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि पात्र हितग्राहियों को राशन के लिए परेशान न होना पड़े और उन्हें निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न समय पर मिल सके।

डायन के शक में महिला को बनाया बंधक, गर्म चिमटे से दागी उंगलियां...!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मंगलवार 8 सितंबर को अंधविश्वास की आड़ में इंसानियत को शर्मसार करने वाला सनसनीखेज मामला कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम रोहनिया से सामने आया है। पीड़िता सरोज बाई बैगा ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसे'सोधनिया यानी कथित डायन होने के शक में जबरन घर में घुसकर बंधक बना लिया गया। इसके बाद उसके बाल पकड़कर घसीटा गया, बेरहमी से मारपीट की गई और गर्म चिमटे से उंगलियां दागने का आरोप है। इतना ही नहीं,महिला और उसके पति मुकेश बैगा को कथित तौर पर पिकअप वाहन में बैठाकर नयागांव स्थित पंडा के पास ले जाया गया।पीड़िता के मुताबिक 30 अगस्त की शाम करीब 5 बजे वह घर के पास रास्ते में थी।इसी दौरान कौशिल्या बाई उसे काम के बहाने अपने घर के भीतर ले गई।

शिकायत के अनुसार वहां निरंजन सिंह,बिहारी सिंह, वीरेन्द्र सिंह,राजेन्द्र सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे। आरोप है कि अंदर पहुंचते ही उसे पकड़ लिया गया और बाल खींचकर जमीन पर घसीटते हुए मारपीट की गई।इसके बाद गर्म चिमटे से उसकी उंगलियां छुआकर दागी गईं और 'सोधनिया' होने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की गई। शिकायत में बताया गया है कि कथित बंधक बनाए जाने के बाद उसके पति मुकेश बैगा को भी वहां बुलाया गया। दोनों को पिकअप में बैठाकर नयागांव के एक पंडा के पास ले जाया गया।

जंगली हाथी धान के खेतों को बना रहे निशाना, किसान परेशान

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जंगली हाथियों द्वारा धान के खेतों को निशाना बनाए जाने के मुख्य कारण उनकी भोजन की तलाश, पोषण संबंधी आवश्यकताएं और घटते जंगल हैं। हाथी रोजाना सैकड़ों पाउंड भोजन की मांग करते हैं, और कृषि क्षेत्र उनके लिए एक आसान व ऊर्जा से भरपूर विकल्प बन जाते हैं।

बांधवगढ़ से सटे ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों की बढ़ती मूवमेंट अब किसानों के लिए बड़ी आफत बनती जा रही है। सोमवार देर शाम जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड कसेरू-बमेरा मार्ग पर मौजूद है और इनकी संख्या एक-दो दर्जन नहीं, बल्कि करीब आधे सैकड़े बताई जा रही है। हाथियों के इतने बड़े झुंड की मौजूदगी ने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है।वर्तमान में ये हाथी सुखनन्दन कुशवाहा, दुर्गा कुशवाहा, हरिदीन यादव, भद्रनाथ सिंह के खेत मे मौजूद बताये जा रहे है। इससे पहले बीते रविवार की रात पनपथा रेंज के कसेरू गांव में एक दर्जन से अधिक हाथियों का झुंड रात करीब 2 बजे के बाद गांव में दाखिल हुआ था। हाथियों ने खेतों में पहुंचकर खड़ी फसलों को रौंद दिया, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया। दो-तीन दिन के अंतराल में

हाथियों के दोबारा गांव और खेतों की ओर पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कसेरू और बमेरा के साथ मझौली, कुसमा, बगैहा बरवाही, बकेली-उमरिया, कोठिया और सेजवाही क्षेत्र में भी हाथियों की गतिविधियां लगातार सामने आ रही हैं। रात के अंधेरे में खेतों और आबादी के आसपास हाथियों की मौजूदगी ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। किसान फसल बचाएं या जान, यह सवाल अब उनके सामने खड़ा है। वन विभाग की टीम हाथियों की निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है, लेकिन लगातार बढ़ती आवाजाही ने मानव-हाथी संघर्ष की गंभीर आशंका को और गहरा दिया है।

धान के खेतों पर हमलों के मुख्य कारण

अतिरिक्त पोषण और स्वाद के अनुसार, प्राकृतिक घास की तुलना में खेतों में उगाई जाने वाली फसलें (विशेषकर धान) ज्यादा स्वादिष्ट और कैलोरी से भरपूर होती हैं। हाथियों की सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है। वे एक किलोमीटर से अधिक दूर से ही पके हुए धान की खुशबू भांप लेते हैं। वनों की कटाई और इंसानी गतिविधियों के कारण हाथियों के पारंपरिक गलियारे और जंगल सिकुड़ गए हैं।

भोजन की तलाश में भटककर बस्तियों और खेतों तक आ जाते हैं। हाथी बहुत समझदार जीव होते हैं। उन्हें याद रहता है कि किस मौसम में किस इलाके में फसल पककर तैयार होती है, और वे उसी दौरान खेतों का रुख करते हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द
जनपद पंचायत वारासिवनी, जिला -बालाघाट (म. प्र.)

क्रमांक/ दिनांक- 08-009-2026

आमंत्रण सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द के अंतर्गत श्री बालाजी गौसाला ग्राम बिठली में संचालित हैं जिसका संचालन ग्राम पंचायत के द्वारा किया जा रहा हैं। श्री बालाजी गौशाला के संचालक के लिए इच्छुक स्वसहायता समुह/ स्वयं सेवा संस्था(एनजीओं) से आवेदन आमंत्रित है। शासन के निर्देशो के तहत कार्य करना अनिवार्य हैं। आवेदन जमा करने की तिथी प्रकाशन से दिनांक 12/09/2026 तक कार्यालयीन समय पर किया जाना हैं। जिसका अनुमोदन ग्राम पंचायत करेंगी।

सरपंच
फागुलाल मरठे

सचिव

उपसरपंच

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 09 सितंबर 2026

आवेदन की समय-सीमा बढी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर संचालित प्री-मैट्रिक पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। भारत सरकार द्वारा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। जिला सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्री-मैट्रिक के आवेदन की प्रक्रिया 25 जुलाई 6 से प्रारंभ है। पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। संस्थाओं द्वारा आवेदनों के सत्यापन की अंतिम तिथि प्री-मैट्रिक के लिए 15 अक्टूबर तथा पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास के लिए 15 नवंबर निर्धारित की गई है।

जनसुनवाई में सुनी समस्या

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में 97 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके समुचित व त्वरित निराकरण के कड़े निर्देश दिए।

द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मध्यप्रदेश एवं डायरेक्टर जनरल होमगार्ड के निर्देशानुसार आपदा मित्र योजना के द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण 7 सितंबर से प्रारंभ हुआ। नगर परिषद भुआ-बिछिया के मंगल भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 100 आपदा मित्रों ने सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम बिछिया कुलदीप पटेल एवं जनपद पंचायत बिछिया के सीईओ रमेश मांडवी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद जिला सेनानी नरेश कुमार साहू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी एसडीएम श्री पटेल ने आपदा मित्रों की भूमिका एवं उनके महत्व पर विस्तार से संवाद करते हुए प्रशिक्षण की सराहना की।

संचालक ने किया छात्रावास निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी द्वारा शासकीय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बीजाडांडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं आवश्यकताओं एवं छात्रावास में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की श्री सोनी ने छात्रावास में भोजन व्यवस्था पेयजल, साफ-सफाई आवासीय व्यवस्था तथा अध्ययन के वातावरण का बारीकी से निरीक्षण किया उन्होंने छात्राओं से भोजन की गुणवत्ता एवं उपलब्ध अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली छात्राओं द्वारा अधिकांश व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पीपरपानी में स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ता एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से बीएमओ डॉ. सुमित सिंगौर एवं बीपीएम आदित्य पटैल ने भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने मलेरिया से पीड़ित मरीज से मुलाकात कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी समझाइश एवं मार्गदर्शन दिया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

शिल्पकार किशोर काल्पीवार की कलाकृति से सजा मुख्यमंत्री निवास, तीन फीट ऊंची राधा-कृष्ण प्रतिमा भेंट की

मण्डला(स्वतंत्रमत)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा मुख्यमंत्री निवास में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राधा-कृष्ण की लगभग 3 फीट ऊंची आकर्षक प्रतिमा भेंट की गई। इस प्रतिमा की विशेषता यह है कि इसे मंडला के प्रसिद्ध शिल्पकार एवं मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उद्यमी किशोर काल्पीवार ने तैयार की है। काल्पीवार मंडला की मृदुकिशोर मार्बल एवं ग्रेनाइट इंडस्ट्रीज के संचालक हैं और अपनी शिल्पकारी के लिए जाने व पहचाने जाते हैं न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीराम तिवारी ने बताया कि मूर्तिकार किशोर काल्पीवार मध्यप्रदेश की समृद्ध पारंपरिक शिल्प परंपरा को आधुनिक सृजनात्मक दृष्टि के साथ आगे बढ़ाने वाले कुशल शिल्पकार हैं। उनके द्वारा तैयार की गई राधा-कृष्ण की प्रतिमा में धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और स्थानीय शिल्प कौशल का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है इस प्रतिमा के निर्माण में जिस पत्थर का उपयोग किया गया है उसे गोंडवाना और महाकौशल क्षेत्र से प्राप्त प्राकृतिक शिलाखंडों से जोड़ा गया है बताया गया है कि इसके लिए मंडला क्षेत्र में नर्मदा नदी के किनारे उपलब्ध खदानों से प्राप्त पत्थर

का उपयोग किया गया है इस कारण यह प्रतिमा केवल धार्मिक कलाकृति ही नहीं बल्कि मंडला की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी अपने भीतर समेटे हुए है बताया गया है कि प्रयुक्त चट्टानी संरचना लगभग 250 से 350 करोड़ वर्ष पुरानी मानी जाती है इसकी प्राकृतिक मजबूती उच्च घनत्व और कठोरता इसे मूर्ति निर्माण के लिए उपयुक्त बनाती है। पत्थर की जल-अवरोधक एवं मौसम-प्रतिरोधी प्रकृति के कारण इससे निर्मित कलाकृतियों के लंबे समय तक टिकाऊ रहने की संभावना रहती है किशोर काल्पीवार ने पत्थर की प्राकृतिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिमा पर बारीक और सूक्ष्म नक्काशी का कार्य किया है। राधा-कृष्ण की प्रतिमा में चेहरे की भाव-भंगिमा आभूषण वस्त्रों की बारीकियां और अलंकरण को उकेरने में शिल्पकार की दक्षता दिखाई देती है विशेषज्ञता यह भी है कि जिस पत्थर पर काम किया गया है उसमें प्राकृतिक रूप से मौजूद तत्व प्रतिमा को विशिष्ट दृश्य प्रभाव प्रदान करते हैं। पत्थर की प्राकृतिक बनावट और उसमें मौजूद मैटेलिक तत्वों के कारण प्रतिमा में अलग तरह की आभा दिखाई देती है मुख्यमंत्री निवास में जन्माष्टमी के विशेष अवसर पर मंडला के शिल्पकार द्वारा तैयार राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट किया जाना जिले के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। इससे मंडला की पारंपरिक मूर्तिकला, स्थानीय पत्थर और यहां के कारीगरों की प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलने की संभावना भी बढ़ी है मंडला लंबे समय से आदिवासी संस्कृति नर्मदा नदी प्राकृतिक संपदा और पारंपरिक कलाओं के लिए जाना जाता है। ऐसे में स्थानीय प्राकृतिक संसाधन से तैयार धार्मिक कलाकृति का मुख्यमंत्री को भेंट किया जाना क्षेत्र की कला और शिल्प परंपरा को सम्मान मिलने के रूप में देखा जा रहा है किशोर काल्पीवार की इस कलाकृति ने यह संदेश भी दिया है कि मध्यप्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला को आधुनिक दृष्टिकोण और कुशल तकनीक के साथ आगे बढ़ाकर स्थानीय कलाकार प्रदेश और देश स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। इसके पूर्व आयोद्धा के राममंदिर में भी लगे नक्कासी पत्थरों को भेजा गया था वहीं बनारस में भी मंडला में बनी पत्थरो की मूर्ति ने लोगों का दिल जीता है।

रेहान खान को जिला बदर किये जाने सौंपा ज्ञापन

मण्डला/(स्वतंत्रमत)

टिकरिया निवासी रेहान खान पिता जमील खान के विरुद्ध गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने के बाद उसके खिलाफ जिला बदर सहित अन्य वैधानिक कार्यवाही की मांग उठी है। इस संबंध में जिला दंडाधिकारी मंडला को आवेदन प्रस्तुत कर मामले में वर्तमान एवं पूर्व आपराधिक प्रकरणों की जांच कराने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निवारक कार्यवाही किए जाने मांग की गई है 6 सितंबर को थाना टिकरिया में एक नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपों से संबंधित आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध पूर्व में भी एक

नाबालिग बालिका से अभद्रता से संबंधित प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इन आरोपों और पूर्व प्रकरणों की वास्तविक स्थिति का अंतिम निर्धारण संबंधित जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया से होना है शिकायतकर्ताओं का कहना है कि एक ही व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के वर्तमान एवं पूर्व प्रकरणों का उल्लेख सामने आने के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था तथा नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता उत्पन्न हुई है। इसी आधार पर प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक निवारक कार्रवाई करने मांग की गई है। आवेदन में जिला प्रशासन से मांग की गई है कि रेहान खान के विरुद्ध दर्ज वर्तमान और पूर्व आपराधिक प्रकरणों की जानकारी जुटाकर उसकी आपराधिक गतिविधियों एवं क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर उनके प्रभाव का परीक्षण कराया जाए। इसके बाद मध्यप्रदेश में लागू वैधानिक प्रावधानों के तहत यदि परिस्थितियां उपयुक्त पाई जाती हैं तो जिला बदर की कार्यवाही प्रारंभ की जाए शिकायत में संबंधित व्यक्ति के निवास मकान को लेकर भी प्रशासनिक जांच मांग की गई है भूमि एवं भवन के स्वामित्व निर्माण की अनुमति राजस्व अभिलेख तथा भवन निर्माण की वैधता सहित अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि यदि जांच के दौरान भवन का निर्माण अवैध अथवा शासकीय नियमों के विपरीत पाया जाता है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि 7 दिवस के भीतर नियमानुसार कार्यवाही नहीं की जाती है तो आंदोलन किया जाएगा। आवेदनकर्ताओं ने संभावित आंदोलन की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन पर होने की बात कही है।

मिट्टी के गणेश बनाने पर कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्थानीय मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पर्यावरण संरक्षण नर्मदा नदी की स्वच्छता जल संवर्धन एवं पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव को लेकर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया और नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नर्मदा समग्र के समन्वयक दिनेश शाह एवं प्रहलाद क्षत्री उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को मिट्टी गणेश बनाने के महत्व की जानकारी देते हुए स्वयं अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया इसके अलावा प्रशासन द्वारा बनाए गए विशेष विसर्जन कुंडों एवं टंकियों का उपयोग करने की अपील की गई ताकि नर्मदा नदी को प्रदूषण से बचाया जा सके अतिथियों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों से होने वाले जल एवं मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के संचालक डॉ. अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉ. कनिका खरे के मार्गदर्शन में हुआ कार्यशाला की संयोजक डॉ. कविता भावसार एवं दीक्षा कुशवाहा रही।

दिव्येश तिवारी बने सांसद प्रतिनिधि

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने जनपद पंचायत घुघरी क्षेत्र के लिए भाजपा नेता दिव्येश तिवारी पंकज को अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है दिव्येश तिवारी लंबे समय से भाजपा संगठन में

सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष घुघरी जिला कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा मंडला मंडल महामंत्री एवं सेक्टर प्रभारी मंडल घुघरी तथा जिला कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा मंडला सहित विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन किया है। पार्टी संगठन के प्रति उनकी सक्रियता कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क और आमजन के बीच उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने उन्हें जनपद पंचायत घुघरी क्षेत्र के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया सांसद प्रतिनिधि के रूप में दिव्येश तिवारी क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को सांसद तक पहुंचाने और उनके निराकरण के लिए समन्वय की भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला मंत्री कौशल्या मरावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष जनिया मरावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, सलवाह मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौकसे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

आप के प्रयास से मार्ग निर्माण का रास्ता साफ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आम आदमी पार्टी द्वारा महर्षि विद्या मंदिर बिंझिया जाने वाले जर्जर मार्ग के निर्माण को लेकर किए गए लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है 7 सितंबर को आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मुलाकात कर लगभग 14 दिन पूर्व दिए गए आवेदन पर हुई कार्यवाही एवं मार्ग की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली मुलाकात के दौरान प्रशासन द्वारा बताया गया कि उक्त मार्ग लंबे समय से कॉलोनी के मार्ग के रूप में दर्ज होने के कारण इसके निर्माण में समस्या आ रही थी। अब इस मार्ग को मध्यप्रदेश शासन के नाम कर दिया गया है जिसके बाद मार्ग का निर्माण ग्राम पंचायत बिंझिया द्वारा कराया जाएगा वर्तमान में नागरिकों की आवागमन संबंधी परेशानी को देखते हुए अस्थायी मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है।तथा वर्षा ऋतु के बाद पक्की सड़क का निर्माण कराया जाएगा आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि यह मार्ग वर्षों से खराब स्थिति में था। स्थानीय रहवासी लगातार आवेदन देकर सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। खराब सड़क के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों को प्रतिदिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस दौरान आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी एवं जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

प्रेरकों ने की सेवा बहाली की मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर साक्षर भारत एवं प्रौढ़ शिक्षा अभियान से जुड़े देशभर के प्रेरकों ने सरकार से रोजगार एवं सेवा बहाली की मांग उठाई है। मध्य प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के प्रेरकों ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने सर्वे करने तथा ग्रामीणों को शिक्षा और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन अभियान समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में प्रेरक बेरोजगार हो गए हैं मांग की है कि उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर पंचायत स्तर पर बीएलओ सहित अन्य उपयुक्त कार्यों में अवसर प्रदान किया जाए। इसके साथ ही शासकीय विद्यालयों तथा विभिन्न विभागों में उपलब्ध उपयुक्त पदों पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार या समायोजन दिया जाए।

अब नहीं भटकेंगे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के हितग्राही

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

दो वर्ष से अधिक पुराने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोकसेवा केंद्र से तहसील कार्यालय तक चक्कर काट रहे हितग्राहियों की परेशानी पर प्रशासन ने संज्ञान लिया है। 7 सितम्बर को स्वतंत्र मत अखबार के द्वारा प्राथमिक्ता से खबर प्रकाशित किया गया था जिसका व्यापक असर हुआ है। खबर सामने आने के बाद जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थागत निर्देश जारी किए हैं। अब पात्र प्रकरणों में नियमानुसार जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

खबर प्रकाशित होने के बाद कलेक्टर ने लिया संज्ञान

दो वर्ष से अधिक पुराने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे हितग्राही

लोकसेवा केंद्र से तहसील कार्यालय तक काट रहे चक्कर

प्रक्रिया स्पष्ट न होने से बढ़ी परेशानी

ऐसे सामने आई थी समस्या

विलंबित जन्म एवं मृत्यु पंजीयन की प्रक्रिया को लेकर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक नागरिक लंबे समय से परेशान थे। विशेष रूप से दो वर्ष से अधिक पुराने मामलों में प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं होने के कारण हितग्राहियों को लोकसेवा केंद्र और तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे थे। हितग्राहियों का कहना था कि निर्धारित दस्तावेज जमा करने और प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी कई प्रकरणों में आवेदन निरस्त हो रहे थे। इसके चलते आवेदकों को दोबारा दस्तावेज जुटाने और आवेदन प्रक्रिया में लगना पड़ रहा था। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही थी।

स्वतंत्र मत अखबार ने उठाया था मामला- हितग्राहियों की इस परेशानी को स्वतंत्र मत ने प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। खबर में यह मुद्दा उठाया गया था कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज के लिए नागरिकों को स्पष्ट प्रक्रिया के अभाव में एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय तक भटकना पड़ रहा है। खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक स्तर पर मामले की जानकारी ली गई और अब जिला प्रशासन ने हितग्राहियों की सुविधा को देखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर ने दिए व्यवस्थागत निर्देश-जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त होने तक जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था नियमानुसार सुनिश्चित की जाए। इससे लंबित प्रकरणों के आवेदकों को राहत मिलेगी और उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

प्रशासनिक पहल के बाद अब उन नागरिकों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है, जिनके जन्म अथवा मृत्यु पंजीयन के प्रकरण लंबे समय से लंबित हैं।

महत्वपूर्ण दस्तावेज, इसलिए जरूरी है सहज व्यवस्था

जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। शिक्षा, आधार, पेंशन, संपत्ति, उत्तराधिकार सहित विभिन्न शासकीय एवं कानूनी कार्यों में इनकी आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में इनके निर्माण की प्रक्रिया सरल, स्पष्ट और पारदर्शी होना जरूरी है। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद अब हितग्राहियों को उम्मीद है कि लंबित प्रकरणों का नियमानुसार निराकरण होगा और उन्हें प्रमाण पत्र के लिए अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ेगा ।

रेवाड़ा विद्यालय में शिक्षकों के लिए विद्यार्थी प्रतिदिन दुकान से ले जाते हैं चाय, वीडियो हुआ वायरल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर विकास खंड के ग्राम रेवाड़ा स्थित शासकीय विद्यालय का एक वीडियो ग्राम वासियों द्वारा बनाया गया जिसपर शिक्षा व्यवस्था और विद्यालय में शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर दिया हैं। वीडियो में कथित तौर पर विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों से चाय दुकान से चाय मंगवाते नजर आ रहे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में भी चर्चा का दौर शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि ग्राम रेवाड़ा के विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से एक वार नहीं अनेकों बार शिक्षकों के द्वारा समय समय पर चाय दुकान से चाय मंगवाया जाता है । जिसका वीडियो चाय दुकान में बैठे लोगों के द्वारा बनाया गया जिसपर चाय दुकान से चाय लेकर दो छात्र विद्यालय लेजाते देंखे जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालय विद्यार्थियों के अध्ययन और उनके सर्वांगीण विकास का स्थान है, जहां बच्चों को शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। ऐसे में यदि विद्यार्थियों से निजी कार्य अथवा चाय-पानी मंगवाया जा रहा है तो यह गंभीर विषय है। चाय लेजाते छात्रो का वीडियो ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि विद्यालय में बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते हैं उनसे शिक्षकों का निजी कार्य करवाना उचित नहीं है। अभिभावकों का यह भी कहना है कि विद्यालय में शिक्षक बच्चों के लिए आदर्श होते हैं। विद्यार्थियों के सामने शिक्षकों का आचरण उनकी सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है।

संपादकीय

आखिर ट्रंप की मंशा क्या है?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है।

यह आर्थिक नुकसान, अंततः भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढ़ने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं। किसका तख्तापलट चुनी हुई सरकार का अथवा खामेनेई और आईआरजीसी के नेतृत्व का! नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45-48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ ईरानी अवाम को 'विद्रोह' के लिए भड़का रहे हैं, उन्हें हथियार मुहैया कराने का लालच भी दे रहे हैं, ईरान भी पलटवार कर अमरीकी ठिकानों की तबाही कर रहा है। सवाल यह है कि आखिर ट्रंप की मंशा क्या है?

सत्य निकेतन हादसा

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

डॉ. रमेश ठाकुर

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20-22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है।

हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी-बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है- अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे?

सस्पेंशन की आड़ में लीपापोती आखिर कब तक चलेगी?

चैतन्य भट्ट

सस्पेंड कर दिया ये मसला पिछले दो दिनों में राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है राजधानी दिल्ली में एक जर्जरतम पीजी की बिल्डिंग धराशाई होने से सात निर्दोष बच्चों की मौत और मध्यप्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से एक दर्जन लोगों की मौत के बाद कुछ अफसरों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर कुछ को लूप लाइन में भेज दिया गया है। सवाल सबसे बड़ा ये है कि जिन लोगों की लापरवाही या मिली भगत से निर्दोषों को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा क्या उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन पर हत्या का मुकदमा नहीं चलाना चाहिए?

देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार और सरकारी सेवा में जानबूझकर की जा रही लापरवाही के मामले लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। सरकारी प्रतिक्रिया में आमतौर पर आरोपियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया जाता है। माहौल कुछ ऐसा बनाया जाता है जैसे सस्पेंशन कोई बहुत बड़ी सजा है जो तत्काल सुना दी गई है। प्रश्न स्वाभाविक है-क्या सस्पेंशन वास्तविक रूप से कोई दंड है? जवाब है-हरगिज़ नहीं। निलंबन एक तरह की सामान्य व्यवस्था है जिसके लिए बिना सूचना सेवा से अनुपस्थिति जैसा छोटा सा आधार ही पर्याप्त है। इसका उद्देश्य आरोपित अधिकारी कर्मचारी को जांच कार्यवाही प्रभावित करने से रोकना है। सरकारी नियमों में प्रावधान हैं कि सस्पेंशन पीरियड में संबंधित से कोई काम नहीं लिया जाता फिर भी मूल वेतन और अन्य भत्तों का 50% जीवन निर्वाह भत्ता मिलता है जो छह महीनेबाद 75% तक बढ़ाया जा सकता है। जांच में निर्दोष पाए जाने की स्थिति में सस्पेंशन अवधि सेवा और पेंशन के लिए गिनी जाती है और मोटी रकम एरियर्स के रूप में मिलती है। फिर भला सस्पेंशन सजा कैसे कही जा सकती है? ऐसे में सवाल उठता है कि क्या करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार और ऐसे अन्य लापरवाही भरे कार्यों के लिए जिनमें न सिर्फ शासकीय धन की बरबादी हुई है बल्कि मासूम निर्दोषों की जान तक चली गई है, कार्यवाही को सस्पेंड करने जैसी सामान्य व्यवस्था तक सीमित रखना और उसे सजा जैसा प्रचारित किया जाना उचित है?

पिछले कुछ महीनों में छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से हुई मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत , सफाई में पूरे देश में नंबर वन आने वाले इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से एक दर्जन लोगों की मौत जैसी जानलेवा लापरवाही से हुए इतने दर्दनाक हादसे के बाद तात्कालिक कार्यवाही सस्पेंड करने तक सीमित रही। बाद में भड़के भीषण जन आक्रोश के बाद ही गिरफ्तारी जैसी अन्य कार्यवाहियां शुरू हुईं। जांच ने बताया कि लापरवाही के तार भोपाल तक जुड़े हुए थे। रिटायर्ड अधिकारियों जीपी मेहरा और धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां पड़े छापों में बरामद करोड़ों की नगदी, किलो के हिसाब से सोना चांदी और अकूत संपत्ति ने भी सनसनी मचाई। 2025 में रिटायर्ड हुए मेहरा के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें लंबित थीं मगर विभाग से जांच की अनुमति न मिलने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बावजूद मेहरा वेयरहाउस कॉरपोरेशन में संविदा पर सेवाएं देने योग्य मान लिया। भदौरिया 2020 में निलंबित हुए और 2025 में रिटायर्ड हो गए। इतने लंबे समय बाद भी उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ताजा छापों के समय दोनों ही अधिकारी सेवा निवृत्त थे सो उनके सस्पेंड होने का सवाल नहीं उठता था मगर नियम संबंधी कोई रोड़ा न होने के बावजूद इन मामलों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

नियमों में निलंबन के साथ ही ऐसे प्रकरणों में सेवा से बर्खास्तगी के प्रावधान भी हैं। किसी तरह का गैर कानूनी काम या सेवा नियमावली के उल?लंघन पर सेवा से बर्खास्?त किया जा सकता है। कोई सैलरी या भत्ता नहीं मिलता और दूसरी सरकारी नौकरी की पात्रता भी खत्म हो जाती है। बर्खास्तगी के पहले व्यापक विभागीय जांच प्रक्रिया जरुरी है। समयबद्ध जांच प्रक्रिया का प्रावधान है मगर जांच सालों चलती है। मामला ठंडा पड़ जाता है और आरोपी निर्दोष बरी हो जाते हैं। जिन चुनिंदा प्रकरणों में बर्खास्तगी की सजा मिलती भी है वे अदालत पहुंच जाते हैं, लचर जांच प्रक्रिया में हुई लापरवाही की वजह से बरी हो जाते हैं। जहां मर्जी होती है, सतही आधार पर बर्खास्तगी कर दी जाती है। मैहर में मिडिल स्कूल के एक शिक्षक को दो से अधिक संतान होने पर सेवामुक्त कर दिया गया। जिस नियम के आधार पर सेवामुक्ति हुई वह ऐसे उम्मीदवार जिसके दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 या उसके बाद हो, के सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अपात्रता से संबंधित था जबकि संबंधित शिक्षक नियमित सेवा में था। अदालत से इसी आधार पर राहत मिल गई।

भ्रष्टाचार और सेवा में लापरवाही की बढ़ती घटनाएं गवाह हैं कि प्रशासनिक कसावट की जरूरत है। तात्कालिक जन असंतोष दबाने के उद्देश्य से बांटा जाने वाला सस्पेंशन का चूरन पुराना हो चला है। वे दिन गए जब सरकारी सेवा में शुचिता और ईमानदारी सर्वोपरि थी। जमाना बदल गया है। ईमानदारी बेईमानी का मौका मिलने तक ही सीमित रहती है। सस्पेंड होना तो अब सामाजिक दाग की संज्ञा से भी बाहर हो गया है। आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं मगर सामान्य धारणा यही है कि सस्पेंशन के मामलों में बिरले ही गंभीर सजा मिलती है। मामला ठंडा होते ही व्यक्तिगत संपर्क, राजनीतिक वरदहस्त अपना काम करते हैं, आरोपी निर्दोष बरी होते हैं और मजे से बिना काम की पूरी तनख्वाह उठाते हैं। सरकारी सेवकों के मन में दंड के माध्यम से भी जिम्मेदारी का भाव पैदा किया जाना जरूरी है।? जरूरत सस्पेंशन रूपी चूरन नहीं बल्कि कड़वी दवाई की है। कम से कम कांच की तरह स्पष्ट मामलों में त्वरित कार्रवाई कर बर्खास्तगी जैसे कदम उठाने से ही काम चलेगा। अगर नियमों का अवरोध है तो उसे दूर किया जाना चाहिए। जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो देर हो जाएगी और अफसरों नेताओं व्यपारियों का ये गठबंधन लोगों को मौत की नींद सुलाता रहेगा जैसी कि जानकारी मिली है कि सागर में अवैध शराब बेचने वालों के सर पर स्थानीय सत्तारूढ़ दल के नेताओं का हाथ था ऐसे नेताओं पर भी कड़ी कार्यवाही कर उन्हें भी आरोपी बनाया जाना चाहिए तभी राजनीति में शुचिता आ सकेगी लेकिन सवाल तो वही है कि पहल कौन करेगा शायद इसका उत्तर कोई नहीं ही होगा

जीवन धारा: क्रोध की आग हमें ही जलाती है

निर्मल कांत

मनुष्य के भीतर उठने वाली सबसे तीव्र भावनाओं में क्रोध एक ऐसी आग है, जो बाहर से देखने पर दूसरे के विरुद्ध दिखाई देती है, लेकिन धीरे-धीरे उस व्यक्ति को ही भीतर से जलाने लगती है, जिसके हृदय में वह जन्म लेती है। जब हमें लगता है कि किसी ने हमारा अपमान किया, हमारे साथ अन्याय किया या हमारे अधिकारों की अनदेखी की, तब एक बेचैनी उठती है। मन तुरंत प्रतिशोध चाहता है। वह चाहता है कि जिसने हमें दुख दिया है, उसे भी वही पीड़ा महसूस हो। लेकिन इसी क्षण हमें रुककर स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या दूसरे की गलती की कीमत हमें अपनी शांति खोकर चुकानी चाहिए?

क्रोध हमें विश्वास दिलाता है कि हम दूसरे को दंड दे रहे हैं, जबकि वास्तव में हम अपनी ही चेतना को अशांत कर रहे होते हैं। जिस व्यक्ति पर हम क्रोधित हैं, वह शायद कुछ देर बाद अपनी दुनिया में लौट जाता है, लेकिन हमारा मन उसी घटना को बार-बार दोहराता रहता है। हम बातचीत को फिर से याद करते हैं, शब्दों को दोहराते हैं, कल्पना करते हैं कि हमें क्या कहना चाहिए था और मन ही मन उस व्यक्ति को दंड देने के अनेक तरीके खोजते रहते हैं। घटना समाप्त हो चुकी होती है, लेकिन हमारा क्रोध उसे भीतर जीवित रखता है। यहीं से क्रोध धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बनने लगता है। एक छोटी-सी बात बड़ी लगने लगती है, एक कठोर शब्द अपमान बन जाता है और एक गलती व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय करने लगती है। हम भूल जाते हैं कि मनुष्य अपूर्ण है, हम स्वयं भी। यदि हर भूल का उत्तर क्रोध से और हर चोट का उत्तर प्रतिशोध से दिया जाए, तो जीवन संबंधों का नहीं, संघर्षों का संग्रह बन जाएगा। क्रोध एक क्षणिक भावना नहीं, बल्कि ऐसी मानसिक अवस्था है, जिसे विवेक से संभालना आवश्यक है। क्रोध आने पर यदि हम कुछ देर रुक जाएं, तो संभव है कि वह आग उतनी बड़ी न हो, जितनी पहली प्रतिक्रिया में दिखाई देती है। रुकना कमजोरी नहीं है। शांत रहना कायरता नहीं है।

कई बार सबसे बड़ा साहस यही होता है कि हमारे पास चोट पहुंचाने का अवसर हो, फिर भी हम अपने विवेक को अपने क्रोध से बड़ा बना दें। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय को स्वीकार कर लिया जाए या गलत व्यवहार के सामने चुप रहा जाए। क्रोध के स्थान पर स्पष्टता हो सकती है। प्रतिशोध के स्थान पर न्याय हो सकता है। अपमान के स्थान पर आत्मसम्मान हो सकता है। किसी को क्षमा करना भी हमेशा उसके व्यवहार को सही मान लेना नहीं होता, कई बार क्षमा का अर्थ स्वयं को उस घटना की मानसिक कैद से मुक्त करना होता है। जीवन में ऐसे लोग अवश्य मिलेंगे, जो हमें समझेंगे नहीं, जो हमारे साथ अन्याय करेंगे, जो हमारे विश्वास को चोट पहुंचाएंगे। हम हर व्यक्ति को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया को दिशा दे सकते हैं। यही भीतर की स्वतंत्रता है।

इसरो को कमजोर करने की साजिश हो रही या भारत को स्पेस सुपर पावर बनने की रणनीति पर काम चल रहा?

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे-धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को IN-SPACe के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।

इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी।

दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका

बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा। यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को फैक्ट्री से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी फ्रंटियर पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है।

यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट-अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है।

नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, IN-SPACe गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि NSIL परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग-आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा।

लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए।विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के साराभाई-धवन ढांचे को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया।

यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुनः प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

हम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है और लक्ष्य 2033 तक इसे 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। इसलिए असली चुनौती निजी क्षेत्र बनाम इसरो नहीं, बल्कि इसरो-नेतृत्व वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता है। रणनीतिक दृष्टि से यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। अब सवाल यह है कि क्या भारत उत्पादन का विस्तार करते हुए अपनी संवेदनशील तकनीक, सामरिक स्वायत्तता और वैज्ञानिक नेतृत्व को सुरक्षित रख पाएगा। यदि संतुलन सही बैठा, तो निजी उद्योग इसरो की ताकत बढ़ाएगा; यदि पारदर्शिता और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़े, तो राष्ट्रीय क्षमताओं के हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल और गंभीर होंगे। इसरो ने फिलहाल अपना संदेश साफ कर दिया है कि वह पीछे नहीं हट रहा, बल्कि उत्पादन की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर अंतरिक्ष की अगली सीमा पर छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है।

मक्का पैक्ट की हवा निकाल रहे हूती, अब सऊदी में घुसकर मारा, एयरपोर्ट-एयरबेस तबाह

यमन

पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुए मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट (मक्का संयुक्त रक्षा समझौता) को अपनी पहली बड़ी परीक्षा में नाकामी का सामना करना पड़ा है। यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने अबहा, खमीस मुशैत, जाज़ान और नजरान में नागरिक और आर्थिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। सऊदी दुश्मन को यह समझना होगा कि यमनी लोगों के खिलाफ बिना किसी जवाबी कार्रवाई, रोक-टोक या कीमत चुकाए अपराध और नरसंहार करने का दौर अब खत्म हो चुका है। नसीरुद्दीन हूती मीडिया ऑफिस के डिप्टी हेड हैं। वे हूती विद्रोहियों द्वारा चलाई जा रही सबा न्यूज़ एजेंसी को चलाते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर इन हमलों की तारीफ़ की।

सऊदी अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार तड़के ईरान समर्थित हूतियों के सऊदी अरब पर हमलों में 73 लोग घायल हो गए। यमन में लड़ रहे सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने कहा कि विद्रोहियों ने सऊदी शहरों आभा, जाज़ान, नज्रान और खमीस मुशैत में नागरिक और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि सऊदी-नेतृत्व वाला गठबंधन आतंकवादी हूति मिलिशिया को रोकने के लिए पूरे संकल्प के साथ सभी ज़रूरी ऑपरेशनल कदम उठाएगा। हूति हमले तब हुए जब विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर यमन के उत्तरी प्रांत जफ़ में एक जेल पर हमला करने का आरोप लगाया। ये हमले यमन में हूतियों और सऊदी-समर्थित सरकारी बलों के बीच हफ़्तों से चल रही लड़ाई के बढ़ने के दौरान हुए, जिसने वहां गृह युद्ध में चार साल से चल रहे संघर्ष-विराम को तोड़ दिया।

यमन में लड़ रहे सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने बताया कि मंगलवार तड़के हुए इन हमलों में सऊदी शहरों-आभा, जाज़ान, नज्रान और खमीस मुशैत-में नागरिक और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाया गया। अल-माल्की ने कहा कि इन हमलों में 73 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन हमलों से देश के दक्षिणी इलाके में कई तेल सुविधाओं और यूटिलिटी सेंटरों में आग लग गई। मंत्रालय ने बताया कि इन तेल सुविधाओं और यूटिलिटी सेंटरों में कामकाज कुछ समय के लिए रोक दिया गया। दक्षिणी इलाके में तेल से जुड़ी कई बड़ी सुविधाएं हैं, जिनमें जाज़ान में मौजूद 4,00,000 बैरल प्रति दिन की क्षमता वाली तेल रिफाइनरी भी शामिल है, जो सऊदी अरब की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। इससे पहले हूथी विद्रोहियों ने आभा एयरपोर्ट पर भी हमला किया था। मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। अल-माल्की ने इन हमलों को हालात को गंभीर रूप से बिगाड़ने वाला और किंगडम की संप्रभुता का खुला उल्लंघन तथा वहाँ के नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बताया।

उन्होंने बदला लेने का संकल्प लेते हुए कहा कि सऊदी के नेतृत्व वाला गठबंधन पूरी दृढ़ता के साथ आतंकवादी हूथी मिलिशिया को रोकने के लिए सभी ज़रूरी ऑपरेशनल कदम उठाएगा। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली और कहा कि ये हमले यमन में विद्रोहियों पर सऊदी के हालिया हमलों के जवाब में किए गए थे। पहले से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो बयान में, विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने कहा कि उन्होंने दक्षिणी सऊदी अरब में तेल और आर्थिक ठिकानों के साथ-साथ एक एयर बेस पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे।

प्रिंस हैरी और मेगन के साथ आम नागरिकों जैसा होगा बर्ताव, बेटे और बहू के ब्रिटेन आने पर बोले किंग चार्ल्स

लंदन

अपने बेटे प्रिंस हैरी और बहू मेगन के अमेरिका से ब्रिटेन पहुंचने पर किंग चार्ल्स तृतीय ने सोमवार को कहा कि उनको शाही परिवार का कामकाजी सदस्य नहीं माना जाएगा। शाही परिवार में झगड़े की वजह से ये दोनों 2020 में ब्रिटेन छोड़कर चले गए थे और शाही जिम्मेदारियां त्याग दीं। फिर पिछले महीने हैरी और मेगन अपने दो छोटे बच्चों के साथ रहने के लिए यूके लौट आए।

चार्ल्स ने चिट्ठी में साफ कहा है कि इस जोड़े की स्थिति आम नागरिकों जैसी है और उन्हें रॉयल हाइनेस कहकर नहीं बुलाया जाना चाहिए। बता दें कि वर्किंग रॉयल्स शाही परिवार के वे सदस्य होते हैं जो राजा या रानी की तरफ से आधिकारिक काम करते हैं। ऐसा करने के लिए उन्हें शाही परिवार के कामकाज से जुड़ी व्यवस्था (रॉयल हाउसहोल्ड) से प्रशासनिक और दूसरी तरह की मदद मिलती है।

शाही परिवार के सबसे वरिष्ठ अधिकारी लॉर्ड चेम्बरलेन की ओर से जारी एक पत्र में कहा गया है कि प्रिंस और मेगन के दूसरी जगह बसने के बाद मार्गदर्शन के लिए

कई अनुरोध आए हैं। यह पत्र शक या उलझन से बचने में मदद करने के लिए जारी किया गया।

इसमें कहा गया है, यह सभी जानते हैं कि जनवरी 2020 में ड्यूक और डचेस ने शासक की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर निभाई जाने वाली जिम्मेदारियों से हटकर काम करना बंद कर दिया था और अब वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्य नहीं हैं। इसमें आगे कहा गया, यह भूमिका, कामकाजी शाही परिवार द्वारा निभाए जाने वाले सरकारी और शाही कर्तव्यों से अलग है। साथ ही इससे इस जोड़े को अपनी मर्जी के मुताबिक आर्थिक आजादी और अपनी निजता की सुरक्षा बनाए रखने की जो छूट मिलती है, उसका पूरा सम्मान किया जाता रहेगा।

खबरों के मुताबिक, हैरी और मेगन सेंट्रल इंग्लैंड के कॉट्सवोल्ड्स इलाके में रह रहे हैं और कहा जा रहा है कि उन्होंने आने वाले एकेडमिक ईयर के लिए अपने बच्चों का दाखिला वहां के प्राइवेट स्कूलों में कराया है। जब हैरी और उनकी पत्नी ने 2020 में शाही जिम्मेदारियां छोड़ दीं तो हैरी की दादी महारानी एलिजाबेथ ने उनसे रॉयल हाइनेस का खिताब, पुलिस सुरक्षा और सरकारी फंडिंग वापस ले ली। पत्र में आगे कहा गया, उनके लिए हिज और हर रॉयल हाइनेस जैसे सम्मानजनक संबोधन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। ड्यूक और डचेस का चैरिटी का काम उनके लिए एक निजी मामला है और वे इसे अपनी निजी हैसियत से करते हैं।

एआई से मानवता के अस्तित्व को खतरा : वोल्कर तुर्क

जिनेवा, (वार्ता/ स्पूतनिक)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकती है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। श्री तुर्क ने सोमवार को मानवाधिकार परिषद के 63वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैं उद्योग जगत के विशेषज्ञों की इस चिंता से सहमत हूं कि उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानवता के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है... मैं आज यहां यह आह्वान कर रहा हूं कि बहुत देर हो जाने से पहले एआई की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए और पुख्ता गारंटी लागू की जाए। उनके कार्यालय के हवाले से यह जानकारी दी गयी। श्री तुर्क ने कहा कि वह आने वाले दिनों में दुनिया की प्रमुख एआई विकास कंपनियों को इस संबंध में पत्र भेजेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल केवल कुछ लोगों के पास एआई पर लगभग असीमित शक्ति है। उन्होंने कहा, कम से कम, हमें उन देशों को, जहां एआई का विकास और संचालन हो रहा है तथा जो इसकी आपूर्ति श्रृंखला में शामिल हैं, तय की गयी सीमाओं को लेकर एक साथ आने की जरूरत है। इससे पहले दिसंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय ब्यूरो के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप शैलेकेन्स ने चेतावनी दी थी कि एआई का सैन्य इस्तेमाल मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकता है और बड़े पैमाने पर जनहानि का कारण बन सकता है। उन्होंने एआई के अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण नियमन की आवश्यकता पर जोर दिया था। जनवरी 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने भी अनियंत्रित एआई को जलवायु परिवर्तन और परमाणु हथियारों के साथ मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था।

जितना तेल चाहिए हम देंगे...भारत तो अपना 1 नंबर दोस्त, रूस ने ऐलान कर पूरा अमेरिका-यूरोप हिलाया

कीव

भारत और रूस की दोस्ती एक बार फिर दुनिया के केंद्र में है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टेरिफ की धमकियां। वहीं दूसरी तरफ रूस ने दिल्ली में ऐसा बयान दिया जिसने वाशिंगटन में खलबली मचा दी। दिल्ली में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोब ने साफ कह दिया कि भारत को जितने तेल की जरूरत है, रूस उतना तेल देने को तैयार है। उन्होंने अमेरिका के प्रेशर यानी दबाव की राजनीति पर कड़ा प्रहार किया। दरअसल, रूसी राजदूत डेनिस अलीपोब ने बहुत बड़ी बात कह दी। उन्होंने कहा कि रूस भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अलीपोप का कहना था कि रूस तेल की आपूर्ति बढ़ाने को भी तैयार

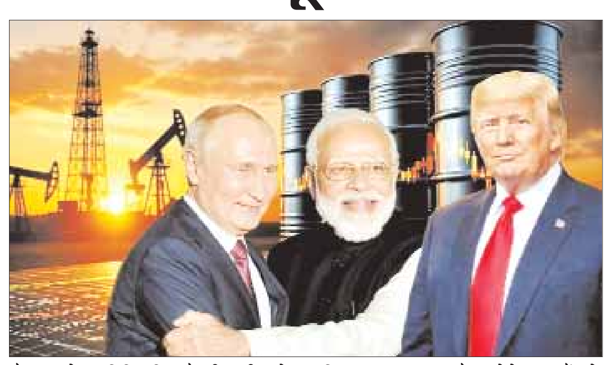

है। चाहे परिस्थिति कैसी भी हो लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात वो थी जो अमेरिका के बारे में कही गई। उन्होंने कहा कि जो देश भारत पर बैन और टेरिफ की बात कर रहे हैं वो असल में ईमानदार सहयोग के बजाय दबाव का रास्ता चुन रहे हैं। अमेरिका में एक ऐसा बिल पेश किया गया जो भारत समेत रूस से तेल खरीदने वाले टॉप पांच देशों को निशाना बनाता है। सेनेटर लैंडसे ग्राहम के समर्थन वाला बिल ट्रंप प्रशासन को अधिकार देता है कि वह उन देशों पर 100त्न तक टेरिफ लगा सकते हैं जो रूस से तेल या गैस खरीद रहे हैं। अमेरिका का तर्क है कि भारत रूस से तेल खरीद कर पुतिन की वॉर मशीन को पैसा दे रहा है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वह भारत जैसे देशों पर भारी शुल्क लगाएंगे जो अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करते हैं। अब रूसी राजदूत ने सिर्फ भारत को ऑफर नहीं दिया बल्कि दुनिया को चेतावनी दे दी। उन्होंने कहा कि दुनिया का एनर्जी मार्केट रूस के बिना नहीं चल सकता। अगर रूसी तेल को बाजार से बाहर करने की कोशिश की गई तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि रूस का मानना है कि भारत अपना हित देखना जानता है।

अलीपोब ने इसीलिए कहा कि भारत ने बार-बार दिखाया कि वो अपने नेशनल इंटरेस्ट यानी राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम है और किसी के दबाव में आकर फैसला नहीं लेता है। अब भारत का रुख भी जान लीजिए। भारत को रुख है राष्ट्र हित सर्वोपरि।

फ्रांस के रेनॉयर म्यूजियम में हुई चोरी, 98 करोड़ की कीमत वाली 4 बेशकीमती पेंटिंग्स लेकर उड़े चोर

पेरिस। फ्रांस के मशहूर रेनॉयर म्यूजियम में मंगलवार को दो चोरों ने सेंधमारी कर लगभग 98 करोड़ रुपये की चार बेशकीमती पेंटिंग्स चुरा लीं। इस चोरी ने फ्रांस के म्यूजियम्स की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ब्रायन मैसन ने बताया कि म्यूजियम से चोरी करने के बाद भागते हुए दोनों संदिग्धों को शहर के सीसीटीवी में देखा गया है। हड़बड़ी में भागते समय चोरों के हाथ से एक पेंटिंग वहीं गिर गई थी, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। बाकी तीन कलाकृतियां चोर अपने साथ ले जाने में कामयाब रहे। मेयर मैसन के अनुसार, म्यूजियम का सिक्योरिटी अलार्म सुबह ठीक 5:48 बजे बजा था। अलार्म बजते ही म्युनिसिपल पुलिस तुरंत हरकत में आई और महज 5 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गई। हालांकि, पुलिस के पहुंचने तक चोर वारदात को अंजाम देकर वहां से फरार हो चुके थे। यह म्यूजियम मशहूर फ्रांसीसी प्रभाववादी चित्रकार पियरे-अगस्टे रेनॉयर को समर्पित है। 1919 में उनके निधन से पहले यह उनका आखिरी घर था। बाद में साल 1960 में इस घर को एक म्यूजियम में बदल दिया गया था। यहां उनकी शानदार पेंटिंग्स के साथ-साथ उनके जीवन से जुड़ी निजी चीजें, जैसे उनका चित्रफलक और उनकी व्हीलचेयर भी रखी हुई हैं।

यह चोरी ऐसे समय में हुई है, जब एक साल से भी कम समय पहले पेरिस के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले लूवर म्यूजियम में दिनदहाड़े एक बड़ी डकैती हुई थी।

सामाजिक और राजनीतिक संगठनों पर लगे प्रतिबंध की नीति पर केंद्र पुनर्विचार करे:मीरवाइज जम्मू कश्मीर

श्रीनगर, (वार्ता)

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और कश्मीर के मुख्य मौलवी मीरवाइज उमर फारूक ने मंगलवार को केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर में सामाजिक और राजनीतिक संगठनों पर कथित प्रतिबंध लगाने की नीति पर दोबारा विचार करने की अपील करते हुए कहा है कि इस तरह के कड़े प्रतिबंध स्थानीय नागरिकों और संगठनों के लिए उत्पीड़न और डराने-धमकाने का जरिया नहीं बनने चाहिए। श्री मीरवाइज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमन बहाली और स्थिरता के लिए यह जरूरी है कि केंद्र सरकार जनभावनाओं और अपीलों को सुने तथा प्रतिबंधों की नीति पर फिर से विचार करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब ऐसे प्रतिबंधों को अदालतों में चुनौती दी जाती है, तो कानूनी प्रक्रिया को निष्पक्षता से चलने देना चाहिए और अधिकारियों को ऐसी किसी भी एकतरफा कार्रवाई से बचना चाहिए जो कानूनी उपायों को अर्थहीन बना दे। उन्होंने कुर्क की गई संपत्तियों और शैक्षणिक संस्थानों के संदर्भ में संयम बरतने तथा कानून एवं न्यायिक प्रक्रिया का पूरी तरह पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि वास्तविक जनसमर्थन वाली आवाजों को दरकिनार करके या उनकी जगह सुविधाजनक विकल्प खड़े करके कोई भी टिकाऊ राजनीतिक प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि वास्तविक सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव रखने वाले समूहों को स्थान दिया जाना चाहिए और उनके साथ बातचीत से जुड़ा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मीरवाइज का यह बयान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भी जमात-ए-इस्लामी नामक संगठन की संपत्तियों के मामले में सरकार से उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करने का आग्रह किया था।

वे जंगल गए हैं, नेपाल में 12 साल का बच्चा अभी भी कर रहा माता-पिता का इंतजार

काठमांडू। नेपाल में आई जल प्रलय ने तमाम जिंदगियां तबाह कर दीं। इन्हीं में से एक 12 साल का त्सेरिंग भी है। वह अपनी बड़ी बुआ और अपनी दादी के साथ रह रहा है लेकिन उसे वह बात नहीं पता जो बाकी लोग जानते हैं। वह उन सैकड़ों लोगों में से एक है जो 26 अगस्त को रसुवा में अचानक आई बाढ़ से अपने इलाके उजड़ जाने के बाद विस्थापित हो गए थे। त्सेरिंग की मां का नाम कम्मी था और पिता का नाम फुरसांग। वे दोनों अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन त्सेरिंग को यह बात नहीं बताई गई है। इसके बजाय, उसकी देखभाल करने वाले बड़ों ने उससे कहा है कि उसके माता-पिता जंगल में कहीं गए हैं। उनका कहना है कि रास्ते खराब हो गए हैं और उन्हें वापस आने में एक-दो साल लग सकते हैं। त्सेरिंग उनकी बात मान लेता है।

लखनऊ से अयोध्या तक समृद्धि, स्वावलंबन और सशक्तीकरण के संकल्प को मिलेगी गति: योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि लखनऊ से अयोध्या तक समृद्धि, स्वावलंबन और सशक्तीकरण के संकल्प को नई गति मिलेगी। लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय %यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026% के माध्यम से उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्रोद्योग केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कॉन्क्लेव में यूपी टेक्स मित्रा पोर्टल सहित बुनकरों के कल्याण, कौशल विकास, निवेश और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न योजनाओं की शुरुआत होगी। इन पहलों का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध वस्त्र परंपरा को आधुनिक तकनीक, निवेश और बाजार की संभावनाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग के विकास से बुनकरों और कारीगरों के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही प्रदेश को वैश्विक वस्त्रोद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री इसके बाद अयोध्या जाएंगे, जहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों और उत्कृष्ट अधीक्षिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान नव-नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

वेकेशन पर निकलीं एक्ट्रेस श्रद्धा, साझा की तस्वीरें

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस उनकी फिल्म 'ईठा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। मगर एक्ट्रेस अपने बिजी शेड्यूल से समय निकाल कर इन दिनों कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ छुट्टियों पर हैं। हाल ही में श्रद्धा ने सोशल मीडिया पर अपनी हॉलीडे फोटोज शेयर कीं।श्रद्धा कपूर इन दिनों राहुल मोदी के साथ हॉलीडे एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कई फोटोज शेयर किये। इसके साथ ही उन्होंने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, 'छोटी सी छुट्टी बनती है न खास बात यह है कि इन फोटोज में उनके साथ उनके कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी भी नजर आए। श्रद्धा अपने ट्रिप की फोटोज में काफी खुश दिखाई दीं। कई जगह उन्हें खाने का लुफ्त उठाते देखा गया। इसके साथ ही एक फोटो में राहुल मोदी एक किताब में मग्न देखे गए। श्रद्धा और राहुल की डेटिंग की खबरें 2024 में शुरू हुई थीं। पहली बार दोनों को साथ में मुंबई में डिनर डेट पर देखा गया था। जिसके बाद यह रूमर्ड कपल कई जगह साथ दिखे। इसके बाद श्रद्धा और राहुल ने कई इवेंट्स में साथ शिरकत की। हालांकि, दोनों की तरफ से रिश्ते पर अबतक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। काम की बात करें तो श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इसमें उनके साथ रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा श्रद्धा नागिन, स्त्री-3 में भी अभिनय कर रही हैं।

आशा भोसले के 93वें जन्मदिन पर रिलीज़ हुआ उनका आखिरी फ़िल्मी गाना ऐ मेरी ज़िंदगी

संगीतमयी दुनिया की महान गायिका दिवंगत आशा भोसले के 93वें जयंती/जन्मदिन के अवसर पर उनका आखिरी रिकॉर्डेड फ़िल्मी गाना ऐ मेरी ज़िंदगी आधिकारिक तौर पर रिलीज़ कर दिया गया है। 2023 के अंत में रिकॉर्ड किया गया यह भावुक कर देने वाला गाना हरीश व्यास के निर्देशन में बनी पिता-पुत्र के रिश्तों पर आधारित फ़िल्म ओम का हरि का हिस्सा है। अप्रैल 2026 में संगीत जगत की इस महान विभूति के निधन के बाद मेकर्स ने उनके जन्मदिन पर इस ऐतिहासिक गाने को यूट्यूब पर जारी कर प्रशंसकों को एक अनमोल तोहफ़ा दिया है। इसके म्यूज़िक वीडियो में महान गायिका को स्टूडियो में गाना रिकॉर्ड करते हुए और फ़िल्म के मेकर्स व एक्टर अंशुमान झा के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है।

यह वीडियो सिर्फ़ गाना लॉन्च करने के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें उस गाने को बनाने की प्रक्रिया (बिहाइंड-द-सीन्स) भी दिखाई गई है, जिसे भोसले का आखिरी रिकॉर्डेड फ़िल्मी गाना बताया जा रहा है। ऐ मेरी ज़िंदगी को राजीव सारंग ने कंपोज़ किया है और इसके बोल प्रदीप शर्मा खुसरो ने लिखे हैं। भोसले की आवाज़ ने सुनने वालों को भावुक भी कर दिया है।

वीडियो में आशा भोसले का एक क्लिप भी है जिसमें वह बताती हैं कि उन्होंने यह गाना रिकॉर्ड करने के लिए कैसे हामी भरी। उन्होंने कहा कि मेकर्स ने उनसे संपर्क किया और उन्हें गाना भेजा, जो उन्हें तुरंत पसंद आ गया। भोसले ने कहा, जब उन्होंने मुझे फ़ोन किया और कहा कि वे मुझे गाना भेज रहे हैं, तो मैंने उसे सुना और हाँ कह दिया। मैंने और कुछ नहीं पूछा। मुझे गाना बहुत पसंद आया गाना रिलीज़ होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने भावुक प्रतिक्रियाएँ दी हैं। एक फ़ैन ने लिखा, स्वर्ग से एक और अनमोल तोहफ़ा! जन्मदिन मुबारक हो। आप जहाँ भी हों, खुश रहें। वहीं दूसरे ने कमेंट किया, हमेशा कानों को सुकून देने वाला। उनकी बहुत याद आ रही है। कई अन्य लोगों ने गायिका को याद करते हुए हार्ट इमोजी और मैसेज शेयर किए।

आशा भोसले का निधन 12 अप्रैल, 2026 को 92 साल की उम्र में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में हुआ था। कार्डियक अरेस्ट के बाद कई अंगों के काम करना बंद कर देने (मल्टीपल ऑर्गन फ़ेलियर) के कारण उनका निधन हुआ। उनका आखिरी फ़िल्मी गाना अब हरीश व्यास द्वारा निर्देशित फ़िल्म ओम का हरि का हिस्सा बन गया है। इस फ़िल्म में अंशुमन झा और रघुबीर यादव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सोनी राज़दान, समता सुदीक्षा और आयशा कपूर अहम किरदारों में नज़र आएंगी।

फर्स्ट रे फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई ओम का हरि फ़िल्म पिता-बेटे के बीच की प्रतिद्वंद्विता पर आधारित है। ऐ मेरी ज़िंदगी गाना रिलीज़ हो चुका है और यह दर्शकों को 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में फ़िल्म के आने से पहले, एक फ़ीचर फ़िल्म में भोसले की आवाज़ सुनने का आखिरी मौका देता है।

बिग बॉस 20: डॉन घर में आ चुका है, शो में माही विज की एंट्री पर जय भानुशाली ने शेयर की पोस्ट

शो बिग बॉस 20 शुरू हो गया है। शो में इस सीजन एक्ट्रेस माही विज भी अपना जलवा बिखेर रही हैं। इसी बीच जय भानुशाली का अपनी पूर्व पत्नी के लिए किया गया पोस्ट चर्चाओं में आ गया है। जानिए क्या है पूरा मामला। जय भानुशाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माही विज की एंट्री का एक वीडियो शेयर कर उन्हें बिग बॉस का हिस्सा बनने पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- डॉन घर में आ चुका है। ऑल द बेस्ट। साथ ही उन्होंने माही विज को टैग भी किया। बिग बॉस 20 के प्रीमियर के दौरान जब उनसे जय भानुशाली से अलग होने की बात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इसपर बात करने से मना कर दिया और कहा, मुझे हमारे अलगाव पर बात नहीं करनी। ये काफी पर्सनल है और मैं इसे पर्सनल ही रखना चाहती हूं। मैं इसके बारे में कभी चर्चा नहीं करना चाहूंगी। माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। इसके बाद दोनों ने जनवरी 2026 को इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर अलग होने की जानकारी दी। करीब 15 साल की शादी और लंबे साथ के बाद कपल ने यह फैसला लिया।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सुनीं लोगों की समस्याएं

कैंसर पीड़ित बच्ची के उपचार के लिए मुंबई आने-जाने मिली 10 हजार रुपये की सहायता

समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

जनसुनवाई में प्राप्त 90 आवेदनों में से 19 आवेदनों का हुआ मौके पर निराकरण

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई में कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 19 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को तत्काल राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान श्रीधाम निवासी श्रीमती संतोष तिवारी ने अपनी बच्ची के कैंसर उपचार से जुड़ी समस्या कलेक्टर श्रीमती सिंह के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि उनकी बच्ची का उपचार टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से जारी है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उपचार के लिए मुंबई आने-जाने का खर्च जुटाना उनके लिए कठिन हो रहा था। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए रेडक्रास सोसायटी की ओर से मुंबई आने-जाने के यात्रा व्यय के लिए श्रीमती संतोष तिवारी को मौके पर ही 10 हजार रुपये का चैक प्रदान किया। इसके अलावा गाडरवारा निवासी मुन्ना कहार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सीएमओ गाडरवारा को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। वहीं आवेदक मुकेश श्रीवास्तव द्वारा कृषि भूमि से अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर तहसीलदार नरसिंहपुर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में नागरिकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एडीएम श्री अरविंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के सम्पादन के लिए जारी किया संशोधन आदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने पूर्व में जारी आदेश में जिले में पदस्थ तहसीलदार/ अधीक्षक भू-अभिलेख/ नायब तहसीलदार/ सहायक अधीक्षक भू- अभिलेख को तहसील के राजस्व न्यायालय एवं गैर न्यायालयीन कार्यों के सम्पादन के लिए पदस्थ किया गया था। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पूर्व में जारी आदेश को संशोधित करते हुए संशोधित आदेश जारी किया है। जारी संशोधित आदेश के मुताबिक नायब तहसीलदार बोहानी एवं नाबय तहसीलदार देवरी (सांईखेड़ा) वृत्त तहसील गाडरवारा में पदस्थ नायब तहसीलदार श्रीमती नीलम श्रीवास को अब प्रभारी तहसीलदार तेंदूखेड़ा, पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत नायब तहसीलदार श्री राहुल मेश्राम को नायब तहसीलदार बोहानी एवं सिहोर करपगांव वृत्त तहसील गाडरवारा, तहसीलदार गाडरवारा एवं नायब तहसीलदार सिहोरा करपगांव वृत्त के पद पर पदस्थ तहसीलदार सुश्री प्रियंका नेताम को अब तहसीलदार गाडरवारा और तहसीलदार सांईखेड़ा के पद पर पदस्थ तहसीलदार श्री इमरान मंसूरी को अब तहसीलदार सांईखेड़ा के साथ-साथ नायब तहसीलदार देवरी वृत्त पर नवीन पदस्थापना की है।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नरसिंहपुर में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस एक दिन के लिए शिक्षक बने बारहवीं के छात्र, संभाली कक्षाओं की कमान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। केंद्रीय विद्यालय में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण %छात्र बने शिक्षक% गतिविधि रही, जिसमें कक्षा बारहवीं के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने एक दिन के लिए शिक्षक की भूमिका निभाकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का संचालन किया। कार्यक्रम के तहत कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों को पूरे मनोयोग से पढ़ाया और अनुशासन बनाए रखा। उन्होंने न केवल विषय से जुड़े अध्यायों को रोचक तरीके से समझाया, बल्कि एक शिक्षक की दिनचर्या और जिम्मेदारियों को जमीनी स्तर पर अनुभव किया। कक्षा 12वीं (कॉमर्स) के छात्र शुभम राय ने भी इस अवसर पर शिक्षक की भूमिका का निर्वाह किया। अपने अनुभव को साझा करते हुए शुभम ने कहा कि एक दिन शिक्षक बनकर उन्हें यह गहराई से समझ आया कि समाज में शिक्षक का स्थान सर्वोपरि क्यों है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा और नैतिक मूल्यों के महत्व के प्रति जागरूक भी रखते हैं। कक्षाओं के सफल संचालन के पश्चात शुभम राय ने साथी छात्रों के साथ विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोद डब्लू पराते (प्रिंसिपल सर) जी से भेंट की। शुभम ने प्राचार्य जी के समक्ष अपने अनुभव साझा किए, उनके प्रति आभार व्यक्त किया और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। प्राचार्य महोदय ने सभी वरिष्ठ छात्रों के इस उत्साह, अनुशासन और प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मां नर्मदा परमार्थ समाज सेवी संस्था की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

विगत दिवस मां नर्मदा परमार्थ समाज सेवी संस्था की प्रदेश स्तरीय बैठक श्री आचार्य राजमहल गाडरवारा में महंत श्री बालकदास महाराज की उपस्थिति में संपन्न हुई द्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, अध्यक्षता के रूप में तपन भौमिक जी मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं संस्था के प्रदेश संरक्षक सदस्य, बैठक की शुरुआत में मां नर्मदा की पूजा अर्चना के साथ कन्याओं की पूजन की गई द्य कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में उपस्थित मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह स्वरूप मां नर्मदा की छायाचित्र भेंट किए गए द्य मां नर्मदा परमार्थ समाज सेवी संस्था के प्रदेश महामंत्री भैया जी रावत ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए संस्था के उद्देश्यों एवं बैठक के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हम सभी लोगों को मिलकर मां नर्मदा के उत्थान हेतु निरंतर प्रयास करना है । कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने संस्था के कार्यों

की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी लोग भी संस्था के साथ मिलकर मां नर्मदा को बचाने हेतु सतत प्रयास करेंगे द्य इस पुनीत कार्य में हमारी सरकार के द्वारा हर संभव मदद की जाएगी तथा आगामी समय में प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव के साथ आप सभी लोगों की बैठक संपन्न कराई जायेगी तथा उसमें जो भी निष्कर्ष निकलकर सामने आएंगे हम सभी लोग उनका पालन करते हुए मां नर्मदा के उत्थान हेतु कार्य करेंगे।

11 को ग्राम पंचायत दहलवाड़ा में छठवां जनसंवाद शिविर

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिले में प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर पहल की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार 11 सितम्बर को जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत दहलवाड़ा में छठवां जनसंवाद शिविर आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत अधिकारी निर्धारित ग्रामों में पहुंचकर फील्ड में रहेंगे और गांव-गांव भ्रमण कर आमजन से सीधा संवाद करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अधिकारियों द्वारा ग्राम आमगांव छोटा, वनखेड़ी, झांझनखेड़ा व दहलवाड़ा का क्षेत्र भ्रमण किया जाएगा।

लीनेस वीरांगना क्लब ने शिक्षकों को सम्मानित किया

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत।

लीनेस वीरांगना क्लब द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सूखा पासी(डांगीढ़ाना)दादा महाराज के पास प्राइमरी शाला में क्लब के पदाधिकारी गण व सदस्यगण पहुचें। शाला के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। लीनेस वीरांगना क्लब के एरिया आफिसर ली.रुप कला कटारे डायरेक्टर लीनेस अर्चना राय के मार्गदर्शन में अध्यक्ष ली. पूनम जैन की अध्यक्षता में सहायक प्रधान पाठक सचिन कुमार पाठक, शिक्षिका मंजरी उपाध्याय, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरण ठाकुर, सहायिका दुर्गा मेहरा आदि का सम्मान किया गया ।सभी को तिलक लगाकर सम्मान स्वरूप हरे भरे,पौधा

प्रदान करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और स्मृति चिन्ह भेंट किए गये,शिक्षक दिवस के अवसर पर स्मृति स्वरूप शाला परिसर में आम एवं जामुन के फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया,इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने शपथ ली की विद्यालय परिसर में वीरांगना क्लब व्दारा रोपित वृक्षों का संरक्षण हम सभी करेगें ,वही स्कूल के बच्चों को क्लब व्दारा स्कूल बेग वितरित किए गये , आँगन वाडी और प्राथमिक शाला के बच्चों एवं स्टाफ के साथ क्लब मेंबर ने स्वलपाहार किया ,स्टाफ के सभी कर्मचारी गण का भी क्लब मेंबर व्दारा स्वागत किया गया, इस अवसर पर माइक्रो चेयरपर्सन सविता महोबिया ने बच्चों को शिक्षक दिवस क्यों मनाते है बताया, सह-कोषाध्यक्ष रेनू नौरिया ने आभार प्रकट किया, उपाध्यक्ष पुष्पा साहू ने डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर अर्चना राय जो कि स्वयं रिटायर्ड शिक्षिका होने के नाते उनका भी तिलक लगाकर सम्मान किया व पौधा,स्मृति चिन्ह भेंट किया गया,क्लब सदस्य अनिता मेहरा ने सभी बच्चों को चाकलेट बांटी इसी अवसर पर ग्रामीणजन,बच्चों व स्टाफ जन ने शाला परिसर का अवलोकन कराया जो भवन जर्जर अवस्था में था बच्चों को बैठने के लिये भी असुविधाजनक है, क्लब व्दारा इस अवसर पर आश्वासन दिया गया कि इस ओर सरकार का ध्यानाकर्षण अवश्य कराएगें ।

युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर

21 सितम्बर को गाडरवारा में युवा संगम

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिला स्तरीय रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाराणा प्रताप महाविद्यालय गाडरवारा में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में 21 सितम्बर को प्रात-10-30 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि युवा संगम कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किए जाएंगे। विभागों के द्वारा शासन की स्वरोजगार मूलक योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियां आकर अभ्यर्थियों का चयन कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। जिले के विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोक्ता जिन्हें अपनी कम्पनी/ शोरूम एवं अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थाओं के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है, वह भी मेला स्थल पर अपना स्टाल लगाकर आवश्यकतानुसार चयन कर बेरोजगार युवक/ युवतियों को रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी श्री आरएस पाराशर के मोबाइल नंबर 9340938113 से सम्पर्क कर सकते हैं।

नाट्य प्रस्तुति 10 तारीख में

एक माह के प्रशिक्षण के बाद युवा रंगकर्मी दिखाएंगे अपनी अभिनय प्रतिभा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत रंगसरोकार नाट्य प्रसार समिति द्वारा आयोजित 30 दिवसीय नाट्य कार्यशाला अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कार्यशाला का समापन 10 सितंबर को प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई नाट्य प्रस्तुति पंचलाइट सार्वजनिक मंचन मंचन होगा ,, प्रस्तुति में प्रवेश पूर्णता नि:शुल्क होगा। लगभग एक माह तक चले इस गहन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को अभिनय, वाणी एवं उच्चारण, शरीर की अभिव्यक्ति, चरित्र निर्माण, रंगभाषा, दृश्य-संयोजन, मंच अनुशासन तथा रंगमंच की व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। यह प्रस्तुति केवल कार्यशाला का समापन नहीं, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों में रंगमंच की नई चेतना का उत्सव भी है। पहली बार अनेक युवा प्रतिभागी अपने सीखे हुए कौशल को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत करेंगे। आयोजन से स्थानीय रंगकर्मियों और कला प्रेमियों में विशेष उत्साह है।आयोजकों ने क्षेत्र के साहित्यकारों, शिक्षकों, पत्रकारों, रंगकर्मियों, विद्यार्थियों तथा कला-प्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 10 सितंबर को शाम 7 बजे ,, ऑडिटोरियम,शनि मंदिर के पास(ढोर बाजार) में आयोजित होने वाली नाट्य प्रस्तुति में उपस्थित होकर युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन करें तथा क्षेत्र में रंगमंच के विकास के इस महत्वपूर्ण प्रयास के साक्षी बनें।

शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

3 हजार शिक्षकों का हुआ सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी प्रांगण में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् भारत रत्न सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी की जयंती के पावन उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान समारोह 2026 का विशाल एवं भव्य आयोजन किया गया। यह गरिमामय आयोजन समाजसेवी जिनेश जैन द्वारा किया गया, जिसमें निजी एवं शासकीय क्षेत्र के लगभग 3 हजार शिक्षक-शिक्षिकाओं का तिलक, माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के तैलचित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना एवं सत्यम शिवम सुंदरम के मधुर गीत के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस मंच पर इतने सारे राष्ट्र निर्माताओं, शिक्षकों के बीच मेरी सहभागिता हो रही है, इससे मुझे सुखद आनंद

की अनुभूति हो रही है। शिक्षक केवल पुस्तक नहीं पढ़ाता, वह चरित्र गढ़ता है। नरसिंहपुर जिले से मेरा पारिवारिक और आत्मीय रिश्ता रहा है। जिनेश जैन द्वारा लगातार शिक्षकों का जो सम्मान किया जा रहा है, वह निश्चित ही अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। मेरा आग्रह है कि यह आयोजन इसी तरह अनवरत जारी रहे और मैं इस पुनीत कार्यक्रम से हमेशा जुड़ा रहूँ। विशिष्ट अतिथि बिहार से राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मैं स्वयं एक शिक्षक हूँ और मुझे इस बात पर गर्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षक की कोई परिभाषा नहीं हो सकती, शिक्षक तो वह है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। आज तकनीक का युग है, गूगल पर सारी जानकारी उपलब्ध है, लेकिन संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की कला केवल शिक्षक ही दे सकता है। शिक्षक का स्थान समाज में सबसे ऊँचा है।बकार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक सुनीता पटेल ने कहा कि गाडरवारा की धरती पर इतने बड़े पैमाने पर शिक्षकों का सम्मान होना गौरव की बात है। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि जीवन भर गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है।

प्रधान पाठक निलंबित

बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम ने शासकीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर उदासीनता पाए जाने पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बोंदारी, विकासखंड बिरसा के प्रभारी प्रधान पाठक कुमुद कावड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कावड़े का मूल पद माध्यमिक शिक्षक है। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट शकुंतला डामोर द्वारा 29 अगस्त 2026 को शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बोंदारी का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधान पाठक शाला में विलंब से उपस्थित पाए गए।

भाजपा ने आयोजित की जिला कार्यसमिति की बैठक एवं कार्यशाला

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा का सेवा संकल्प अभियान

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय कार्यसमिति बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला करेली स्थित डीएम पैलेस में आयोजित की गई इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल विधायक महेंद्र नागेश पूर्व जिला अध्यक्ष महंत पीतमपुरी गोस्वामी, मातवर सिंह पटेल जगमोहन मरैया जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा राजाराम कस्तवार राहुल कौरव की उपस्थिति में बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगीत वन्देमातरम से किया गया सर्वप्रथम दीपप्रजवलन कर मंचासिन अतिथियों का स्वागत किया गया इसके उपरांत पार्टी के जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मोत्सव पर पार्टी ने सेवा के विभिन्न कार्यों को करने का निश्चय किया है और हम सभी को इस कार्यक्रमों का आयोजन ज्यादा से ज्यादा आमजनों की सहभागिता के साथ करना है अंत्योदय की भावना के साथ हमे बूथ स्तर तक जाकर लोगों से संवाद ओर उन्हें योजनाओं की जानकारी देना है जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ प्राप्त हो सके इस के उपरांत जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी जिसमें आशीर्वाद का दीया,सेवा चित्र,सेवा स्मरण, आंगन का मिलन,कहानी बदलाव की,सेवा ज्योति यात्रा,बड़नगर से वाराणसी यात्रा,सेवा मेरा योगदान,सेवा सेतु अभियान,सेवा के रंग,जनसेवा महाकुंभ, एवं 25 साल 25 कहानियां आदि शामिल है इसके उपरांत पूर्व जिला अध्यक्ष महंत पीतमपुरी गोस्वामी ने ओरछा ने आयोजित प्रदेश कार्यसमिति में पारित मध्यप्रदेश के प्रस्ताव एवं नरसिंहपुर जिले के प्रस्ताव की विस्तृत जानकारी देते हुए उसका वृतांत बताया एवं उसके लिए जिला कार्यसमिति से समर्थन प्राप्त किया गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंत्योदय की भावना से बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के कल्याण हेतु कार्य किया है हमारी सभी योजनाएं प्रत्येक वर्ग के लिए है और सभी को इसका लाभ सामान रूप से मिल रहा है पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल कृषि कल्याण वर्ष एवं जल संरक्षण के विषय पर अपनी बात रखते हुए बताया कि देश के प्रधानमंत्री लगातार किसानों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे है किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी बिजली एवं उर्वरक उपलब्ध हो रहा है वर्तमान में किसानों को सिंचाई हेतु जिले में 5हजार करोड़ से ज्यादा का बैराज ओर 5 हजार करोड़ से अधिक लागत से बांध बन रहा है जिससे हमारे किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सकेगा इसके साथ ही जिले में सैकड़ों अमृत सरोवर बनाए गए है जो जलसंरक्षण की दिशा में अधिक महत्वपूर्ण है नरसिंहपुर जिले के जलसंरक्षण की प्रशंसा देश के प्रधानमंत्री ने भी की है विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने केंद्र एवं प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण इलाके में आज प्रत्येक गांव में सड़क है स्कूल है पंचायत भवन है सामुदायिक भवन है स्वस्थ केंद्र है जिनसे ग्रामीण लोग लाभान्वित है आयुष्मान भारत योजना हो या लड़की बहना योजना,किसान सम्मान निधि हो ऐसी कई योजनाएं है जिनका लाभ देश के लोगों को सीधा प्राप्त हो रहा है पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन की तारीफ करते हुए उनके ऐतिहासिक फैसलों पर प्रत्येक कार्यकर्ताओं को गर्व होना बताया राम मंदिर निर्माण हो या कश्मीर का मुद्दा सहित तीन तलाक जैसे मुद्दों पर सुलभता से निष्कर्ष निकालना बहुत है साहसिक कार्य बताया इसके साथ ही उन्होंने कहा कांग्रेस ने हमेशा ही राष्ट्रीय मुद्दों पर एकजुट होने की जगह प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है एक ओर भाजपा की सरकार थी जब हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई जी ने विपक्ष में होते हुए देश के राष्ट्रीय मुद्दों पर कांग्रेस का साथ निभाया लेकिन कांग्रेस यह बात कभी नहीं समझेगी उनका राजनीतिक पतन का कारण भी यही है देश की जनता सब जानती है अब इसे बरगलाया नहीं जा सकता मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का मंत्र देते हुए बताया कि देश लगातार विकास कर रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनैतिक कुशलता से आज हम विश्वगुरु की ओर अग्रसर है इसके उपरांत भारतीय जनता पार्टी के जिले के विभिन्न कार्यकर्ताओं के यहां दिवंगत हुए पुण्य आत्माओं ओर श्रंद्धाजलि अर्पित की गई उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि बैठक का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव ने एवं आभार जिला महामंत्री राजाराम कस्तवार ने किया उक्त बैठक में जिले के विधायक पूर्व विधायक जिला पदाधिकारी जिला कार्यकारिणी के सदस्य स्थाई सदस्य विशेष आमंत्रित सदस्य मंडल अध्यक्षगण मंडल महामंत्रीगण विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठो के सदस्य उपस्थित रहे बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कटनी-कैमोर मार्ग पर परिवहन विभाग का सघन जांच अभियान

13 स्कूल एवं 17 यात्री वाहनों की जांच, बिना फिटनेस और कर जमा न करने पर बस जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर कटनी के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले में यात्री एवं स्कूल वाहनों की सुरक्षा तथा वाहनों के नियमानुसार संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, दिनांक 08 सितंबर को अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल के नेतृत्व में कटनी-कैमोर मार्ग पर विशेष वाहन जांच अभियान संचालित किया गया। जांच अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम द्वारा मार्ग से गुजरने वाले स्कूल एवं यात्री वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों और आवश्यक सुरक्षा मानकों की जांच की गई। अभियान में कुल 13 स्कूल वाहनों एवं 17 यात्री वाहनों, इस प्रकार कुल 30 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान अधिकारियों द्वारा वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, कर भुगतान सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान एक यात्री बस क्रमांक एमपी20 जेड डब्लू1291 निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित होती नहीं पाई गई। जांच में उक्त बस का फिटनेस प्रमाण-पत्र नहीं होना पाया गया। इसके साथ ही बस का जून माह से कर जमा नहीं किया गया था। वाहन के दस्तावेजों में पाई गई इन गंभीर कमियों को देखते हुए परिवहन विभाग द्वारा बस के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल के निर्देश पर उक्त बस को थाना कुठला में जब्त कर सुरक्षित खड़ा कराया गया।

परिवहन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि बिना वैध फिटनेस एवं आवश्यक कर भुगतान के वाहन का संचालन नियमों के विपरीत है तथा ऐसे वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अभियान के दौरान स्कूल वाहनों पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों द्वारा स्कूल वाहनों में बच्चों की सुरक्षित यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जांच की गई। परिवहन विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले में संचालित सभी स्कूल एवं यात्री वाहन निर्धारित मानकों और नियमों का पालन करते हुए ही सड़कों पर संचालित हों, ताकि यात्रियों एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। संतोष पॉल ने वाहन संचालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा फिटनेस, परमिट, बीमा, कर एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन कर वाहन संचालन करने से न केवल कार्रवाई से बचा जा सकता है, बल्कि सड़क पर यात्रियों एवं अन्य राहगीरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि जिले के विभिन्न मार्गों पर इस प्रकार के जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से बिना फिटनेस, बिना परमिट, कर बकाया तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में संचालित वाहनों को जांच के दौरान चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करने के लिए बच्चों को तैयार करें शिक्षक : डॉ. आदित्य कुमार शर्मा

सायना इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक दिवस कार्यक्रम संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

सायना इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा, प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि ऋषि अरोरा, सायना किड्स स्कूल की प्रभारी डॉ. भारती शर्मा. हेडमास्टर डॉ. लोकेश दुबे, कमल सरेचा एवं प्राइमरी समन्वयक रीत मोंगा ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के तैल चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया । तदोपरान्त बारहवीं के बच्चों ने शिक्षकों के प्रतिनिधित्व कर रहे छात्रों ने गुरूकुल परंपरा को स्मरण कर शिक्षकों को उपहार भेंटकर आभार प्रदर्शित किया। इस सुअवसर पर प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि शिक्षक का पद एक गरिमामय पद है शिक्षक की दशा के अनुरूप ही बच्चों का भविष्य बनता और बिगड़ता है। भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करने के लिए बच्चों को तैयार करें तथा बच्चों के भविष्य निर्माण की भूमिका में शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। समय तेजी से बदल रहा है और इस परिर्वतन को हमें स्वीकार करना ही होगा लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में संस्कारों की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज निर्माता, राष्ट्र निर्माता के साथ ही हर जगह एक अमिट छाप छोड़ने वाला एक सक्रिय कार्यकर्ता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में शिक्षकों की महत्ता हेतु हिन्दी गायन, वैस्टर्न एवं इण्डिन डांस की प्रस्तुति से बच्चों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी कड़ी में प्रबंधन समिति द्वारा सभी शिक्षकों को उपहार दिया गया । इस पावन अवसर पर चेयरपर्सन डॉ. निधि पाठक, संजय सत्येन्द्र पाठक विधायक विजयराघवगढ़, पूर्व महापौर श्रीमती निर्मला सत्येन्द्र पाठक एवं समस्त स्टाफ अभिभावकों ने शुभकामनाएँ प्रेषित की। अंत में सुरूचि भोज के बाद बारहवीं की छात्रा अंजलि शर्मा ने आभार व्यक्त किया इसके साथ ही कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती बबीता बजाज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही वंदे मातरम् गायन से कार्यक्रम का समापन किया गया ।

विद्युत मंडल की लापरवाही से युवक की मौत

प्रशासन से 20 लाख मुआवजे की माँग : दिव्यांशु मिश्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)

कुठला थाना क्षेत्र के ग्राम घंघरी खुर्द में झूलते विद्युत तार की चपेट में आने से 40 वर्षीय सुंदर पटेल की दर्दनाक मौत के बाद मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिव्यांशु मिश्रा उनके घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मिश्रा ने कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही ने एक परिवार का सहारा छीन लिया। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से नीचे झूलते और जर्जर विद्युत तारों की शिकायतें की जा रही थीं, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि

पूरे कटनी जिले में जर्जर एवं गुणवत्ताविहीन विद्युत तार आम जनता की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। इसके बावजूद प्रदेश की भाजपा सरकार और उसका प्रशासन इन गंभीर समस्याओं पर आंखें मूंदे बैठा है। जब शिकायतों के बावजूद तार नहीं बदले जाते और उनकी चपेट में आकर लोगों की जान चली जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है। दिव्यांशु मिश्रा ने प्रशासन से मांग की कि मृतक के परिवार को 20 लाख का मुआवजा तत्काल दिया जाए, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए तथा पूरे कटनी जिले में विद्युत लाइनों की तत्काल जांच कर खतरनाक तारों को बदला जाए। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार केवल विकास के दावे करने के बजाय जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाए। भाजपा विधायक संदीप जयसवाल को पूरे क्षेत्र में फैली विद्युत समस्या को गंभीरतापूर्वक लेकर उन्हें हल कराना चाहिए, एक निर्दोष की जान चली गई है, अब सरकार को जवाब देना होगा और पीड़ित परिवार को न्याय देना होगा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल पांडे एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक उपस्थित रहे।

चेतनोदय तीर्थ की जमीन वापस लेने के आवेदन पर भड़का जैन समाज

कटनी (स्वतंत्रमत)। ससि कन्हैयालाल गिरधारी लाल औषधालय ट्रस्ट के तत्कालीन अध्यक्ष समाज सेवी ससि अभय कुमार जैन द्वारा सन् 1999 में दयोदय पशु सेवा केन्द्र गौशाला स्थापित करने हेतु 30 एकड़ भूमि रजिस्टर्ड दान पत्र एवं रजिस्टर्ड लीज डीड के माध्यम जैन समाज को दी गई थी इसी तरह परम पूज्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में सन् 2012 में ट्रस्ट के तत्कालीन ट्रस्टियों द्वारा जैन मंदिर, संत भवन, आहार निलय धर्मशाला बनाने हेतु 145 एकड़ जमीन दिग. जैन पंचायत महासभा समिति को संयुक्त रूप से हस्तांरित होकर सदा-सदैव को समर्पित की गई थी पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि ट्रस्टी कभी भी

इसे वापस नहीं लेगे। किन्तु जुलाई माह में ट्रस्ट द्वारा जमीन विक्रय हेतु जिला कलेक्टर कार्यालय में आवेदन लगाया गया है जिसकी भनक लगते ही सम्पूर्ण जैन समाज में आक्रोश व्याप्त हो गया। आज दिगम्बर जैन पंचायत महासभा, समिति चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र, अखिल भारतवर्षीय दिग. जैन महिला परिषद्, दिग. जैन सोशल ग्रुप मैन, जैन मिलन, दिग.जैन सोशल ग्रुप रायल, जिनाज्ञा परिवार, नवयुवक मण्डल, बालिका मण्डल, गुरूभक्त परिवार, पंचायत महासभा के अध्यक्ष संजय जैन, चेतनोदय अध्यक्ष अनुराग जैन ,सि प्रेमचंद प्रेमी, विजय कुमार विश्व, रमेश चंद भजनसागर विनय जैन निर्वतमान एसडीएम पंचम जैन, कैलाश सोगानी, मगन जैन, आकेत जैन, अंकुर जैन, पारस जैन, सुकमाल जैन, शैलेन्द जैन कंजे ,मनीष जैन बड्डे, शरद सरावगी, मिट्ठूलाल जैन, प्रमोद जैन कक्का, सुदीश जन पप्पू, राजकुमार, शैलू जैन, प्रकाश जैन पत्रकार, अभिनंदन जैन, पारस जैन, शरत जैन, आदि उपस्थित रहे।

बण्डा की घटना के बाद कटनी में आबकारी विभाग अलर्ट

कटनी (स्वतंत्रमत)

सागर जिले के बण्डा में जहरीली शराब की घटना के बाद कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग और अधिक सतर्कता और मुस्तैदी के साथ जिले की शासकीय मदिरा दुकानों की सघन जांच एवं सैंपलिंग की कार्रवाई जारी है। जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम ने बताया कि पिछले दो दिनों से आबकारी विभाग का अमला जिले की विभिन्न मदिरा दुकानों पर पहुंचकर अलग-अलग ब्रांड की मदिरा के नमूने एकत्र कर रहा है। इन नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच की यह कार्रवाई रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में भी जारी रखी गई, ताकि जिले में मदिरा की गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की आशंका की गुंजाइश न रहे। उन्होंने बताया कि एहतियाती कदम के तौर पर जिले में प्रचलित विभिन्न मदिरा ब्रांडों के नमूने एकत्र किए गए हैं। दुकानों के निरीक्षण, सैंपलिंग और गुणवत्ता

परीक्षण की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। विभाग द्वारा मदिरा की गुणवत्ता के साथ-साथ बिक्री व्यवस्था पर भी निगरानी रखी जा रही है। आबकारी विभाग ने बताया कि मदिरा की बोतलों पर अंकित क्यूआर कोड को स्कैन कर ग्राहक शराब से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। क्यूआर कोड के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग कंपनी का नाम, बिक्री वाले जिले का नाम तथा निर्माण की तारीख सहित अन्य विवरण की पुष्टि की जा सकती है। विभाग ने नागरिकों से मदिरा खरीदते समय बोतल पर अंकित क्यूआर कोड को स्कैन कर जानकारी सुनिश्चित करने की अपील की है। आबकारी विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल शासकीय मदिरा दुकानों से ही मदिरा क्रय करें। यदि किसी व्यक्ति को शराब के स्वाद में असामान्य परिवर्तन, किसी प्रकार की गंध, रंग में बदलाव अथवा मिलावट होने का संदेह प्रतीत होता है, तो स्वयं सेवन करने के बजाय इसकी सूचना तत्काल आबकारी विभाग को दें। शिकायत अथवा सूचना के लिए जिला आबकारी कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07622-231217 पर संपर्क किया जा सकता है।

कच्ची शराब के ठिकानों पर पहुंची, महुआ लाहन नष्ट

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन पर निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ की पुलिस टीम के द्वारा अपने थाना स्टाफ के साथ मिलकर ग्राम बरहटा गोइन्द्रा एवं नड़ेरी में बड़ी संख्या में महुआ और लहान को नष्ट करने की कार्रवाई की है। दिनांक 07.09.2026 को ग्राम बरहटा में पारधी डेरों, ग्राम गोइन्द्रा, नड़ेरा में बहेलिया के यहां रेड कार्यवाही करते हुये महुआ लाहन कीमती 100000 रूपया की नष्ट किया गया। इस दौरान ग्राम रोहनिया निवासी लक्ष्मण केवट पिता स्व. खिलाड़ी केवट उम्र 61 वर्ष द्वारा घटना स्थल ग्राम रोहनिया नई बस्ती तिरगड्डा के पास हांथ भट्टी निर्मित कच्ची महुआ शराब करीबन 05 लीटर जब्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई। निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़, उनि शैलेन्द्र सिंह, सउनि जगदीश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक श्यामदास कोअल, आरक्षक अंजनी झा, आरक्षक नीतेश सिंह, प्रधान आरक्षक वाहन चालक मज्जू कोल की सराहनीय भूमिका रही है।

कटनी ननि में आयोजित हुई साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई

महापौर ने नागरिकों की सुनीं समस्याएं, समयबद्ध निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम कार्यालय में साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में शहर के सभी वार्डों से आए नागरिक अपनी मूलभूत समस्याओं, शिकायतों और नागरिक सुविधाओं से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर पहुंचे। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने जनसुनवाई में आए प्रत्येक आवेदक से सीधा संवाद स्थापित किया, उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को तुरंत तलब कर प्रकरणों की बिंदुवार व वस्तुस्थिति आधारित समीक्षा की। नागरिकों ने मुख्य रूप से शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत, जलकर, आवास योजना के लाभ में आ रही समस्याओ, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा व पेंशन योजनाओं के लंबित प्रकरणों से अवगत कराया। महापौर ने आवेदनों को देखते ही

अधिकारियों से उनके लंबित रहने का कारण पूछा और तत्काल समाधान के मार्ग प्रशस्त किए। समय-सीमा और गुणवत्ता पर विशेष जोर, लापरवाही पर दी चेतावनी महापौर श्रीमती सूरी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों को किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रखा जाए, उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी और जायज समस्याओं के लिए बार-बार नगर निगम कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

पारदर्शिता और विश्वास का माध्यम बनी जनसुनवाई-महापौर ने रेखांकित किया कि जनसुनवाई केवल आवेदन जमा करने की औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि यह आम जनता और नगर निगम प्रशासन के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करने का एक सशक्त सेतु है। उन्होंने कहा कि शहर की प्रशासनिक व नागरिक व्यवस्थाओं को सुचारू, सुदृढ़ और पूरी तरह नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए यह सीधा संवाद अत्यंत प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के स्वास्थ्य, लोक निर्माण, जल प्रदाय, प्रकाश और समाज कल्याण विभाग के प्रमुखों सहित तकनीकी अधिकारी व अमला मौजूद रहा, जिन्हें प्राप्त प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सीधी जिम्मेदारी सौंपी गई।

लूट की वारदात के बाद फरियादी को भयभीत कर रिपोर्ट न करने देने के उद्देश्य से की गई बमबारी

पुलिस ने 48 घंटे के भीतर मुख्य आदतन आरोपी अर्जुन उर्फपुड़ी डुमार सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी अजाक शिवा पाठक के मार्गदर्शन में थाना रंगनाथ नगर पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी रंगनाथ नगर उनि सिद्धार्थ राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लूट एवं फरियादी को भयभीत करने के उद्देश्य से बमबारी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिनांक 06.09.2026 को फरियादी रामनिवास सिंह अपने घर की ओर पैदल जा रहा था। श्मसान भूमि बाउंड्री के पास गड्डा टोला क्षेत्र में पहुंचने पर अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार एवं उसके साथियों द्वारा फरियादी को रोककर गाली-गलौज की गई तथा शराब पीने के लिए पैसे की मांग की गई। फरियादी द्वारा पैसे देने से मना करने पर समीर वंशकार एवं उसके साथी द्वारा फरियादी की जेब से 2,800 रुपये निकाल लिए गए तथा उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई। इसी दौरान अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार द्वारा चाकू दिखाकर फरियादी को डराया-धमकाया गया तथा पुलिस में

रिपोर्ट करने पर जान से खत्म करने की धमकी दी गई। लूट की घटना के बाद आरोपियों द्वारा फरियादी को भयभीत कर पुलिस में रिपोर्ट न करने देने के उद्देश्य से उसके परिजनों के आसपास बमबारी कर दहशत फैलाने का प्रयास किया गया। दिनांक 06.09.2026 की शाम करीब 07:30 बजे जब फरियादी अपनी बड़ी मम्मी के घर के सामने खड़ा था, तभी अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार, समीर वंशकार एवं अन्य साथी वहां पहुंचे और घर के बाजू की दीवार की ओर सुअर बम फेंके। बम फटने की आवाज सुनकर फरियादी डर के कारण वहां से भाग गया। घटनास्थल पर बम फूटने का सामान भी मिला है। फरियादी द्वारा उक्त दोनों घटनाओं की रिपोर्ट थाना रंगनाथ नगर में करने पर दो प्रकरणों में क्रमशः धारा 296(बी), 119(1), 309(4), 351(2), 3(5) बीएनएसए 2023 के तहत एवं धारा 326(जी) बीएनएसए 2023 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दोनों घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए थाना रंगनाथ नगर पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश के लिए तत्काल टीम गठित कर लगातार दबिश दी गई। पुलिस टीम ने 48 घंटे के भीतर निम्न आरोपियों को गिरफ्तार किया। 1. अर्जुन उर्फपुड़ी डुमार, पिता स्व. चरण डुमार, उम्र 21 वर्ष, निवासी रामनिवास वार्ड, थाना रंगनाथ नगर, जिला कटनी। 2. सुमित रैकवार, पिता संजय रैकवार, उम्र 19 वर्ष, निवासी रामनिवास वार्ड, थाना रंगनाथ नगर, जिला कटनी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। एवं घटनाक्रम में शामिल अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार आदतन अपराधी है तथा उसके विरुद्ध जिला कटनी के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक संगीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस द्वारा आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी संकलित कर उसके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक सिद्धार्थ राय, सउनि बहादुर सिंह, सउनि विजेंद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक प्रमोद सिंह, प्रधान आरक्षक महेंद्र दुबे, प्रधान आरक्षक पवन पाठक, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी, आरक्षक वीरेंद्र दहायत, आरक्षक माधव साहू आदि की उपस्थिति रही।

भारतीय महिला टीम ने जापान को 7-0 से हराया

एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मोकी, (चीन)(वार्ता)।

मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में जापान को 7-0 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस शानदार जीत के साथ भारत ने एलीट ग्रुप में अपना परफेक्ट रिकॉर्ड बनाए रखा और अंतिम आठ टीमों के दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

कोरिया के खिलाफ़ 4-1 की जीत और फिर मलेशिया को 11-1 से हराने के बाद, भारत ने जापान के खिलाफ़ भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। यह मैच पूरी तरह से भारत के पक्ष में रहा। उन्होंने लगातार अंतराल पर गोल करके अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया। कृष्णा शर्मा ने पांचवें मिनट में खाता खोला, चार मिनट बाद सुप्रिया ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला और 14वें मिनट में पूर्णिमा यादव के गोल के साथ भारत ने पहले क्वार्टर में 3-0 की बढ़त बना ली।

दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ। जापान ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक इरादे के साथ वापसी का प्रयास किया। जबकि भारत अपनी बढ़त को और बढ़ाने के मौके तलाशता रहा। हालांकि, कोई भी टीम स्कोर में इजाफा नहीं कर सकी और भारत हाफ-टाइम ब्रेक में 3-0 की आरामदायक बढ़त के साथ गया। दूसरे क्वार्टर की तरह, जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी नए आक्रामक इरादे के साथ की और गोल करने की कोशिश की। लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति उन्हें विफल कर दिया। एक बार जब भारत ने अपनी गति बढ़ाई और पांच मिनट के भीतर तीन गोल किए, तो मौजूदा चैंपियन ने प्रतिद्वंद्वी की वापसी की सभी उम्मीदें खत्म कर दीं। गीता यादव ने 41वें और 45वें मिनट में दो गोल करके बढ़त को 5-0 कर दिया, और फिर अगले ही मिनट पूर्णिमा यादव ने एक और गोल किया। आखिरी क्वार्टर में, भारत ने जापानी डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और 50वें मिनट में सानिका चंद्रकांत के गोल के साथ एक शानदार जीत पक्की की।

तीन मैचों में नौ अंकों के साथ, भारत अभी एलीट पूल में शीर्ष पर है। पूल में शीर्ष स्थान तय करने के लिए वे कल अपने आखिरी लीग मैच में चीन (छह अंकों के साथ) का सामना करेंगे।

एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया

मोकी, (चीन) (वार्ता)। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में एक बार फिर शानदार खेल दिखाते हुए मैच के आखिरी पलों में तीन गोल दागकर दक्षिण कोरिया पर 7-3 से जीत दर्ज की। पहले तीन क्वार्टर में मुकाबला बराबरी का रहा और दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं, लेकिन चौथे क्वार्टर के आखिरी पलों में भारत ने तीन मिनट के भीतर किए गए तीन गोल दागकर कोरियाई टीम की उम्मीद खत्म कर दिया। इस जीत के साथ भारत के तीन मैचों में सात अंक (दो जीत और एक ड्रॉ) हो गए हैं और टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने के बहुत करीब पहुंच गई है। कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर भारत के लिए गोल करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने बेहतर शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने तुरंत जवाब दिया और अगले ही मिनट में दोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे

क्वार्टर में भी खेल का अंदाज वैसा ही रहा। 18वें मिनट में लवलीनूर सिंह ने फील्ड गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन अगले ही मिनट में दक्षिण कोरिया के ह्योगुक यू ने शॉर्ट कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। हमले में स्पष्ट बढ़त बनाए रखने के बाद, भारत ने हाफ-टाइम तक अपनी बढ़त बरकरार रखी; 20वें मिनट में अजीत यादव ने गोल करके टीम को बढ़त (3-2) दिलाई। खेल फिर से शुरू होने के बाद भी दक्षिण कोरिया ने हार नहीं मानी और भारतीय डिफेंस की लगातार परीक्षा लेती रही। यू ने एक बार फिर अटैक की कमान संभाली और तीसरे क्वार्टर के छठे मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबरी पर आ गई। जब मैच बराबरी की स्थिति में आखिरी क्वार्टर की ओर बढ़ रहा था, तभी भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। तीसरे क्वार्टर के आखिर में प्रभदीप सिंह ने गोल करके 42वें मिनट में भारत को 4-3 की बढ़त दिलाई और आखिरी 15 मिनट के लिए अपनी टीम को मोमेंटम दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच अटैक का सिलसिला जारी रहा, लेकिन भारतीयों ने लगातार दबाव बनाए रखा और आखिरकार कोरियाई डिफेंस को भेदते हुए सिर्फ़ तीन मिनट में तीन शानदार गोल किए। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत की बढ़त को और बढ़ाया, और उसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया।

कोको गॉफ ने इवा जोविक को हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

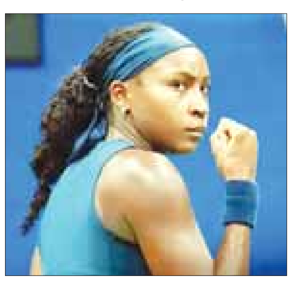

न्यूयॉर्क (वार्ता)।

अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हम वतन इवा जोविक को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। आर्थर ऐश स्टेडियम में सोमवार को एक घंटा 33 मिनट तक चले मुकाबले में गॉफ 'मैराथन दौड' वाले एहसास के साथ जोविक के खिलाफ एकल मुकाबले में 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में गॉफ का मुकाबला रूस की मीरा एड्रीवा से होगा। मुकाबले के दौरान गॉफ अपने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया। जोविक के शुरुआती गेम जीतने के बाद, गॉफ ने पहले सेट के आखिरी 13 में से 12 अंक जीते और प्रतिद्वंदी की सर्विस को तीन बार तोड़कर 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में जोविक ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंदी गॉफ के लिए कई मुश्किलें खड़ी कीं। गौफ ने पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक की, लेकिन 18 वर्षीय खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए सर्विस ब्रेक कर दिया। आखिर तक दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर जारी रही। 4-4 के स्कोर पर, गौफ ने एक बार फिर ब्रेक हासिल करने का मौका भुनाया और 6-4 से गेम के साथ मैच भी जीत लिया।

निलंबित रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तनमय बलोदा भारत अंडर-19 टीम में

मुम्बई (वार्ता)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि सौराष्ट्र के शीर्षक्रम के बल्लेबाज आर्यन सावसानी और हरियाणा के ऑलराउंडर बल्लेबाज तनमय बलोदा को क्रमशः आगामी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 सीरीज के लिए भारत अंडर-19 की वनडे और चार-दिवसीय टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को रोहित यादव की जगह टीम में जगह दी गई है। बंगाल के लेगस्पिनर रोहित यादव इस साल जुलाई में भारत अंडर-19 के श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे। उनको पिछले शुक्रवार उम्र संबंधी विसंगति के कारण दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। यह विसंगति तब सामने आई जब क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएब) ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया। इसके बाद रोहित को तुरंत अंडर-19 टीम से हटा दिया गया। आयु-वर्ग क्रिकेट में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके रोहित की उम्र में 27 महीने की विसंगति पाई गई है।

सीएबी ने इसी तरह की उम्र संबंधी विसंगतियों के कारण 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इनमें रवि कुमार भी शामिल हैं, जो भारत की 2022 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे और कैरेबियन में इंग्लैंड के खिलाफ फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज में लक्ष्य रायचंदानी भारत अंडर-19 टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि यशबर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। चार-दिवसीय मुकाबलों में दोनों की भूमिकाएं उलट जाएंगी। वनडे टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ भी शामिल हैं, जो क्रमशः भारत के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के पुत्र हैं। अन्वय द्रविड़ जुलाई में श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे और दूसरे वनडे में 87 रन बनाए थे। वह रजत बघेल के साथ टीम के दो विकेटकीपरों में से एक हैं। तीन वनडे मैच 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि चार-दिवसीय मुकाबले 27 से 30 सितंबर और 5 से 8 अक्तूबर तक होंगे। दूसरे चार-दिवसीय मैच को छोड़कर, जो अहमदाबाद में खेला जाएगा, सभी मुकाबले राजकोट में आयोजित होंगे।

शमी और मुकेश ने दक्षिण क्षेत्र को दिये झटके तिलक पर बड़ी पारी की जिम्मेदारी

चेन्नई (वार्ता)। मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार (दो-दो विकेट) के झटकों के बावजूद दक्षिण क्षेत्र ने कप्तान तिलक वर्मा (नाबाद 56) और देवदत्त पड्डिक्कल (62) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के तीसरे दिन मंगलवार को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ छह विकेट पर 242 रनों का स्कोर बना लिया है। हालांकि दक्षिण क्षेत्र अभी भी पूर्वी क्षेत्र के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 466 रनों से पीछे है। आज यहां बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण क्षेत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज रिकी भुई (एक) रन का विकेट गवां दिया। भुई को मुकेश कुमार ने आउट किया। इसके बाद देवदत्त पड्डिक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री अगस्त में 52.9 प्रतिशत बढ़ी

बाजार हिस्सेदारी 12.3 प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली (वार्ता)।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री इस साल अगस्त में 52.9 प्रतिशत बढ़कर 2,98,448 इकाई पर पहुंच गयी जो अगस्त की बिक्री का नया रिकॉर्ड है। घरेलू वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि ईवी की चारों श्रेणियों - यात्री वाहन, दुपहिया, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहन - में अगस्त माह की बिक्री के पिछले सारे रिकॉर्ड टूट गये हैं। वाहनों की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी एक साल पहले के 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.3 प्रतिशत हो गयी। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 51.89 फीसदी की वृद्धि के साथ अगस्त में 30,696 इकाई दर्ज की गयी। महीने के दौरान देश में बिके कुल यात्री वाहनों की हिस्सेदारी 7.6 प्रतिशत रही। पिछले साल अगस्त में यह 5.8 प्रतिशत पर थी। इस श्रेणी में टाटा मोटर्स का वर्चस्व कायम रहा। 13,158 वाहनों के साथ वह पहले स्थान पर रही। इसके बाद क्रमशः महिंद्रा एंड महिंद्रा (13,158) और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया (4,622) का स्थान रहा। इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री अगस्त में 1,83,204 इकाई रही। यह एक साल पहले के मुकाबले 67.05 प्रतिशत अधिक है। कुल दुपहिया में ईवी की हिस्सेदारी पिछले साल अगस्त के 7.7 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गयी। दुपहिया के ईवी खंड में टीवीएस मोटर कंपनी 48,938 इकाई के साथ पहले स्थान पर बनी रही। उसकी बिक्री सालाना 90.82 फीसदी बढ़ी है। बजाज ऑटो की बिक्री 235.73 प्रतिशत बढ़कर 41,114 इकाई पर पहुंच गयी। एथर एनर्जी ने महीने के दौरान 28,757 ईवी बेचे जो 49.70 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। तिपहिया की बिक्री अगस्त में 25.28 प्रतिशत बढ़कर 79,846 इकाई हो गयी। तिपहिया के कुल बाजार में इसकी हिस्सेदारी 56.6 प्रतिशत से बढ़कर 65.3 फीसदी हो गयी। इस श्रेणी में बजाज ऑटो दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच गयी है। उसकी बिक्री 117.19 प्रतिशत बढ़कर 13,833 इकाई हो गयी। महिंद्रा समूह 12,819 इकाई की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया। उसकी बिक्री 45.04 फीसदी बढ़ी है। टीवीएस मोटर कंपनी की बिक्री 93.64 प्रतिशत बढ़कर 4,415 इकाई पर रही। अगस्त में देश में 4,702 इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन बिके। इसमें सालाना आधार पर 188 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वाणिज्यिक वाहन में ईवी की बाजार हिस्सेदारी एक साल पहले के 2.06 प्रतिशत से बढ़कर 5.18 प्रतिशत हो गयी। इस श्रेणी में 1,416 इकाई के साथ टाटा मोटर्स पहले स्थान पर बनी रही। उसकी बिक्री 216 प्रतिशत बढ़ी है। यूलर मोटर्स की बिक्री 961 प्रतिशत बढ़कर 849 इकाई और सानी हैवी इंडस्ट्री इंडिया की एक से बढ़कर 605 हो गयी। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि भले ही वाहनों की कुल खुदरा बिक्री पिछले साल के त्योहारी सीजन के उच्चतम स्तर से काफी नीचे है, फिर भी ईवी की हर श्रेणी पिछले नौ महीनों में बने रिकॉर्ड के बहुत करीब बनी हुई है।

घर पर बनी मांसाहार थाली अगस्त में पांच प्रतिशत महंगी शाकाहार थाली की लागत एक फीसदी बढ़ीः रिपोर्ट

मुंबई (वार्ता)। प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस के दाम बढ़ने से अगस्त में घर पर बनी मांसाहार थाली की लागत सालाना आधार पर पांच प्रतिशत और शाकाहार थाली की एक प्रतिशत बढ़ गयी। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल की मासिक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2026 में घर पर मांसाहार खाने की थाली तैयार करने की लागत 57.50 रुपये और शाकाहार थाली की लागत 29.50 रुपये रही। पिछले साल अगस्त में इनकी लागत क्रमशः 54.60 रुपये और 29.10 रुपये थी। वहीं, इस साल जुलाई में मांसाहार थाली की कीमत 58.30 रुपये और शाकाहार थाली की 29.10 रुपये रही थी।

शाकाहार थाली में रोटी, सब्जी, चावल, दाल, दही और सलाद की लागत को गिना जाता है। मांसाहार थाली में दाल की जगह चिकन को रखा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अगस्त में प्याज की कीमत 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। अगस्त 2025 में यह 28 रुपये प्रति किलोग्राम थी। महाराष्ट्र में मार्च-अप्रैल में असमय बारिश और ओलावृष्टि से फसल को नुकसान होने के कारण दाम तेजी से बढ़े। रबी की फसल में पांच-छह फीसदी की गिरावट से उपलब्धता और कम हो गयी है। पश्चिम एशिया संकट के कारण खाद्य तेलों की कीमत सालाना 11 प्रतिशत और रसोई गैस सिलेंडर की 10 प्रतिशत बढ़ी है। आलू और टमाटर के दाम घटने से कुछ हद तक प्रभाव कम रहा।

चीनी, चावल नरम, गेहूं मजबूत दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी का भाव टूट गया। चीनी के साथ चावल में भी नरमी रही। वहीं, गेहूं की कीमत बढ़ गयी जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 44 रुपये घटकर 5,566 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 15 रुपये की नरमी के साथ 5,969 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 56 पैसे घटकर 60.53 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये टूटकर 4,146 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं छह रुपये महंगा हुआ और 2,859 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी छह रुपये बढ़ गया। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 20 रुपये और उड़द दाल की 11 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। मूंग दाल चार रुपये सस्ती हुई। वहीं, तुअर दाल नौ रुपये और चना दाल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई रही।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से लुढ़के शेयर बाजार

सेंसेक्स करीब तीन महीने के निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल में तेजी से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन बिकवाली रही जिससे बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगभग तीन महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 162 अंक की गिरावट में 75,970 अंक पर खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। कारोबार की समाप्ति पर यह 555.23 अंक (0.73 प्रतिशत) उतरकर 75,577.58 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 144.05 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूटकर 23,635.10 अंक पर आ गया। दोनों प्रमुख सूचकांकों का यह 12 जून के बाद का निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इससे कच्चे तेल में तेजी रही।

लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल डेढ़ फीसदी से अधिक की बढ़त में 98.50 डॉलर प्रति बैरल के पार है। इससे विदेशी बाजारों के साथ घरेलू बाजारों में भी निवेश धारणा कमजोर हुई है। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में अधिकांश सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.23 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त में रहा। एनएसई में जिन 3,648 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 1,833 के शेयरों में गिरावट और 1,710 में तेजी रही।

अन्य 105 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेक्टर आधारित सूचकांकों में बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस, सीमेंट, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और आईटी समूहों में बिकवाली हावी रही। मीडिया, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर गिर गये। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर दो प्रतिशत लुढ़क गया। एक्सिस बैंक में 1.72 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.23, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.20, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.16, एचडीएफसी बैंक में 1.11, सन फार्मा में 0.98 और मारुति सुजुकी में 0.96 प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एलएंडटी, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड और इंफोसिस के शेयर भी नीचे बंद हुए। मुनाफा कमाने वालों में बीईएल का शेयर 1.48 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 1.06 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हिंदुस्तान यूनीलिवर और इंडिगो के शेयर भी मजबूत बंद हुए।

बंधन बैंक ने शुरू किया क्रेडिट कार्ड का काम

मुंबई (वार्ता)। बंधन बैंक ने सोमवार को मास्टरकार्ड के सहयोग से चार कार्ड के साथ अपना क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो शुरू करने की घोषणा की। इनमें अलग अलग तरह के ग्राहकों के लिए स्पार्क, इग्नाइट , फ्लेयर और ल्यूमिना नाम के कार्ड पेश किये गये हैं। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह बैंक की ग्राहकों को नवोन्मेषी और समावेशी वित्तीय समाधान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये नाम बंधन बैंक के लोगो में दिखाई देने वाली शाश्वत लौ से प्रेरित, हैं। बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य अधिशासी अधिकारी पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता और मास्टरकार्ड के भारत एवं दक्षिण एशिया बाजार के प्रेसिडेंटगौतम अग्रवाल की उपस्थिति में यहां एक समारोह में ये कार्ड प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर बैंक और मास्टरकार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

हमारी ज्ञान परंपरा में व्यावहारिकता गहनता और जीवन का दर्शन : पटेल

राज्यपाल भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में निजी विश्वविद्यालयों के योगदान विषय पर आयोजित कार्यशाला में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रकृति पूजक है। ब्रह्माण्ड के सूर्य, चन्द्रमा, ग्रह, नक्षत्र हमारी जीवन संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रकृति के पांचों तत्व वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी और नभ हमारी दैनिक दिनचर्या में शामिल है। यह महान ज्ञान परंपरा अनंत काल से शाश्वत है। इसमें व्यावहारिकता, गहनता और जीवन का गूढ़ दर्शन है। जरूरी है कि इस अद्भुत और गौरवशाली परंपरा को वर्तमान और भावी पीढ़ी तक सार्थक रूप से पहुंचाया जाए। आयोजक इस दिशा में बेहतर पारस्परिक समन्वय के साथ चिंतन करें, शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दें। भारतीय ज्ञान परंपरा का निरंतर समृद्धता में योगदान करें। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग और निजी विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने की निजी विश्वविद्यालयों के माध्यम से की गई पहल के लिए आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। कुशाभाऊ सभागार में आयोजित कार्यशाला का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में निजी विश्वविद्यालयों के योगदान विषय पर किया गया था। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर परमार भी मौजूद थे।

विकसित भारत के लिए सक्षम और सामर्थ्यवान पीढ़ी तैयार करें

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का महान स्त्रोत हमारी वैदिक, पौराणिक और प्राचीन संस्कृति है। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ, ज्ञान, विज्ञान और संस्कार के अद्भुत भंडार है। इन ग्रंथों के प्रत्येक पात्र प्रेम, आदर, त्याग, स्वाभिमान, सम्मान और नैतिकता के आदर्श प्रतीक है। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की है कि हमारी परंपरा और उसके ज्ञान तत्वों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की जिम्मेदारी स्वीकारें। विद्यार्थियों को समाज के गरीब, पिछड़े, वंचित और कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाएं। उन्हें विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्षम और सामर्थ्यवान बनाएं। उन्होंने कहा कि आयोजक नियमित रूप से ऐसे आयोजनों की समीक्षा के द्वारा भविष्य की चुनौतियों और उनके समाधान के प्रयास करें।

वही विद्या सार्थक, जो अज्ञान, भय और बंधन से करें मुक्त

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारी गुरु शिष्य परंपरा में शिक्षा केवल पाठ याद करना नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन, आत्म निर्भरता और कर्तव्य बोध का विकास करना था। भारतीय ज्ञान परंपरा का गौरव, ऐसी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस सोच में है, जिसने ज्ञान को मानव और समाज के हित से जोड़ा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा की सार्थकता मनुष्य को अज्ञान, भय और बंधन से मुक्त करना और सब सुखी हो के लिए कार्य करना बताया है।

हमारी ज्ञान परंपरा में मानव कल्याण का महान ध्येय

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारत केवल एक प्राचीन देश नहीं, ऐसी महान ज्ञान सभ्यता है, जिसका लक्ष्य सत्य, जीवन और लोक का कल्याण था। हमारी ज्ञान परंपरा में शिक्षा केवल सूचना पाना नहीं, बल्कि जीवन को समझकर मानवता के कल्याण के लिए सत्य की खोज करना था। उन्होंने कहा कि उपनिषदों में हमारी ज्ञान परंपरा की जिज्ञासा, वेदों में प्रकृति और ब्रह्मांड के प्रति सम्मान तथा हमारे दर्शन में जीवन के गहरे सवालों के चिंतन की महान विरासत मिलती है। चरक और सुश्रुत ने मानव स्वास्थ्य और चिकित्सा को व्यवस्थित ज्ञान के रूप में विकसित किया। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में शासन, अर्थनीति, कूटनीति और समाज व्यवस्था पर गहरा चिंतन मिलता है, जिसकी प्रासंगिकता सर्वकालिक है।

डॉ. यादव ने शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन से की भेंट, एमपी में बड़े निवेश की संभावना

मुख्यमंत्री ने शारजाह के प्रतिनिधिमंडल को जीआईएस 2027 के लिए किया आमंत्रित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग (एआईएम कांग्रेस-2026) के दौरान शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं एक्सपो सेंटर के चेयरमैन अब्दल्ला सुल्तान अल ओवैस से सौजन्य भेंट की। बैठक में मध्यप्रदेश और शारजाह के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री ओवैस को अगले साल होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2027) में सहभागिता के लिये मध्यप्रदेश आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारजाह चैंबर के साथ एक सुव्यवस्थित और रणनीतिक आर्थिक साझेदारी विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने चेयरमैन श्री ओवैस से मध्यप्रदेश में एक उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का आग्रह किया। साथ ही, दोनों क्षेत्रों के उद्यमियों के बीच सेक्टर-आधारित बी-2-बी बैठकों के आयोजन हेतु मध्यप्रदेश-शारजाह बिजनेस फोरम का प्रस्ताव भी रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के एमएसएमई और निर्यातकों को खाड़ी देशों के प्रमुख खरीदारों व वितरकों से जोड़ने के लिए शारजाह चैंबर से सहयोग का आह्वान किया। बैठक में शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी रणनीतिक केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, प्रतिस्पर्धी लागत, विशाल औद्योगिक लैंड बैंक, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और देश के बड़े बाजारों से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी के साथ देश का प्रमुख निवेश केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी नीतियों, त्वरित सिंगल-विंडो सिस्टम और उद्योग-अनुकूल वातावरण के माध्यम से निवेशकों को संपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। शारजाह का विस्तृत व्यापारिक नेटवर्क और कनेक्टिविटी मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पादों के निर्यात, कौशल संवर्धन, रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में मील का पत्थर सिद्ध होगी। शारजाह-भारत के व्यापारिक संबंधों को भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी और सीईपीए का समर्थन प्राप्त है। चैंबर ने भारत में मुंबई सहित, ट्रेड मिशन और बिज़नेस फोरम आयोजित किए हैं। इनमें मैन्युफैक्चरिंग, टेक्सटाइल, ज्वेलरी, एसएमई, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, फूड इंडस्ट्रीज़, टूरिज्म और रियल एस्टेट शामिल हैं। गौरतलब है कि अब्दल्ला सुल्तान अल ओवैस मई 2014 से शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और एक्सपो सेंटर शारजाह के चेयरमैन हैं।

उचित उपयोग एवं साफ सफाई हेतु आज दोपहर 12 बजे खोला जायेगा सील बंद कमरा

दमोह (स्वतंत्र मत)। मानस भवन के सील बंद कमरे को खोले जाने के संबंध में कलेक्टर को मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने पत्र लिखकर सील बंद कमरे को वीडियोग्राफी पंचनामा के साथ खोले जाने की अनुमति एवं गठित समिति के सदस्यों को निर्देशित करने का आग्रह किया है। उक्त सील बंद कमरे के उचित उपयोग एवं उसकी साफ सफाई हेतु खोले जाने की कार्यवाही आज 9 सितम्बर को दोपहर 12 बजे नियत की गई है। पत्र में लिखा है कि मानस भवन के मुख्य द्वार के अंदर दाहिने तरफ के दूसरे नम्बर का कमरा विगत अनेक वर्षो से सील बंद है जिस कारण से इसका उपयोग एवं सफाई एवं साफाई कार्य नहीं हो पा रहा है। मानस भवन के संचालन देखरेख एवं रखरखाव हेतु निगरानी समिति का गठन किया गया जिसमें कलेक्टर अध्यक्ष मनोनीत है।

पंजाबी महिला विकास समिति ने किया शिक्षकों का सम्मान

दमोह (स्वतंत्र मत)। पंजाबी महिला विकास समिति दमोह द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शहर के जाने माने एवं उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करना एवं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना रहा। इस अवसर पर समिति द्वारा इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं के निर्माण की पहल करते हुए गणेश

उत्सव का एक शुभ संदेश भी दिया गया साथ ही समिति की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण की दिशा में सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम में पूनम छाबड़ा एवं प्रीति सलूजा द्वारा गणमन शिक्षकों का सम्मान किया गया वहीं अनीता वाधवा रूबी खनूजा एवं पूनम ग्रोवर के मार्गदर्शन में मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति की चेयरपर्सन डॉक्टर रितु दुआ अध्यक्ष सोनिया अरोड़ा सेक्रेटरी शुची अरोरा के साथ ही अन्य सदस्य मनमीत अजमानी, नीतू गांधी, मोनी गांधी, काजल जुनेजा श्वेता सरीन, शिल्पा, मंजू मोंगिया सहित समिति के अन्य सदस्यों की भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ.साथ पर्यावरण संरक्षण और इको फ्रेंडली गणेश उत्सव का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। समिति के इस आयोजन की उपस्थित जनों ने सराहना की।

बिजली बकायादारों पर विद्युत विभाग का शिकंजा

62 कनेक्शन काटे
5 ट्रांसफार्मर बंद

पथरिया (स्वतंत्र मत)। विद्युत बिलों की बकाया राशि की वसूली और बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने पथरिया उपसंभाग क्षेत्र में अभियान तेज कर दिया है। अधीक्षण अभियंता अमित कुमार चौहान के मार्गदर्शन एवं उत्तर संभाग दमोह के कार्यपालन अभियंता बीपी पटेल के निर्देशन में अधिकारियों की अलग-अलग टीमें गठित कर बकायादार उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत पथरिया ग्रामीण वितरण केंद्र क्षेत्र में बकाया बिजली बिल वाले 62 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे गए जबकि बकाया राशि अधिक होने पर 5 ट्रांसफॉर्मर भी बंद कराए गए। विभाग की कार्रवाई से बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

जनसुनवाई में 277 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 व्यारमा में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 277 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 20 आधार अपडेशन एवं 120 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवेदन भी दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर संजय दुबे, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर रानी अहिरवार, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

संत रविदास जयंती पर बनवार में निकली कलश वंदन यात्रा

राज्यमंत्री लोधी ने किया कलश स्थापना एवं माल्यार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत ग्राम बनवार में कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया गया। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने यात्रा में सहभागिता करते हुए संत रविदास मंदिर में पवित्र कलश की स्थापना की। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संत रविदास महाराज की गौरवगाथा जन.जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से संत रविदास जी की जन्मस्थली काशी से लाई गई पवित्र मिट्टी को विधानसभा सहित प्रदेश के विभिन्न मंदिरों में कलश के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा संत रविदास महाराज के जीवनए विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को घर-घर, गांव-गांव और नगर-नगर तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली जा रही है। विधानसभा जबेरा में जहां-जहां संत रविदास के मंदिर हैं, वहां उनकी जन्मभूमि की पवित्र मिट्टी पहुंचाकर कलश स्थापना की जाएगी। श्रद्धालु इस पवित्र मिट्टी का पूजन एवं वंदन कर स्वयं को धन्य महसूस करेंगे। श्री लोधी ने कहा कि विधानसभा जबेरा में कुल 15 गांवों को चिन्हित किया गया है, जहां संत रविदास जी के मंदिर स्थित हैं। इन सभी स्थानों को यात्रा के माध्यम से जोड़ा जाएगा और जन्मभूमि की पवित्र मिट्टी मंदिरों तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ 7 सितंबर से हुआ है जो 11 सितंबर तक चलेगी। प्रथम दिवस विधानसभा जबेरा के ग्राम घटेरा, बनवार, लरगुवां, परस्वाहा, खमरिया, पटना मानगढ़, रौड़, मझगुवां मानगढ़, बम्हौरी, सिमरी, चौपरा, घाना जबेरा सहित निर्धारित ग्रामों में यात्रा निकली।

उपभोक्ता संघ के माध्यम से मिलेगा ग्लूटेन फ्री गेहूं बीज : विश्वास सारंग

राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं वितरण संघ के संचालक मंडल की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता संघ के माध्यम से ग्लूटेन फ्री गेहूं बीज उपलब्ध कराया जाए। मंत्री श्री सारंग मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित के संचालक मंडल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में बीज संघ मुख्यालय के कार्यालय के लिए अन्यत्र स्थान पर भवन लेने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि 6 माह के अंदर बीज संघ का नया ऑफिस हो, इसके लिए औपचारिक प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए।

बीज संघ बिजनेस मॉड्यूल पर काम करें

मंत्री श्री सारंग ने संघ की वित्तीय गतिविधियों के आकलन के लिए, आउटसोर्स से चार्टर्ड अकाउंटेंट की सेवाएं लेने को भी कहा। उन्होंने संघ के बायलॉज को समिति बनाकर रिव्यू करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बीज संघ बिजनेस मॉड्यूल पर काम करें। बीज संघ व्यावसायिक सोच के साथ आगे बढ़े, इसके लिए आकर्षित करने वाला प्लान तैयार करें। उन्होंने संघ की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी एक्टिविटी करने के लिए एजेंसी हायर करने के निर्देश दिए।

नवीन क्षेत्रों में व्यवसाय विकसित करने के लिए निर्देशित

बैठक मे प्रबंध संचालक एम.के. दीक्षित द्वारा विन्दुवार विषयों को प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान हाइब्रिड मक्का एवं उद्यानिकी (सब्जी) बीज तथा ग्लूटेन फ्री गेहूं के बीज उत्पादन, विपणन एवं निजी क्षेत्र की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत कीमत पर उपलब्ध कराने के संबंध में संचालक मण्डल को अवगत कराया गया। संचालक मण्डल द्वारा उक्त कार्य की सराहना करते हुए और अधिक हाईब्रिड फसलों के उत्पादन कार्यक्रम लेने, ग्लूटेन फ्री गेहूं एवं सब्जी बीज के विक्रय के लिये उपभोक्ता सहकारी संघ एवं अन्य संस्थानों से एमओयू निष्पादित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान मंत्री श्री सारंग द्वारा बीज संघ के नवीन क्षेत्रों में व्यवसाय विकसित करने के लिए निर्देशित किया गया।

कर्मचारियों के हित मे भी विभिन्न निर्णय लिये गये

बीज संघ के व्यवसाय विविधीकरण के लिए व्यवसाय विशेषज्ञ एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए संघ की उपविधियों में वांछित संशोधन का सुझाव प्रस्तुत करने बाबत कमेटी गठित करने के निर्देश दिये गये, जिससे प्रदेश के कृषकों को प्रमाणित, हाइब्रिड एवं उद्यानिकी की फसलों के लिये सभी प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। संचालक मंडल की बैठक में आगामी आमसभा मे प्रस्तुत किये जाने वाले विषयों का अनुमोदन किया गया।

जिले में 852.6 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 852.6 मिमी अर्थात 33.5 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है जो अभी तक गत वर्ष से 163.3 मिमी अर्थात 6.4 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 1015.9 मिमी अर्थात 39.9 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 1194.8 मिमी दर्ज की गई है। भू अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 659 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय निविदा)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	PRO-549 DATE 8/9/2026 2026_UAD_533564_1	संभाग क्र. 11 के अंतर्गत रानी अवंती बाई वार्ड 67 में प्रगति नगर कालोनी में सीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य। (अध्यक्ष मद)	3 MONTH 8.31	2000.00 8319.00	23/9/2026
2	PRO-549 DATE 8/9/2026 2026_UAD_533564_2	संभाग क्र. 11 के अंतर्गत रानी अवंती बाई वार्ड 67 में जमतरा में सीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य। (अध्यक्ष मद)	3 MONTH 8.38	2000.00 8382.00	23/9/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शिरोमणि त्रिपाठी पति श्री इन्द्रमणि त्रिपाठी के द्वारा सुभाष नगर महाराजपुर कालोनी जमलपुर में भूखण्ड क्रमांक-121 हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त भूखण्ड श्रीमति नीतू सोनी पति श्री किशोर कुमार सोनी के नाम आवंटित है। श्रीमति नीतू सोनी पति श्री किशोर कुमार सोनी के प्राप्त आवेदन एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भूखण्ड श्री शिरोमणि त्रिपाठी पति श्री इन्द्रमणि त्रिपाठी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भूखण्ड के हस्तांतरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं चैत्र आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर सुभाष नगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर स्थित भूखण्ड क्र.-121 श्री शिरोमणि त्रिपाठी पति श्री इन्द्रमणि त्रिपाठी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक MIG flat- 01 श्रीमती सुजाता नाइक पति स्व. श्री सुरेन्द्र नाइक के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20.03.2002 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती सुजाता नाइक पति स्व. श्री सुरेन्द्र नाइक ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27.07.2026 के माध्यम से श्रीमती कामिनी कौरव पति श्री संजीव पटेल को विक्रय किया है। अतः श्रीमती कामिनी कौरव पति श्री संजीव पटेल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भूखण्ड बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर स्थित भूखण्ड क्र. - 343 एवं 344 श्री कमल दास मेश्राम पिता स्व. श्री गुलाब मेश्राम को आंवटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 09.05.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री कमल दास मेश्राम पिता स्व. श्री गुलाब मेश्राम की मृत्यु दिनांक 19.09.2024 को हो गई है, एवं उनकी पत्नि श्रीमती सुशीला मेश्राम कि मृत्यु दिनांक 13.02.2021 को हो चुकी है। उनके पुत्र श्री अविनाश मेश्राम पिता स्व. श्री कमल दास मेश्राम के द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु ऑनलाईन आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नांमातरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज़ हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक. 556 श्री विजय कुमार चौकसे पिता श्री नन्हेंलाल चौकसे के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 10.12.1996 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री विजय कुमार चौकसे पिता श्री नन्हेंलाल चौकसे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.07.1998 के माध्यम से श्री लोकनाथ त्रिपाठी पिता श्री दशरथ प्रसाद त्रिपाठी को विक्रय किया है । अतः श्री लोकनाथ त्रिपाठी पिता श्री दशरथ प्रसाद त्रिपाठी द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाणं प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

निर्माण कार्यों और तकनीकी गतिविधियों का किया अवलोकन

मुख्य अभियंता सिंघल ने किया तेजगढ़ सबस्टेशन का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के मुख्य अभियंता (अति उच्च दाब निर्माण) के.एम. सिंघल ने दमोह जिले स्थित 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन तेजगढ़ का निरीक्षण किया। श्री सिंघल ने निरीक्षण के दौरान सबस्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने हर्रई एवं झालोन क्षेत्र के लिए आरडीएसएस के अंतर्गत बनाए जा रहे 33 केवी फीडरों के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

समय सीमा पर करो आमजनों की शिकायतों का समाधान

एसपी की जनसुनवाई में पहुंची 70 शिकायतें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को एसपी कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई में पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा आमजनों की शिकायत सुनी गई। जन सुनवाई के दौरान पति-पत्नि/पारिवारिक एवं जमीन सम्बंधी विवाद, मारपीट तथा सायबर अपराध से सम्बंधित 70 शिकायतें सामने आई। जन सुनवाई में प्राप्त समस्त शिकायतों का त्वरित निराकरण समय सीमा मे करने हेतु सम्बंधित थाना प्रभारियों/राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान एएसपी डॉ आयुष जाखड़, एएसपी अंजना तिवारी, एएसपी ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय उपस्थित रहे।

मप्र हाईकोर्ट का बड़ा आदेश: प्रोबेशन पीरियड में 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन नियम खत्म

2019 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को मिलेगी पूरी सैलरी, बकाया एरियर भी मिलेगा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने प्रोबेशन पीरियड में कर्मचारियों को 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत और 90 प्रतिशत न्यूनतम वेतनमान देने की व्यवस्था निरस्त कर दी है। इस फैसले से मप्र के हजारों सरकारी कर्मचारियों को राहत मिली है। हाईकोर्ट ने कहा- जब कर्मचारी से पद के अनुरूप पूरा काम लिया जा रहा है, तो केवल प्रोबेशन पर होने के आधार पर उसे कम वेतन नहीं दिया जा सकता। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने 8 सितंबर को समान मुद्दे से जुड़ी कई रिट याचिकाओं पर साझा आदेश पारित किया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि 25 नवंबर 2019 के बाद नियुक्त संबंधित शासकीय कर्मचारियों को प्रोबेशन अवधि में किए गए कार्य का पूरा वेतन दिया जाए।

नियम और सर्कुलर को किया निरस्त

राज्य सरकार की व्यवस्था के तहत प्रोबेशन के पहले साल में न्यूनतम वेतनमान का 70 प्रतिशत, दूसरे साल में 80 प्रतिशत और तीसरे साल में 90 प्रतिशत भुगतान किया जाता था। मप्र हाईकोर्ट ने इस व्यवस्था से जुड़े नियमों और सर्कुलर को निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने माना कि कर्मचारी निर्धारित भर्ती प्रक्रिया से चयनित होकर पद पर नियुक्त होता है। प्रोबेशन के दौरान भी उससे नियमित कर्मचारी की तरह काम लिया जाता है। ऐसे में पूरा काम लेने के बावजूद केवल प्रोबेशन के आधार पर कम वेतन देना उचित नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ 21 कर्मचारियों ने राज्य सरकार की इस व्यवस्था को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामला हेमंत हेलोंडे अन्य बनाम मप्र शासन से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अंशुल तिवारी और अधिवक्ता अभिषेक पांडेय ने पैरवी की।

कम वेतन देने का ठोस आधार नहीं

मप्र हाईकोर्ट ने कहा कि कर्मचारी जिस पद पर नियुक्त हुआ है, उसके अनुरूप उससे काम लिया जा रहा है। इसलिए उसे निर्धारित वेतनमान से कम भुगतान करने का कोई उचित आधार नहीं है। फैसले के मुताबिक, भर्ती नियमों में जिस पे-स्केल का प्रावधान है, कर्मचारी उसी के आधार पर वेतन पाने का हकदार है। केवल प्रोबेशन में होने के कारण उसके वेतन में कटौती नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया गया कि सरकार की ऐसी कोई नीति नहीं है, जिसके तहत प्रोबेशन पूरा होने के बाद पहले तीन वर्षों में रोकी गई 30 प्रतिशत, 20 प्रतिशत और 10 प्रतिशत राशि का एरियर दिया जाता हो। यानी पहले वर्ष में 30 प्रतिशत, दूसरे में 20 प्रतिशत और तीसरे वर्ष में 10 प्रतिशत वेतन कम दिया जाता था। बाद में इस अंतर की राशि को एरियर के रूप में देने का कोई प्रावधान नहीं था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद संबंधित कर्मचारियों को प्रोबेशन अवधि में किए गए कार्य का पूरा वेतन देने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टाइपेंड के नाम पर कम वेतन देने का प्रावधान नहीं

हाईकोर्ट के समक्ष यह भी तर्क रखा गया कि पहले, दूसरे और तीसरे साल में 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत और 90 प्रतिशत राशि को स्टाइपेंड के तौर पर देने का कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है। भर्ती नियमों में निर्धारित पे-स्केल से कम वेतन केवल किसी वैध कार्रवाई या सजा के तहत ही किया जा सकता है। सामान्य स्थिति में बिना ठोस वजह के कर्मचारी के वेतन से कटौती या रिकवरी नहीं की जा सकती।

25 नवंबर 2019 का मेमो भी निरस्त

हाईकोर्ट ने मंत्रिपरिषद के उस निर्णय को भी टिकने योग्य नहीं माना, जिसे 25 नवंबर 2019 के मेमो के जरिए लागू किया गया था। हाईकोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 12 और 14 का उल्लंघन माना और संबंधित व्यवस्था को रद्द कर दिया। इस सर्कुलर के आधार पर संबंधित विभाग द्वारा किए गए संशोधन भी निरस्त कर दिए गए हैं। इस फैसले का सीधा असर उन संबंधित शासकीय कर्मचारियों पर पड़ेगा, जिन्हें 25 नवंबर 2019 के बाद नियुक्त किया गया और प्रोबेशन अवधि में 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत और 90 प्रतिशत न्यूनतम वेतनमान के आधार पर भुगतान किया गया था।

सड़क किनारे चल रहे युवक को सांड़ ने उठाकर पटका, हुई मौत

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

हनुमानताल क्षेत्र का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर आवारा मवेशियों का आतंक एक बार फिर सामने आया है। हनुमानताल क्षेत्र में सड़क पर लड़ रहे 2 सांड़ों में से एक ने पैदल जा रहे युवक को उठाकर पटक दिया। इसके बाद सांड़ उसके ऊपर से गुजरते हुए भाग गए। इस घटना के बाद घायल अवस्था में युवक को स्थानीय लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक शाम को सड़क पर 2 सांड़ आपस में लड़ रहे थे। इसके कारण यातायात रुक गया था। इसी दौरान गोराबाजार निवासी रवि यादव दूध बांटकर वहां से निकल रहा था। दुकान के पास मौजूद लोगों ने सांड़ों को हटाने के लिए पानी डालना शुरू किया। तभी एक सांड ने पीछे से रवि पर हमला कर दिया और उसे उठाकर सड़क पर पटक दिया। घटना के बाद दोनों सांड वहां से भाग गए। सांड़ के हमले के बाद रवि काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे ऑटो से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में हनुमानताल थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने बताया कि मृतक दूध व्यवसायी था और दूध लेकर आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आवारा मवेशियों को रखने पर्याप्त व्यवस्था की जरूरत

इधर सड़कों में घूम रहे आवारा पशुओं के संबंध में नगर निगम अधिकारी कुशाग्र सिंह ठाकुर का कहना है कि शहर में लगभग 20 हजार से अधिक आवारा मवेशी हैं। इन्हें पकड़ने के लिए 80 कर्मचारी लगाए गए हैं और रोजाना 70 से 80 मवेशियों को पकड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि तिलवारा में 800, रामपुर में 130 और उमरिया में 170 मवेशियों को रखने की क्षमता है। इससे अधिक मवेशियों को रखने की व्यवस्था नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, कई स्थानों पर मवेशियों को पकड़ने के दौरान कुछ गौभक्तों की ओर से विवाद की स्थिति भी बनती है।

निगमायुक्त ने की जन-कल्याणकारी कार्यों की समीक्षा, दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा निगम मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में समस्त विभागीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान निगमायुक्त द्वारा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई, जिसमें पीएम स्वनिधि एवं संबल योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित करने तथा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के शत-प्रतिशत त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए। उन्होंने लोककर्म उद्यान एवं कॉलोनी सेल के अंतर्गत जारी निर्माण एवं सुंदरीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया गया कि सभी परियोजनाएं उच्च गुणवत्ता मानक के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण की जाए। स्वास्थ्य, लीज एवं राजस्व विभाग के समीक्षा के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और राजस्व संग्रहण में तेजी लाने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश भी निगमायुक्त द्वारा दिए गए। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता आवश्यक है इसलिए उन्होंने परस्पर समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, सौरभ मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

बिजली कटौती की समस्या पर कांग्रेसियों ने घेरा विद्युत कार्यालय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर जिला कांग्रेस महासचिव रविंद्र कुशवाहा ने बताया कि रांझी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही विद्युत समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंडलम अध्यक्ष राजू कनौजिया के नेतृत्व में विद्युत मंडल रांझी के एमपीवी कार्यालय में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बेतहाशा बिजली बिल, बार-बार बिजली गुल होने, खराब मीटर नहीं बदले जाने तथा स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए उपभोक्ताओं पर बनाए जा रहे दबाव का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस ने मांग की कि गलत एवं अधिक बिलों की निष्पक्ष जांच कर सुधार किया जाए तथा खराब मीटर तत्काल बदले जाएं। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर जनहित में आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष वत्स, महासचिव रवींद्र कुशवाहा, मंडलम अध्यक्ष राजू कनौजिया, पूर्व पार्षद राजेश यादव आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

पेट्रोल पम्पों पर जांची गुणवत्ता, डेयरी से एकत्रित किए सैम्पल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार मंगलवार को तहसीलदार आधारताल रंजना यादव के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य सुरक्षा और नापतौल विभाग की टीम ने आधारताल तहसील के अंतर्गत दो पेट्रोल पंप, एक दूध डेयरी एवं एक मिठाई दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। तहसीलदार आधारताल रंजना यादव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान रद्दी चौकी स्थित रज्जब अली सुलेमान जी पेट्रोल पम्प और आधारताल चौक के समीप स्थित ओम पेट्रोलियम के नोजल से पेट्रोल आपूर्ति की मात्रा जांची गई। इसी प्रकार सिंह मिठाई भंडार के निरीक्षण के दौरान परीक्षण हेतु मिठाई के तथा बल्हारा डेयरी से दूध के सेम्पल लिए गये। निरीक्षण की कार्यवाही नाप तौल निरीक्षक आर के ढोके एवं सचिन कुमार सोनी तथा खाद्य सुरक्षा प्रशासन से खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधुरी मिश्रा द्वारा की गई।

5 रेलकर्मियों को मिला उत्कृष्ट संरक्षा पुरस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल परिचालन में उच्च स्तरीय सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और संरक्षा के प्रति जागरूकता दिखाने वाले रेलकर्मियों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में अगस्त 2026 माह के दौरान पश्चिम मध्य रेलवे में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले पाँच रेलकर्मियों को पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह द्वारा उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अगस्त 2026 माह के पुरस्कृत कर्मचारियों में वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर (गुड्स/न्यू कटनी जंक्शन/जबलपुर मंडल) सिया राम, टेक्नीशियन (कोचिंग डिपो/कटनी मुड़वारा/जबलपुर मंडल) पवन कुमार चौबे, टेक्नीशियन-द्व (सी एंड डब्लू/इटारसी/भोपाल मण्डल) दुर्गा प्रसाद, पॉइंट्समैन (ओबेदुल्लागंज/भोपाल मण्डल) सुनिक कुमार एवं स्टेशन अधीक्षक (महावीर / कोटा मण्डल) शिवचरण मीणा शामिल हैं।

नक्शा काटने की बात पर पटवारी को दी धमकी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पनागर थाने में विष्णु सिंह धुर्वे उम्र 58 वर्ष निवासी सिंगलदीप ने लिखित शिकायत कर बताया कि वह तहसील पनागर में हल्का पटवारी के पद पर पदस्थ है । वह अपने हल्का में शासकीय काम कर रहा था तभी सुनील उपाध्याय उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम सिंगलदीप का ग्राम पंचायत भवन सिंगलदीप में आकर किसी नक्शा काटने को लेकर उसके ऊपर दबाव बनाने लगा। उसने कहा कि नक्शा कट चुका है, आप अपील सक्षम अधिकारी के पास करें। इसी बात को लेकर सुनील उपाध्याय उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये गाली गलोज कर जान से मारने की धमकी देकर उसके शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर बोला कि दुबारा हल्का में दिखा तो जान से खत्म कर देगा। इस दौरान पंचायत भवन में ग्रामवासी, सचिव, ग्राम कोटवार व पटवारी योगेश सिंह उपस्थित थे। पुलिस ने आरोपी सुनील उपाध्याय उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम सिंगलदीप के विरूद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य और पुनर्वास जागरूकता पर जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया अभियान

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर आमजनों को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस (जिनसार) के विद्यार्थियों द्वारा विक्टोरिया अस्पताल में स्वस्थ जीवन की ओर एक कदम, पुनर्वास के बाद भी निरंतर स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण विषय पर स्वास्थ्य एवं पुनर्वास जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक रिशिका कोठारी एवं आशीष दाऊद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बीमारी से उबरने के बाद भी स्वास्थ्य एवं कल्याण को बनाए रखने के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना था। इस दौरान पुनर्वास, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधियों तथा समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

रोचक ढंग से प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक- जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बी.एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा एक शिक्षाप्रद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से पुनर्वास, स्व-देखभाल, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा बीमारी से ठीक होने के बाद भी निरंतर स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता को प्रभावी एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और स्वस्थ आदतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बीमारी से स्वस्थ होना स्वास्थ्य सेवा का अंत नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की आजीवन प्रतिबद्धता की शुरुआत है। प्रतिभागियों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार पुनर्वास संबंधी गतिविधियों को अपनाने, संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय एवं जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि वास्तविक स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आजीवन स्वास्थ्य संरक्षण, रोगों की रोकथाम, पुनर्वास तथा शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से समग्र कल्याण शामिल है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**